

Janhvi Kapoor

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi Ranchi ● Thursday, 25 July 2024 ● Year : 02 ● Issue : 187 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

On Telugu...

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

: 80,148.88 निफ्टी 24,413.50

6,665 चांदी 92.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS गुजरात में बारिश से इमारत गिरी, 3 की मौत

NEW DELHI: गुजरात में पिछले दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। द्वारका के खंभालिया में एक तीन मंजिला इमारत गिरने से एक बुजुर्ग महिला और दो बच्चियों की मौत हो गई। सरत में 24 घंटे में 228े बारिश रिकॉर्ड की गई है। यहां सडकों पर नदियों जैसा पानी बह रहा है। छत्तीसगढ के बस्तर संभाग में भारी बारिश की वजह से दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में स्थित एनएमडीसी का चेक डैम टूट गया। इससे डैम का पानी किरंदल शहर में घस गया। इस दौरान करीब १०० से ज्यादा मकान–दुकान ढह गए। पानी का फ्लो इतना तेज था कि सडक पर खडे छोटे-बडे वाहन बहने लग गए। मुख्य सड़क से लेकर बस्तियों की सड़कें और गलियां तक उखड गईं। इसके अलावा मध्य प्रदेश में भी बारिश के कारण कई नदियां, बांध और तालाबों में पानी का लेवल बढ़ गया है। 24 घंटे में इंदिरा सागर, तिघरा, तवा, बरगी जैसे बड़े डैम में 3 से 6 फीट तक पानी बढ़ा है। बैतूल के सतपुड़ा, मंडला में नैनपुर के थावर और श्योपुर के डैम के गेट खोलना

टैक्स घटने के बाद सोना ₹4,000 तक हुआ सस्ता

पड़े हैं।

NEW DELHI : बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद से 2 दिन में सोना ४००० रुपये और चांदी ३६०० रुपये सस्ती हो चुकी है। सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को १५ प्रतिशत से घटाकर ६ प्रतिशत कर दिया है। इससे भाव में ये गिरावट आई है। बजट के अगले दिन, यानी आज २४ जुलाई को सोना ४०८ रुपये गिरकर 69,194 रुपये पर आ गया है। 23 जुलाई को इसमें 3600 रुपये की गिरावट आई थी। वहीं चांदी आज 22 रुपये गिरकर 84,897 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। कल चांदी में ३६०० रुपये की गिरावट थी।

किसान आंदोलन के चलते बंद शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा

NEW DELHI : हरियाणा और पंजाब के बीच अंबाला के पास स्थित शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा, शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखी जाए। दरअसल, किसान आंदोलन की वजह से हरियाणा सरकार ने इसे 5 महीने से बैरिकेडिंग कर बंद कर रखा है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने 10 जुलाई को एक हफ्ते में शंभू बॉर्डर को खोलने का आदेश दिया था। यहां किसान १३ फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एक स्वत्रंत कमेटी गढित करने का प्रस्ताव करता है। इसमें प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होंगे। ये किसानों और सरकारों से संपर्क कर उनकी मांगों का ऐसा व्यावहारिक समाधान खोज सकेगी जो सभी को स्वीकार होगा।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की बहाली में अनियमितता की शिकायत

EXCLUSIVE

ANAND MISHRA @ JSR एक कहावत है 'खाता न बही, राजा जो कहे वही सही'। ऐसे राज में कोई कानून नहीं चलता, यानी जंगलराज होता हैं। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी

में कमोबेश यही स्थिति है। फेर्क सिर्फ इतना है कि यहां वीसी 'फाइनांस ऑफिसर दोनों अपनी मनमर्जी चला रहे हैं'। इन दोनों के संरक्षण में युनिवर्सिटी में व्यापक का अनियमितता बरती जा रही हैं। इनकी देखरेख में नीचे से लेकर ऊपर तक के बाकी भी कई अधिकारी-पदाधिकारी खुलकर अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। परिणाम यह है कि शोषण के शिकार हो रहे दसरे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। एजेंसी के अधीन कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर व कर्मियों में असतीष है।

शेष पेज ०४ पर।

नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए रिजल्ट से पहले हो गई नियुक्ति, फाइनांस ऑफिसर की बेटी भी बहाल

वीमेंस यूनिवर्सिटी के गेट पर तैनात तीन सुरक्षाकर्मी हटाए गए

नियक्ति की प्रक्रिया में वह कहीं नहीं हैं। इस संबंध में सेलेक्शन बोर्ड के लोग अथवा सीवीसी कुछ बता सकती हैं।

राजेंद्र जायसवाल, कुलसचिव।

आज में छुट्टी पर हूं। विश्वविद्यालय लौटने पर ही कुछ बता सकती हूं। वैसे यूनिवर्सिटी में मौजूद किसी अधिकारी से पूछ

कंप्यूटर ऑपरेटरों में तपन, दीपाशा और गुलिस्ता शामिल

पिछले ही दिनों यूनिवर्सिटी में तीन कंप्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। इनमें वे तीन नाम शामिल हैं, जिनकी नियुक्ति पहले से ही तय मानी जा रही थी। विश्वविद्यालय सूत्रों ने पहले ही इन तीनों की बहाली की संभावना जताई थी। नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटरों में तपन मोदक, दीपाशा

शरण और गुलिस्तां जावेद शामिल हैं। तपन मोदक पिछले कई वर्षों से यहां संविदा पर कार्यरत हैं। दीपाशा करण यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता की पीए हैं। वहीं गुलिस्तां जावेद यूनिवर्सिटी के फाइनांस ऑफिसर डॉ जावेद अहमद की बेटी हैं।

बडे पैमाने पर हुई गड़बड़ी

सूत्रों की मानें तो विश्वविद्यालय में नियमों को ताक पर रखकर रिजल्ट की घोषणा किए बगैर संविदा आधारित शिक्षक–शिक्षिकाओं से लेकर कंप्यूटर ऑपरेटरों तक की नियुक्ति हो रही है। पीएचडी रजिस्ट्रेशन में भी गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही हैं। छात्र नेता हेमंत पाठक ने आरोप **जांच की मांग** लगाया है कि नियुक्ति में बड़े पैमाने पर गडबड़ी हुई है। इसकी जांच होनी चाहिए।

एफओ की एक बेटी का हुआ था पीएचडी में रजिस्ट्रेशन

कंप्यूटर ऑपरेटर पढ़ के लिए आवेढ़न करने वालों एवं साक्षात्कार में शामिल अभ्यर्थियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि फाइनांस ऑफिसर की बेटी को कंप्यूटर का ज्ञान नहीं है। बावजूद उनकी नियुक्ति कर ली गयी, इसलिए इसकी अविलंब जांच होती चाहिए। यदि जांच में विलंब हुआ, तो ऐसे अभ्यर्थी को बैकडेट में टेंड कर मामले की लीपापोती कर दी जाएगी फाइनांस ऑफिसर डॉ.जावेद अहमद की एक बेटी शगुपता जावेद जमशेदपुर वीमेंस

युनिवर्सिटी से ही पीएचडी कर रही हैं। बताया जाता है कि पीएचडी एडिमशन के समय प्वाइंट कम होने के बावजढ डॉ. अहमद यूनिवर्सिटी प्रशासन के समक्ष अड़ गए थे। उन्होंने हर हाल में अपनी बेटी के रजिस्ट्रेशन के लिए वीटो लगा दिया था, जबकि एक छात्रा नेट क्वालिफाइड थी और उसका प्वाइंट भी अधिक था। फाइनांस ऑफिसर के अडियल रवैये को ढेखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन को झुकना पड़ा और काफी गडबडझाला कर नेट क्वालिफाइड

खत्रा का प्वाइंट कम दर्शांकर उनकी बेटी क रजिस्ट्रेशन किया गया। कंप्यूटर ऑपरेटर पद् के लिए 178 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 168 अभ्यर्थी तकनीकी परीक्षा सह साक्षात्कार में शामिल हुए थे। इस नियुक्ति के संबंध में फिलहाल वैसे अभ्यर्थियों को ही जानकारी है, जो यूनिवर्सिटी में किसी न किसी रूप में कार्यरत हैं। इसका रिजल्ट जारी किए बगैर चरान प्रकिस में हिस्सा लेने वाले तीन लोगों को काम शुरू करने के लिए कह दिया गया है।

कैबिनेट की मीटिंग में हेमंत सरकार के 30 महत्वपूर्ण

झारखंड के मेडिकल कॉलेजों में संविदा पर आधारित होगी बहाली

PHOTON NEWS RANCHI:

बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट की मीटिंग हुई। इसमें 30 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने यह स्वीकृति दे दी है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों में संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए नियमावली लागू होगी। शैक्षणिक कार्य के लिए शिक्षकों की दो वर्ष या अधिकतम उम्र 70 वर्ष तक की जा सकेगी। प्राध्यापक को 2.50 लाख रुपये सहायक प्राध्यापक को दो लाख व सहायक प्राध्यापक को 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। राज्य कर्मियों का विभिन्न भत्तों में बढ़ोतरी की गई। एक्स श्रेणी के अधिकारियों को 27% की बजाय अब 30%, वाई में 18 फीसदी के बजाय 20% और जेड श्रेणी में 10 % देने की स्वीकति दी गई। इसके अलावा परिवहन भत्ता, गेस्ट हाउस भत्ता होटल भत्ता इत्यादि में भी बढोतरी की गई है। झारखंड कारा सेवा और सुधार विधेयक 2024 की स्वीकृत दी गई।

मंत्री और अधिकारियों को मोबाइल खरीदने के लिए मिलेंगे 60 हजार



विशेष सचिव स्तर के अफसर ₹४५००० तक का खरीद सकेंगे फोन

राज्य सरकार के मंत्रियों और सचिवालय के वरीय अधिकारियों से लेकर जिला स्तर पर काम कर रहे सभी राजपत्रित कर्मियों को फोन व रिचार्ज की सविधा में बढोतरी की। मंत्रियों व अधिकारियों को 60 हजार रुपये तक का फोन व मंथली रिचार्ज 3000 रुपये तक दी जायेगी। मोबाइल फोन का जीवनकाल चार वर्षो तक रखा गया है। वहीं, विशेष सचिव संतर के

अधिकारी ४५००० रुपये तक का फोन खरीद सकेंगे व उनकी रिचार्ज के लिए प्रतिमाह २००० रुपये दिया जायेगा। अपर सचिव व इससे न्यून पदाधिकारियों को ४०००० रुपये तक फोन व १५०० रुपये मासिक रिचार्ज, इसके अलावा उप सचिव व इसके नीचे के अधिकारियों को 35000 व अवर सचिव से नीचे स्तर के अधिकारियों को 30000 रुपये फोन के लिए व क्रमश:

1000 रुपये व 750 रुपये मंथली रिचार्ज अमाउंट दिया जायेगा। एनपीएस टायर वन में पेंशन निधि और निवेश रिर्टन में संशोधन, हजारीबाग स्थित शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल और पश्चिम सिंहभूम जिला के चिकित्सा महाविद्यालय अस्तपाल अंतर्गत नर्सिंग कॉलेज की स्थाप लिए 42 पद सृजन के प्रस्ताव पर भी स्वीकृति दी गयी।

इन एजेंडों पर भी मुहर

- मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के लिए परिचय पत्र देने की स्वीकृति दी गई।
- विधानसभा सदस्य स्टीफन मरांडी को 20 सूत्री कार्यक्रम समिति का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्ति को मिली मंजूरी
- अस्पतालों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए 5 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष देने की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड को विघटित किया गया है। इसके तीन कर्मियों को उपनिदेशक कल्याण छोटा नागपुर कार्यालय में समायोजित करने पर मुहर।

रांची के कोर कैपिटल में बनेगा होटल ताज, साइन

किया गया एमओयू **PHOTON NEWS RANCHI:** बुधवार को झारखंड मंत्रालय के सभागार में होटल ताज और झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत राजधानी रांची के धुवां स्थित कोर कैपिटल में होटल खलेगा। सीएम हेमंत सोरेन और • बोले सीएम- कदम से टाटा स्टील के सीईओ टीवी कदम मिलाकर चलने नरेंद्रन की मौजदगी में एमओय को तैयार है सरकार संपन्न हुआ। झारखंड की राजधानी रांची के लिए

- कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का शानदार और सफल आयोजन
 - नीतियां अच्छी हों तो लोगों को रोजगार के लिए पलायन की जरूरत नहीं

व्यवस्था खड़ा करना चाहते हैं, जहां सभी की भागीदारी से झारखंड को एक नई पहचान दे सकें। नीतियां अच्छी हों तो लोगों को रोजगार के लिए पलायन की जरूरत नहीं पड़ेगी। झारखंड को नयी दिशा देने के लिए पूरी ताकत के साथ राज्य सरकार काम कर रही है।

नेपाल के काठमांडू में प्लेन अचानक झुका, पलटा और लग गई आग

उड़ान भरने के दौरान विमान क्रैश, 18 की मौत

AGENCY NEW DELHI:

बुधवार की सुबह नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक विमान क्रैश हो गया। प्लेन में सवार 19 लोगों में से 18 की मौत हो गई है। घायल पायलट कैप्टन एम. शाक्य को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है। प्लेन काठमांडू से पोखरा जा रहा था। प्लेन ने सुबह करीब 11 बजे त्रिभुवन एयरपोर्ट से उडान भरी। इसके कछ ही देर के अंदर यह क्रैश हो गया। यह विमान 9एन-एएमई प्लेन सौर्य एयरलाइन्स का था। हादसे में मारे गए लोगों में से 17 शौर्य एयरलाइंस के ही स्टाफ थे, जबिक बाकी 2 क्रू मेंबर्स थे।

पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम घटनास्थल पर रेस्क्यू के लिए पहुंची



ले जाया जा रहा था कास्टिंग के लिए

जानकारी के अनुसार, 21 साल पराने इस प्लेन को मरम्मत कर टेस्टिंग के लिए ले जाया जा रहा था। प्लेन में मौजढ लोग कंपनी

के टेस्टिंग स्टाफ था। हादसे के तुरंत बाद पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम घटनास्थल पर रेस्क्यू के लिए पहुंची।

टेक ऑफ करते ही क्रैश हो गया हवाई जहाज

घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने काठमांडू पोस्ट से बात करते हुए कहा, प्लेन रनवे के दक्षिणी छोर से टेकऑफ कर रहा था। अचानक से इसमें झटका लगा और आग लग गई। इसके बाद यह रनवे के पर्वी हिस्से में बद्धा एयर हैंगर और रडार स्टेशन के बीच एक गड्ढे में गिर गया। सौर्य एयरलाइंस की वेबसाइट के मुताबिक, कंपनी नेपाल में 5 जगहों के लिए विमान संचालित करती है। इनके पास 3 बॉम्बार्डियर सीआरजे–200 जेटस मौजूद हैं। नेपाल में एयर इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में काफी विकास हुआ है। यह कई कठिन और पहाड़ी वाले इलकों में भी सेवाएं दे रही हैं। हालांकि, खराब सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेनिंग की कमी की वजह से यहां अकसर हादसे होते रहते हैं।

जम्मु-कश्मीर में सेना व आतंकियों के बीच मुटभेड़, जवान शहीद

KUPWADA: जम्मू-कश्मीर के कृपवाड़ा के कोवृत इलाके में बुधवार सुबह सेना-आतंकियों के बीच गोलीबारी में एक और जवान शहीद हो गया है। नॉन कमीशंड ऑफिसर दिलावर सिंह अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एनकाउंटर में सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है। इससे पहले मंगलवार को पुंछ में एनकाउंटर हुआ था, जिसमें लांस नायक सुभाष कुमार शहीद हुए थे। सेना ने बताया कि उन्हें कोवृत में मंगलवार को 2-3 आतंकियों के मुवमेंट की सूचना मिली थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। देर रात दिलावर सिंह को गोली लगी थी। एनकाउंटर में आज सुबह जवानों ने एक आतंकी को मार गिराया। जुलाई 2024 में अब तक जम्मू-कश्मीर में 8 बड़े आतंकी हमले हुए हैं। इनमें कुल 13 जवान शहीद हुए, जबिक सुरक्षाकर्मियों ने 12 आतंकियों को मारा गिराया। जम्मू रीजन में सेना ने 20 साल पहले पाकिस्तान परस्त आतंकी संगढन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के जिस लोकल नेटवर्क को सख्ती से निष्क्रिय कर दिया था, वो

पूरी ताकत से फिर एक्टिव हो गया

सामान ढोने का काम करते थे, अब

है। पहले ये लोग आतंकियों का

उन्हें गांवों में ही हथियार, गोला

बीते दिनों जिन 25 संदिग्धों को

हिरासत में लिया गया है, उन्होंने

पूछताछ में इसके सुराग दिए हैं।

बारूद और खाना-पीना दे रहे हैं।

झारखंड से हमारा सौ साल पुराना संबंध : नरेंद्रन एमओयु हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान

टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टी वी नरेंद्रन ने कहा कि झारखंड का टाटा के संबंध कोई नया है। यह संबंध 100 साल से भी पुराना है।झारखंड देश का एक ऐसा राज्य है जहां टाटा ग्रुप पिछले कई सालों से

खशखबरी है। अब रांची के धुवां

स्थित कोर कैपिटल में होटल

ताज बनेगा। इसके लिए झारखंड

की हेमंत सोरेन सरकार ने

बुधवार को झारखंड मंत्रालय में

होटल ताज के साथ एमओयू

किया। सीएम हेमंत सोरेन स्वयं

मौके पर मौजूद थे। एमओयू को

लेकर झारखंड मंत्रालय के

सभागार में कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन की उपस्थिति में नगर

विकास एवं आवास विभाग और

द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी

इकाई द इंडियन होटल्स कंपनी

लिमिटेड के बीच ताज होटल के

निर्माण को लेकर एमओय पर

हस्ताक्षर संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन ने कहा कि ऐसी

माइनिंग से लेकर मैन्युफैक्करिंग का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पिछले कई सालों से रांची में ताज होटल खोले जाने को लेकर प्रयासरत थे। आज यह पूरा होता दिख रहा है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।

मैक्लुस्कीगंज व लातेहार में ताबड़तोड़ छापा

नक्सली रविंद्र के करीबियों के टिकानों पर एनआईए रेड

CRIME REPORTER RANCHI: झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बने 15 लाख के इनामी नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के खिलाफ

नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने कारवाई शुरू कर दी गई है। गंझू को समर्थन देने वाले और उसके काली कमाई का निवेश करने वाले आधा दर्जन लोगों के ठिकानों पर बुधवार को एनआईए की टीमों ने रांची मैक्लुस्कीगंज और लातेहार के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड मारी। जानकारी के अनुसार, मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के लपरा में जितेन्द्रनाथ पांडेय व रोहित यादव नाम के दो लोगों के घर पर



एनआईए का छापा पड़ा है। पुलिस ने दोनों घरों को घेर लिया है। घरों के पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। छापामारी में अधिकारियों संग दो महिला अधिकारियों के भी होने की सूचना है। किसी को भी घरों से निकलने या अंदर जाने की अनुमति नहीं है। बताया जाता है कि एनआईए की टीम सुबह चार बजे ही मैक्लुस्कीगंज थाना पहुंच चुकी थी।

स्ट्रांग आर्मी दुश्मन के खिलाफ युद्ध संचालन के लिए डिजाइन किया गया है यह जहाज

इंडियन नेवी के लिए नया जंगी जहाज 'त्रिपुट' लॉन्च

भारतीय नौसेना के लिए नया जंगी

जहाज 'अथर्ववेद' के आह्वान के साथ समुद्री परंपरा को ध्यान में रखते हुए गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई की पत्नी रीता श्रीधरन ने लॉन्च किया है। जहाज का नाम 'त्रिपुट' रखा गया है, जो शक्तिशाली तीर के नाम पर है। यह नौसेना में वर्ष 2026 में शामिल होगा, जिससे आने वाले वर्षों में हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारतीय नौसेना की क्षमता में बहुत अधिक मजबूती आएगी। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) में बनाया गया यह जहाज दो उन्नत फ्रिगेट में से पहला है। यह तलवार क्लास फ्रिगेट का 9वां जंगी जहाज है, जिसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड बनाया है। इसे बनाने का काम २९ जनवरी, २०२१ को शुरू हुआ था।

हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना की क्षमता और होगी मजबूत भारत में निर्मित



2019 में अनुबंध पर हुए थे हस्ताक्षर

रक्षा मंत्रालय और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के बीच 25 जनवरी 2019 को दो त्रिपुट श्रेणी के एडवांस फ्रिनेट बनाने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसे दुश्मन के जहाजों, पनडुब्बियों और हवाई जहाजों के खिलाफ युद्ध संचालन के लिए

डिजाइन किया गया है। त्रिपुट श्रेणी के जहाज 124.8 मीटर लंबे और 15.2 मीटर चौडे हैं. जिनका डाफ्ट 4.5 मीटर है। अगर इन्हें 26 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार से चलाया जाए तो ये एक बार में 4850 किमी. की रेंज कवर करते हैं।

पहला जहाज

नौसेना के वाइस एडिमरल कृष्णा स्वामीनाथन कहते हैं कि यह भारतीय नौसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि हम यार्ड १२५८ को लॉन्च कर रहे हैं, जो त्रिपुट श्रेणी के जहाजों में से पहला है। इन्हें गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में बनाया गया है। यह भारत में निर्मित पहला जहाज है। इससे आने वाले वर्षों में हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारतीय नौसेना की क्षमता में बहुत अधिक मजबूती आएगी।

१८० सैनिकों को लेकर चलने की क्षमता

तलवार क्लास के जहाज स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली से लैस हैं। यह जहाज 18 अधिकारियों समेत 180 सैनिकों को लेकर 30 दिन तक समंदर में रह सकते हैं और उसके बाद इसमें रसद और ईंधन डलवाना पड़ता है। ये जंगी जहाज इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस हैं। इन पर मीडियम रेंज की मिसाइलें, 8 इगला-1ई, ८ वर्टिकल लॉन्च एंटी-शिप मिसाइल क्लब, ८ वर्टिकल लॉन्च एंटी-शिप और लैंड अटैक ब्रह्मोस मिसाइल भी

दक्षिण अफ्रीका में फंसे झारखंड के 27 प्रवासी मजदूरों की हुई वापसी माओवादियों ने गुरुवार को

विधायक कल्पना सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से वीडियो कॉल के जरिए कराई बात

व्यथा को जाना। मुख्यमंत्री हेमन्त **PHOTON NEWS GIRIDIH:** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश सोरेन ने भी मोबाइल की जरिए एवं श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और श्रमिकों से संवाद किया और उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव पहल पर दक्षिण अफ्रीका के सहयोग मदद करने का आश्वासन कैमरून के याउंडे में विनायक दिया। श्रमिकों ने विकट परिस्थितियों कंस्ट्रक्शन, फेस जेंडरमेरी, अप्रेस में दक्षिण अफ्रीका से घर लौटने के ऑडिटोरियम और जीन पॉल टू लिए राज्य सरकार के पहल पर मबांकलो कंपनी में कार्यरत मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। झारखंड के 27 श्रमिकों की बुधवार यह है पुरा मामला : दक्षिण को सवेरे सुरक्षित घर वापसी हो अफ्रीका में फंसे 27 श्रमिकों में गई। मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बोकारो के 18, गिरिडीह के चार बैद्यनाथ राम, मंत्री बेबी देवी, और हजारीबाग-पांच श्रमिक हैं। ये विधायक कल्पना सोरेन और सभी श्रमिक इस वर्ष 29 मार्च से विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने वहां काम कर रहे थे। उन्होंने 16 श्रमिकों के गिरिडीह पहुंचने पर जलाई को एक्स हैंडल पर चार उनका स्वागत किया। साथ ही सभी महीने से पारिश्रमिक बकाया रहने श्रमिकों को तत्काल 25-25 हजार और वापस भारत लौटने की इच्छा रुपये की सहायता राशि दी। उन्होंने जताई थी। मुख्यमंत्री ने इसकी



सुरक्षित झारखंड वापसी किस दिशा

राज्य सरकार की पहल पर

श्रिमिकों की हुई वापसी : श्रम

विभाग के तहत कार्यरत राज्य

प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा एल एंड

टी कंपनी से संपर्क कर निर्देशित

किया गया कि जल्द से जल्द

कोडरमा के दादी

स्टील फैक्ट्री में करंट से मजदूर की मौत

KODERMA : जिले के

झुमरीतिलैया स्थित दादी स्टील

मैनुफैक्करिंग एंड ट्रेडिंग प्रा. लि. में

काम करने के दौरान बधवार को

हादसे में एक मजदूर की मौत हो

गयी। मृतक की पहचान यूपी

निवासी वीर बहादुर सिंह के रूप

में हुई है। वह बलिया जिले का

जानकारी के अनुसार काम करने

के दौरान बिजली का करंट लगने

से वह गिर गया। उसे सदर

अस्पताल ले जाया गया लेकिन

उसकी मौत हो चुकी थी। यह भी

बताया जाता है कि इस तरह की

घटनाओं को लेकर फैक्टरी में

एहतियात के उपाय नहीं किये गए

थे। फैक्टरी में इलाज की

व्यवस्था भी नहीं थी। मजदूर का

शव सदर अस्पताल में रखा गया

है। उसके परिजनों के आने के

रहने वाला था।

में पहल करने को कहा था।

वीडियो कॉल पर बात करते सीएम हेमंत सोरेन

रोजगार, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग को आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया। साथ ही

भुगतान किया जाय। इस संबंध में कोलकत्ता हेड ऑफिस से संपर्क कर पुनः कैमरून, दक्षिण अफ्रीका को मामले से अवगत कराया गया। राज्य सरकार के इस पहल के बाद एल एंड टी कंपनी ने 17 जुलाई को सभी 27 श्रमिकों को तीन महीने के बकाया पारिश्रमिक के रूप में 30 लाख रुपये का भुगतान पारिश्रमिक मिलने की जानकारी वीडियो के माध्यम से राज्य सरकार को दी। कंपनी ने श्रमिकों को भारत वापस भेजने के लिए एयर टिकट की भी व्यवस्था की। इसके बाद 21 जनवरी को सभी श्रमिक वहां से भारत के लिए उड़ान भरे और 22 जुलाई को मुंबई पहुंचे।

का प्रशासन अलर्ट मोड में है। श्रमिकों के बकाया पारिश्रमिक का रेलवे प्रशासन ने नक्सल प्रभावित चक्रधरपुर-मनोहरपुर-राउरकेला सेक्शन के स्टेशनों पर आरपीएफ जवानों की तैनाती कर दी है। वहीं सुरक्षित परिचालन के लिए बुधवार शाम 6 बजे से ही पैसेंजर ट्रेनों के आगे पायलट इंजन चलाए जा रहे हैं। ऐसा इसलिए कि अगर पटरियों को नुकसान पहुंचाया जाता है तो पैसेंजर ट्रेनों को किसी तरह का नुकसान न हो। इसके साथ ही हाल में नक्सलियों द्वारा पटरियों पर पोस्टर लगाने पर नुकसान पहुंचाने की कोशिश को देखते हुए नाइट पेट्रोलिंग कराई जा रही है। वहीं संवेदनशील स्थानों पर कोरस कमांडो, सीआरपीएफ जवानों की भी मदद ली जा

माओवादी बंद की घोषणा तोरपा के बालू कारोबारी का बकसपुर पर आरपीएफ ने की अतिरिक्त फोर्स तैनात

CHAKRADHARPUR: भाकपा-

एकदिवसीय बंद की घोषणा की

है। इसे देखते हुए माओवादियों

द्वारा रेलवे परिचालन को प्रभावित

करने की कोशिश हो सकती है।

इसे लेकर चक्रधरपुर रेल मंडल

से अपहरण का प्रयास, किया जख्मी KHUNTI: जरियागढ़ थाना क्षेत्र

के लापा बकसपर गांव से मंगलवार की देर रात तोरपा के बालू कारोबारी श्रवण साह का रेत तस्करों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बालू माफिया नें श्रवण साह के अपहरण का प्रयास किया, लेकिन पुलिस के पहुंच जाने से वे अपने मनसबे पर नाकाम हो गये। गंभीर रूप से घायल श्रवण साहु को बुधवार को तडकेइलाज के लिए तोरपा के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में श्रवण साह् ने बताया कि उसने बकसपुर में सरकारी बालू डिपो को नीलामी में लिया है। मंगलवार की रात को उन्हें सूचना मिली कि कुछ बालू माफिया सरकारी डीपो से बालू का अवैध उठाव कर रहे हैं। जानकारी मिलने पर श्रवण रात को ही लापा पहुंच गये, तो देखा कि पांच-सात हाइवा में बालू लादकर कहीं भेजा जा रहा है। उसके कछ देर बाद ही अभिषेक कुमार उर्फ चींटू, इमरोज सहित

30-40 लोग लापा पहुंच गये और

श्रवण की खोज करने लगे। जब श्रवण ने अपना परिचय दिया, तो करने लगे और एक स्कॉर्पियो गाड़ी में उसे जबरन बैठाकर उसके अपहरणा का प्रयास करने लगे, लेकिन जरियागढ़ थाना की पुलिस के वहां पहुंच जाने से तस्करों ने श्रवण को छोड़ दिया। इधर जरियागढ़ के थाना प्रभारी राजू कुमार ने बताया कि श्रवण साहू ने ही तोरपा से कुछ लोगों को बुला लिया और हाइवा चालकों के साथ मारपीट की। उन्होंने अपहरण के प्रयास के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। समााचार लिखे जाने तक दोनों पक्षों से थाने में मामला दर्ज कराने

लातेहार में ८५ प्रतिशत कम हुई वर्षा, धान की फसल पर संकट

श्रमिकों से बात कर उनकी परी

LATEHAR : उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई, जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से 23 जुलाई तक औसत से काफी कम वर्षा हुई है। खरीफ मौसम में जून की सामान्य वषार्पात 152.4 मिमी है, लेकिन अब तक मात्र 22.9 मिमी वर्षा हुई है, जो औसत से 85 प्रतिशत कम है। उपायुक्त ने धान फसल का आच्छादन नहीं होने की स्थिति में आकस्मिक फसल योजना तैयार करते हुए कार्य करने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया। झारखंड कृषि ऋण माफी योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त द्वारा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना अंतर्गत लंबित ई-केवाईसी-3592 पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को इसका कारण सहित लाभुकों की सुची की मांग 15 अगस्त तक करें। मृदा स्वास्थ्य कार्ड की समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि स्वाइल हेल्थ कार्ड योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत कुल 3516 मृदा नमूना का लक्ष्य निर्धारित है। इसके विरूद्ध अब तक कुल 2840 मिट्टी नमूना का संग्रहण किया

कांग्रेस के नेताओं ने थामा आजसू पार्टी का दामन



कार्यक्रम में शामिल पार्टी के कार्यकर्ता

HAZARIBAG: मनातू पंचायत के बकचोमा में आजसू पार्टी का कार्यकर्ता मिलन समारोह बुधवार को हुआ। युवा नेता सुनील कुमार के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के कई कार्यकताओं ने आजसू का दामन थामा। आजसू के बड़कागांव विस प्रभारी रोशनलाल चौधरी ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में अबकी बार जनता ने विकास के लिए मतदान करने का मन बनाया

खुंटी में मादक पदार्थों के खिलाफ छापेमारी करें अधिकारीः लोकेश मिश्रा

KHUNTI: उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को नार्की कॉआर्डिनेशन सेंटर की हुई बैठक में मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। ऑनलाइन ऑफलाइन माध्यम से आयोजित इस बैठक में पुलिस विभाग एवं एनकोर्ड से संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रतिवेदनों की समीक्षा की गयी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी द्वारा आपसी समन्वय के साथ अपने क्षेत्र में हो रहे मादक द्रव्य पदार्थों की खेती और कारोबार को चिह्नित कर विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिले की सीमाओं एवं विद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी करने का निर्देश

का चहुंमुखी विकास, युवाओं को यहीं पर रोजगार से जोड़ेंगे। बड़कागांव में उद्योग का हब होने के बावजूद यहां के युवाओं का पलायन उनके परिवार के लिए भी दुःखदायी होता है। इस मौके पर केंद्रीय सदस्य भोला महतो, प्रखंड अध्यक्ष बैजनाथ महतो, लीलाधन साव, सुनील कुमार, पूजा कुमारी, पंसस चरमी देवी, सीता देवी,

है। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र

बाद अंत्यपरीक्षण करवाया पजा देवी आदि मौजद रहे। संसद में उटा रजहरा कोलियरी को चालू करने का मुद्दा

PALAMU: सांसद विष्णु दयाल राम ने बुधवार को लोकसभा में पलायन एवं रोजगार के अभाव के निवारण के लिए प्रश्न काल के दौरान कोयला मंत्रालय से कोयले की गुणवता, रजहरा कोलियरी में उत्खनन प्रारम्भ करने एवं विस्थापितों को नौकरी देने से संबंधित प्रश्न पछा, जिसका जवाब केन्द्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी ने दिया। सांसद ने कहा कि मंत्री के लिखित उत्तर से यह स्पष्ट है कि विभिन्न गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति अलग-अलग राज्यों को की जा रही है। उन्होंने मंत्री से पछा कि जिस राज्य को जिस गुणवता वाले कोयले की आवश्यकता है, उस राज्य को उस गणवता वाले कोयले की आपूर्ति की जा रही है या नहीं? यदि नहीं की जा रही है तो किस मापदंड के आधार पर कोयले की आपर्ति की जा रही है। सांसद ने



कहा कि देश में आज भी कई खादाने बंद पड़ी हुई है। इन बंद पडी कोयला खादानों में निकलने वाले योग्य भंडार लगभग 380 मिलियन टन है, जिसमें से 30-40 मिलियन टन आसानी से निकाला जा सकता है। ऐसी ही एक सीसीएल की खादान रजहरा उनके संसदीय क्षेत्र पलाम में है, जिसे खोलने के लिए सारी प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी है और हर तरह की व्यवस्था भी की जा चुकी है। केवल 20 विस्थापितों को नौकरी दी जानी है, जिस पर एटॉर्नी जनरल की सहमति भी प्राप्त हो चुकी है।

उपस्थिति से संबंधित एसएमएस डाटम पातम जलप्रपात

उपायुक्त लोकेश मिश्रा की

अध्यक्षता में बुधवार को

समाहरणालय खुंटी स्थित सभागार

में समग्र शिक्षा, प्राथमिक,

माध्यमिक शिक्षा, केजीबीवी,

मध्याह्न भोजन, पीएम पोषण

मॉनिटरिंग एवं स्टेयरिंग कमेटी से

संबंधित बैठक की गई। बैठक में

जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा

अद्यतन प्रतिवेदन उपायुक्त के

समक्ष प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त

ने विद्यालयों में प्रतिदिन दिए जाने

वाले मध्याह्न भोजन पर विशेष जोर

देते हुए मेनू अनुसार मध्याह्न भोजन

का संचालन करने का निर्देश

दिया। साथ ही प्रतिदिन बनने वाले

मध्याह्न भोजन एवं बच्चों की

PALAMU: लातेहार जिले के जलप्रपात में सोमवार को नहाने के दौरान पानी में डूबे किशोर का 24 घंटे बाद शव बरामद किया गया। युवक की पहचान पलाम् जिले तरहसी थाना क्षेत्र के पसहर कसमार ग्राम निवासी बिग् गोस्वामी का पुत्र रंजन गोस्वामी (16)के रूप में हुई है। बुधवार को डेड बॉडी का पोस्टमार्टम लातेहार सदर अस्पताल में किया गया। घटना के बाद से रंजन के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार सोमवार को अपनी बहन की सोमवारी पूजा कराने के बाद रंजन अपने चार दोस्तों के साथ हेरहंज के डाटम पातम जलप्रपात घूमने के लिए घर से निकला था। उसके दो दोस्त डालटनगंज से, जबकि रंजन समेत तीन युवक गांव से



खूंटी के स्कूलों में जाकर मध्याह्न भोजन

की निगरानी करें अधिकारी: उपायुक्त

रिपोर्ट विभाग को प्राथमिकता के बैठक में उपस्थित सभी बीईओ को मध्याह्न भोजन समेत अन्य व्यवस्थाओं की ससमय निगरानी करने का निर्देश दिया गया। विद्यालयों में अत्याधुनिक हाइट एवं वेट मशीन अधिष्ठापित करने को लेकर जानकारी ली गई। जिला

को लेकर निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। जल्द ही विद्यालयों में अत्याधुनिक हाइट एवं वेट मशीन का अधिष्ठापन कर लिया जाएगा। साथ ही मशीन के संचालन को लेकर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले पोषक एवं कॉपी-किताब के वितरण के संबंध में भी जानकारी ली गई। उपायक्त ने कहा कि

हाइट एवं वेट मशीन के अधिष्ठापन

प्रतिशत बच्चों को उक्त सामग्रियां ससमय उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिले में संचालित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में बच्चों के नामांकन एवं गुणवत्ता पूर्ण पढ़ाई को लेकर भी उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। बच्चों का आधार एनरोलमेंट के विषय पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने विद्यालयों में कैंप लगाकर प्राथमिकता के आधार पर बर्थ सर्टिफिकेट निर्गत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक अपने विद्यालयों में उपस्थित रहं और प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करना

पांकी विधायक के निजी खर्च से में नहाने के दौरान डबे किशोर का शव बरामद

चाको नहर की मरम्मत शुरू PHOTON NEWS PALAMU: जिले के पांकी प्रखंड के लोहरसी पंचायत के ग्राम गिडी गांव में बिहार सरकार के सिंचाई विभाग द्वारा वर्ष 1960 में बनायी गयी चाको सिंचाई योजना में नहर मरम्मत का कार्य पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशिभूषण मेहता द्वारा बुधवार को निजी खर्च पर शुरू करायी गयी। जानकारी के अनुसार बीते दो वर्षों से इस योजना के बंद हो जाने से चार पंचायत के दर्जन से अधिक गांव सिंचाई से वंचित हो गए थे। मामले की जानकारी होने के बाद विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने तीन जेसीबी की मदद से नहर मरम्मत का कार्य शुरू कराया। बुधवार की सुबह चाको बराज पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से रूबरू हुए। उन्होंने

मरम्मत कार्य में लगा पोकलेन

• फोटोन न्यूज

कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार पांकी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर चिंतित नहीं है, जिस कारण विधानसभा क्षेत्र में कोई भी बड़ी योजनाएं धरातल पर नहीं उतारी जा रही। यदि विभाग एवं सरकार सचेत रहते तो किसानों को दो वर्षों से परेशानियों का सामना करना नहीं पड़ता। मेहता ने कहा कि लगभग 64 वर्ष पहले बराज का निर्माण कार्य करवाया गया है लेकिन

मेंटेनेंस के अभाव में किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा। उन्होंने कहा कि जहां-तहां नहर टूटी हुई है, जिसकी मरम्मत कर तत्काल किसानों को पानी पहुंचाने की शुरूआत आज से की जा रही है ताकि दर्जनों गांव के लोग सिंचाई कर सकें। नहर के मरम्मत कार्य शुरू होने के बाद किसानों में हर्ष का माहौल है। उन्होंने विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता को

फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर किया जाएगा व्यापक प्रचार-प्रसार, एक घंटे तक पूरे राज्य में चलेगी प्रक्रिया

वोटर लिस्ट में '# नाम जांचो' अभियान आज, आप भी कर सकते भागीदारी

PHOTON NEWS LATEHAR: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में '# नाम जांचो' अभियान के सफल संचालन को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया।

गया है। संग्रहित मिट्टी नमूनों में

543 ही मिट्टी जांच

प्रयोगशाला भेजी गई है एवं

318 मिट्टी नमूनो का विश्लेषण

किया गया है। इस पर उपायुक्त

ने 15 अगस्त तक सभी

संग्रहित मिट्टी नमुनों को मिट्टी

जांच प्रयोगशाला में भेजते हुए

और जांच कराते हुए मृदा

स्वास्थ्य कार्ड का वितरण

किया जाए।

इस दौरान उपायुक्त ने बताया कि फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 के तहत 25 जुलाई को सोशल मीडिया के माध्यम से '# नाम जांचो' अभियान आरंभ किया जा रहा है। आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 को ध्यान में रखते हुए मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा यह अभियान प्रारंभ किया गया है, ताकि सभी मतदाता अपना नाम जांच लें कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है और वे मतदान करने के लिए तैयार हैं।



बैठक को संबोधित करतीं उपायुक्त गरिमा सिंह

अभियान में सहयोग करने की

अपील की गई।

सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 25 जुलाई को दोपहर 12 से 1 बजे तक '# नाम जांचो' कार्यक्रम में अर्हता तिथि अभियान का सोशल नेटवर्किंग 1.7.2024 है। इसके साथ ही वैसे साइट्स यथा फेसबुक, ट्विटर युवा, जिनकी आयु 1.10.2024 और इंस्टाग्राम पर व्यापक प्रचार-तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण होगी, प्रसार किया जाएगा। इस दौरान वे अपना नाम मतदाता सूची में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व पंजीकृत करने के लिए प्रपत्र-6 में सभी मीडिया प्रतिनिधियों से इस आवेदन कर सकते हैं।

इस दौरान आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गागराई, अपर आगे बताया कि फोटोयुक्त मतदाता समाहर्ता रामा रविदास, उप

निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, विभिन्न राजनीतिक दलों व मीडिया प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऑफलाइन : 25 जुलाई को प्रकाशित मतदाता सूची की प्रति सभी बूथ लेवल पदाधिकारी के पास उपलब्ध रहेगी। बूथ लेवल पदाधिकारी उक्त तिथि को अपने संबद्ध मतदान केंद्र में सुबह 10 बजे से उपस्थित रहेंगे। मतदाता स्वयं एवं अपने अर्हतायुक्त सदस्यों का नाम मतदाता सूची में शुद्ध-शुद्ध एवं एक ही मतदान केंद्र या अनुभाग में दर्ज है, की जांच कर

ऑनलाइन : मतदाता सूची में दर्ज नामों का सत्यापन करने के लिए वोटर हेल्पलाइन एप (गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड होगा)।

वोटर सर्विस पोर्टल

- मतदाता सूची में नाम दर्ज करने, सुधार करने या स्थानांतरित करने आदि के लिए उपलब्ध दावा-आपत्ति प्रपत्रों की
- प्रारूप- 6 : नए मतदाताओं के लिए आवेदन पत्र।
- प्रारूप-6 क : किसी प्रवासी निर्वाचक द्वारा निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलत किए जाने के लिए आवेदन।
- प्रारूप-6 ख : निर्वाचक नामावली अधिप्रमाणन के प्रयोजन के लिए आधार संख्या की सचना का पत्र।
- प्रारूप-7 : विद्यमान निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने या हटाने के प्रस्ताव के लिए आक्षेप हेतु मतदाता आवेदन प्रारूप।
- प्ररूप-8 : विद्यमान निर्वाचक नामावली, ईपिक प्रतिस्थापन या दिव्यांगजन विह्नित करने संबंधी प्रविष्टियों का सधार या निवारा स्थानांतरण के लिए मतदाता आवेदन प्रारूप।

मतदाता सूची के बारे में विशेष जानकारी के लिए डायल करें 1950

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान ऐसा देखा गया कि कई लोग मतदान केंद्र पर वोट देने आए थे, लेकिन वे मतदान नहीं कर सके, क्योंकि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। दोबारा ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसलिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विशेष जानकारी के लिए आप 1950 पर डायल करके या संबंधित बीएलओ से भी जानकारी प्राप्त

कर सकते हैं।

कोडरमा में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा अभियान



KODERMA: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि नाम जांचो अभियान का प्रारम्भ कोडरमा जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर 25 जुलाई को मध्याह्न 12 से एक बजे तक किया जायेगा। उन्होंने जिले के प्रत्येक मतदाता से अपील की है कि वे मतदान केन्द्र जाकर मतदाता सूची से या ऑनलाईन वोटर हेल्पलाइन एप या मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाईट पर नाम जांच कर लें कि उनका नाम संबंधित मतदान केन्द्र की मतदाता सूची में दर्ज है।

हजारीबाग में मां ने बेटी के साथ खाया जहरीला पदार्थ, बच्ची की मौत

धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

HAZARIBAG: एक मां ने चार वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी को जहरीला पदार्थ खिला दिया और खुद भी खा लिया, जिससे बच्ची की मौत हो गयी। घटना कटकमसांडी के कटकमसांडी गांव के कसिया टोला की है। कटकमसांडी पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। महिला के पति सुरेंद्र यादव ने कहा कि 21 जुलाई को पत्नी सुमन देवी ने खुद जहरीला पदार्थ खा लिया और पुत्री शिवानी कुमारी को भी खिला दिया। जानकारी मिलते ही दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिवानी की स्थिति गंभीर होने के बाद 22 जुलाई को आरोग्यम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां 23 जुलाई की रात उसकी मौत हो गयी। बेटी की मृत्यु की खबर सुनते ही पत्नी सुमन देवी शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से फरार हो गयी।





गढ़वा में सिंचाई के लिए प्रस्तावित

कोर्ट को सरकार की ओर से

बताया गया कि कनहर बराज के

लिए जमीन अधिग्रहण, वन भूमि

का क्लीयरेंस, इस प्रोजेक्ट के

लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली

राशि लेने आदि में कई वर्ष लग

जाएगा। कोर्ट ने कहा कि यह

प्रोजेक्ट गढ़वा एवं पलाम् जिले के

लोगों को पानी मुहैया कराने के

लिए है। यहां सुखाड़ जैसी स्थिति

प्रतिवर्ष रहती है। सरकार को

प्राथमिकता देते हुए ऐसे इलाकों में

सिंचाई एवं पीने का पानी की

व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

पिछले सुनवाई में मामले में कोर्ट







हाईकोर्ट ने परियोजना को पूरा करने में आठ साल मांगे जाने पर जताई नाराजगी, कहा-

कनहर बराज नहीं बनाना चाहती है



THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Thursday, 25 July 2024

O BRIEF NEWS

बाल सुधार गृह से फरार तीन बाल कैदियों को पुलिस ने पकड़ा

RANCHI: राजधानी के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत डूमरदगा स्थित बाल सुधार गृह से फरार तीन बाल कैदियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। तीनों बाल कैदी बुधवार को बाल सुधार गृह की दीवार फांदकर फरार हो गए थे। मामले की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों बाल कैदियों को पकड़कर बाल सुधार गृह को सौंप दिया। दो को उनके घर से और एक को बाल सुधार गृह के समीप से पकड़ा गया है। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि तीनों फरार बाल कैदियों को पकड़ लिया गया है और बाल सुधार गृह को सौंप दिया गया है। बीमारी से परेशान शख्स ने की खुदकुशी

RANCHI: राजधानी के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोकर चुन्ना भट्टा निवासी संजय सिंह ने घर की छत के लोहे के एंगल से गमछे के सहारे फंदा लगाकर बुधवार को खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार संजय सिंह बीमारी की वजह से परेशान थे। वह शराब के आदी थे। उनका 80 प्रतिशत किडनी काम नहीं कर रहा था। इसके अलावा थाइरॉएड, ब्लड प्रेशर सहित अन्य बीमारी के वजह से वह डिप्रेशन में थे। इस वजह से उन्होंने खुदकुशी कर ली। पत्नी उषा सिंह के बयान पर युडी केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। उन्होंने बताया कि बीमारी की वजह से वह परेशान थे, इस वजह से उन्होंने खुदकुशी कर ली।

इंद्रपुरी रोड में एक बुजुर्ग की उसके घर में हत्या

RANCHI: राजधानी के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रप्री रोड नंबर छह में एक बुजुर्ग व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उसकी शिनाख्त उमेश लकड़ा (75) के रूप में की गई है। वह घर में अकेले रहता था और शराब का आदी था। उसके मुंह से सफेद झाग भी निकल रहा था और सिर पर चोट का निशान था। सचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। सिर पर भोथरा हथियार का जख्म मिला है। घटना की जांच-पड़ताल की जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मेजर ने की मुलाकात

RANCHI: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर (जीओसी, 23 इन्फेंट्री डिवीजन, दीपाटोली) ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को उन्होंने 28 जुलाई से जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जमशेदपुर में आयोजित हो रहे डूरंड कप फुटबॉल टूनामैंट के ओपनिंग सेरेमनी में बतौर मख्य अतिथि सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

सरकार, तो बंद कर दे यह प्रोजेक्ट अफसर की जमानत झारखंड हाईकोर्ट ने पलाम् एवं

कनहर बराज परियोजना को परा धनशोधन निवारण अधिनियम करने में आठ साल मांगे जाने पर (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने राजीव रंजन की अदालत ने बुधवार को जमीन घोटाले के आरोपित बुधवार को सुनवाई के दौरान अफसर अली की जमानत याचिका मौखिक कहा कि प्रतीत होता है खारिज कर दी है। अदालत ने 12 कि राज्य सरकार कनहर बराज जुलाई को जमानत याचिका पर प्रोजेक्ट को आगे नहीं बढ़ाना सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सरक्षित रख लिया था। यह मामला चाहती है। यदि ऐसा है तो राज्य मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई सरकार को इस प्रोजेक्ट को बंद अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाला कर देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि मामले से जुड़ा है। अफसर अली ने वर्ष 2010 में भी राज्य सरकार की जमानत की गुहार लगाते हुए 13 मई ओर से इस प्रोजेक्ट को पूरा करने को याचिका दाखिल की थीं। उल्लेखनीय है कि इस मामले में ईडी के लिए पांच साल की समय की ने अफसर अली को 17 अप्रैल को मांग की गई थी और अब वर्ष रिमांड पर लिया था। तब से वह 2024 में भी आठ साल का समय न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने पहली मांगा जा रहा है, ऐसा क्यों है? बार सेना के कब्जे वाली जमीन क्या वर्ष 2010 में दूसरी सरकार घोटाला मामले में 14 अप्रैल, 2023 थी और अब कोई दूसरी सरकार को गिरफ्तार किया था। इसके बाद बडगार्ड अंचल के जमीन घोटाले में है, जो इस प्रोजेक्ट पर ध्यान नहीं गिरफ्तार कर उससे रिमांड पर लेकर दे रही है? इससे पहले राज्य सरकार की ओर से कनहर बराज परियोजना को परा करने के लिए सामृहिक दुष्कर्म के बाद नाबालिंग की हत्या आठ साल की मांग की गई थी।

याचिका खारिज इसारखण्ड उच्च सायालय

जब हत्या का प्रत्यक्षदशी गवाह हो तो उसके पीछे की मंशा साबित करने की जरूरत नहीं : हार्डकोर्ट

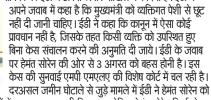
झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि जब कोई प्रत्यक्षदर्शी हो, जिसने हत्या होते देखी हो और उसका साक्ष्य विश्वसनीय हो तो अभियोजन पक्ष के लिए अपराध के पीछे की मंशा साबित करना जरूरी नहीं है। दरअसल रांची सिविल कोर्ट ने अजित बारला को जेम्स केरकेट्टा की हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए २७ नवंबर २०१७ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। साथ ही 10 हजार का जुमार्ना भी लगाया था। रांची सिविल कोर्ट के इस फैसले को अजित बारला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अजित की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीट में सुनवाई हुई। इस दौरान अजित की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने यह तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष अपराध के पीछे के मकसद को साबित करने में विफल रहा। कहा कि जिसने घटना को देखने का दावा किया था, उसके को विश्वसनीय प्रत्यक्षदर्शी नहीं माना जा सकता

विधायक लोबिन व जेपी के दलबदल मामले की सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम और भाजपा विधायक जेपी पटेल के दलबदल मामले की सुनवाई स्पीकर रवींद्रनाथ महतो के न्यायाधिकरण में बुधवार को पूरी हो गई। स्पीकर ने लगातार दो दिन दोनों पृक्षों को सुना और सुनवाई के दूसरे दिन बुधवार को दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया। स्पीकर ने दोनों विधायकों के मामले में वादी और प्रतिवादी को गुरुवार दोपहर 12 बजे तक लिखित जवाब मांगा है। स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने जब दूसरे दिन सुनवाई शुरू की तो जेपी पटेल मामले में वादी अमर कुमार बाउरी की ओर से कहा गया कि विधायक केवल इतना बता दें कि वह कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर हजारीबाग सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े था या नहीं। प्रतिवादी जेपी पटेल की ओर से कहा गया कि मझे कल ही याचिका की कॉपी मिली है। इसलिए मुझे जवाब के लिए समय चाहिए और जवाब देने के लिए ९० दिनों का समय मांगा।

हेमंत के खिलाफ कंप्लेन केस : ईडी ने जवाब में

सें छट के लिए दायर याचिका पर ईडी ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। ईडी ने अपने जवाब में कहा है कि मख्यमंत्री को व्यक्तिगत पेशी से छट



कहा, नहीं मिलनी चाहिए व्यक्तिगत पेशी से छूट मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत पेशी

अलग–अलग तारीखों में 10 बार समन जारी किया था। लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे। आठ समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे।

कोर्ट ने मुख्य सचिव को कनहर को पानी उपलब्ध करने के लिए बराज परियोजना पुरा करने को कनहर बराज बनवाने का आग्रह करते हुए हाई कोर्ट में जनहित लेकर टाइम फ्रेम प्रस्तुत करने को कहा था। गढ़वा, पलामू के लोगों याचिका दाखिल की गई है।

खेल शिक्षक पर बच्चों की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप, जांच शुरू



शिकायत करने गोंदा थाना पहुंचे परिजन, बच्चे के पैर पर लगा जख्म। 🛭 फोटोन न्यूज

RANCHI: रांची के कांके रोड स्थित डीएवी गांधीनगर के एनसीसी सह खेल शिक्षक आयुष कुमार पर बच्चों की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। इस मामले को लेकर परिजनों ने गोंदा थाने में खेल शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार डीएवी गांधीनगर में पढ़ने वाले एक बच्चे के पिता मनीष कुमार ने बताया कि उनके बच्चे सहित 12 से अधिक बच्चे 22 जुलाई को बोकारो में आयोजित अंतर विद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने गए थे। कई बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। जब बच्चे रात में लौटे तो खेल शिक्षक आयुष ने स्कूल में ही बच्चों की बेरहमी से पिटाई कर दी। पिटाई से बच्चों के पैर और पीठ पर जख्म के निशान है। परिजनों ने बताया कि

🗲 🕻 गेम्स के लिए बच्चों की टीम को टूर पर ले गए शिक्षक ने नशे में इतना भयानक तरीके से मारा है कि कई गंभीर रुप से जख्मी हैं। कई अभिभावकों का कहना है कि शिक्षक का रवैया पहले से ही आपतिजनक रहा है। इस मामले को दबाने का अथक प्रयास तो आरोपी व उसके करीबी के द्वारा हुआ पर वे सफल नहीं हो सके और एफआईआर दर्ज कर लिया गया। एक संवेदनशील नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यनिष्ट एसएसपी साहब से करबद्ध प्रार्थना है कि इसे कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने मे पुलिस अपनी न्यायपूर्ण भूमिका निभाये। दयानंद मिश्रा, कांके रोड,रांची ।

डालकर बच्चों की पिटाई की गई। प्रिंसिपल ने कहा है कि मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्कल में हंगामा करने के बाद बुधवार की सुबह सभी परिजन एक साथ रांची के गोंदा थाने पहुंचे और खेल शिक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत दी।

केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेट

PHOTON NEWS RANCHI:

स्कल के सीसीटीवी कैमरे पर कपडा

रांची के सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने उन्हें बधाई दी और मंत्रालय के जरिये रांची में दिव्यांगजनों के लिए किया जा रहे कार्यों के प्रति

गवर्नर के आदेश पर हजरत हाफिज मो.

अबुल कलाम को बनाया गया शहर काजी

आभार प्रकट किया। सेठ ने केंद्रीय मंत्री को इस मुलाकात में एक आग्रह पत्र भी सौंपा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि रांची सहित झारखंड के हर जिले और प्रखंड स्तर पर एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण अधिक से अधिक संख्या में किया जाए ताकि

सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

के आदेश पर मुख्य सचिव, जल

संसाधन सचिव, वन सचिव और

वित्त सचिव हाजिर हुए थे। कोर्ट ने

करने के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने बंधवार को प्रेम प्रसंग

में नाबालिंग से सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या करने के दोषी सुखराम होरो को आजीवन

ट्रायल फेस कर रहे अन्य तीन आरोपित राहुल होरो, रौशन होरो और पवन होरो को

साक्ष्य के अभाव में बरी किया था। यह मामला 23 जुलाई, 2022 का है। मामले में

15 साल की नाबालिंग से सामूहिक दुष्कर्म कर हत्याँ कर दी गई थी।

कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर 20

हजार रुपये का जुमानी भी लगाया है। जुमानी की

होरो का डीएनए मैच किया था, जिसके आधार पर

2020 में राज्य सरकार ने पांच

साल में इस परियोजना को पूरी

होने का टाइमलाइन दिया था

राशि नहीं देने पर उसे छह माह की अतिरिक्त

सजा काटनी होगी। जांच में आरोपित सुखराम

कोर्ट ने आरोपित को दोषी पाया था। कोर्ट ने

झारखंड हाई कोर्ट में 11 अप्रैल, 2023 को रांची में सचिवालय मार्च मामले में सांसद निशिकांत दुबे की ओर से धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने संबंधी याचिका पर अब 31 जलाई को सनवाई होगी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक अगली सुनवाई 31 जुलाई तक जारी रखी है। झारखंड रहे भाजपा कार्यकताओं की



भाजपा के कार्यक्रम के तहत सचिवालय की ओर मार्च कर

पुलिस के साथ झड़प हो गई चतरा सांसद सनील कमार सिंह प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

थी। मामले को लेकर धुर्वा थाना में कांड संख्या 107/ 2023 दर्ज किया गया था। इसमें सांसद निशिकांत दुबे प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी और रघुवर दास, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक अमित मंडल, समीर उरांव सहित 41 नामजद एवं कई अज्ञात लोगों के खिलाफ

गुलाम अहमद ने रियाजुल अंसारी से की मुलाकात

RANCHI: कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रियाजल अंसारी का इलाज रांची के बरियात स्थित जयप्रकाश नगर के मां ललिता पालीडॉक हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद चल रहा हैं । बुधवार को अंसारी को देखने और उनका हाल-चाल जानने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकर. मंत्री इरफान अंसारी पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कृषि बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय पासवान एवं अन्य विशिष्ट लोग पहुंचे ।

बुधवार को हजरत हाफिज मो अबुल कलाम को शहर काजी बनाया गया। यह निर्णय झारखंड सरकार के राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने काजी अधिनियम के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हए राज्यपाल के आदेश पर किया है। राजस्व निबंधन व भमि सधार विभाग ने अधिसूचना जारी की है। इसमें लिखा है कि काजी अधिनियम 1880 संख्या-12 की कंडिका-2 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड के राज्यपाल के आदेश से हाफिज मो अबुल कलाम को रांची जिला का भारतीय मुस्लिम समुदाय के बीच विवाह अनुष्ठानित करने तथा प्रमाण-पत्र देने हेत् शहर काजी की अनुज्ञप्ति देते हैं एवं उन्हें विवाह निबंधक घोषित करते हैं। बता दें कि हाफिज अबुल कलाम 1988 से छोटी मस्जिद हिंदपीढ़ी के इमाम और तरावीह के नमाज पढाते आ रहे है। जिकरा अर्बिक स्कूल माली टोला हिंदपीढी में इन्हें की निगरानी में चल रहा है। हाफिज अबुल कलाम ने दीनी तालीम के साथ मारवाड़ी कालेज से गिरेजवेशन किया और शिक्षा के क्षेत्र में अपना



काजी हाफिज मो. अबुल कलाम व अन्य। काजी का लेटर आने के बाद उमैर, प्रदेश पासवा के अध्यक्ष हाफिज अबल कलाम ने झारखंड सरकार के मंत्री हफीजूल हसन अंसारी से उनके आवास पर जाकर फलो का गलदस्ता देकर मंत्री जी का शक्रिया अदा किया। मंत्री जी ने कहा कि रांची शहर में बढती हुई आबादी को देखते हुए आपको शहर काजी बनाया है। इनको शहर काजी बनाए जाने पर रांची के उलेमा में खुशी है। मुबारकबाद देने वालो में इमारत शरिया के काजी ए शरीयत मुफ्ती मो अनवर कासमी, शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी, शहर के समाजसेवी सह आजस् नेता अशरफ खान चुन्नू, अयूब राजा खान, जमीयत उलेमा

मास्टर उस्मान, महासचिव मसद कच्छी, कारी एहसान, डाक्टर इकबाल, अंजमन के अध्यक्ष हाजी मुख्तार, जमीयतुल एराकीन के महासचिव सैफल हक, मो मोहसिन, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकील उर रहमान, मरहबा ह्यमन सोसाइटी के महासचिव सैयद नेहाल अहमद, आम जनता हेल्पलाइन के अध्यक्ष एजाज गद्दी, इकरा मस्जिद कमिटी के सरवर खान. मो फहीम, छोटी मस्जिद कमिटी के सचिव मोहसिन, उप सचिव शोएब खान, कमिटी के सारे लोग. मोसलियान. प्रोफेसर महमूद, शारिक, हसन सैफी, समेत कई लोग शामिल हैं।

छात्र-छात्राओं की परेशानियों को ले युवा आजसू ने मारवाड़ी कॉलेज में जड़ा ताला

PHOTON NEWS RANCHI:

बुधवार को युवा आजसू के सदस्यों ने छात्र-छात्राओं की परेशानियों को लेकर मारवाड़ी महाविद्यालय में युवा आजसू के विशाल कुमार यादव, निष्ठा अंशु, गुंचा कमर के नेतृत्व में ताला बंद कर दिया । लगभग 5 घंटे चले इस तालाबंदी में युवा आजसू के सदस्यों छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तालाबंदी का नेतत्व कर रहे विशाल कुमार यादव ने कहा की बीकॉम, बीसीए का सेकंड



शिफ्ट चालू करने एवं मास कम्यनिकेशन की पढाई प्रारंभ करने के लिए कई बार लिखित में ज्ञापन के माध्यम से मारवाडी महाविद्यालय के प्राचार्य को विश्वविद्यालय को प्रपोजल तैयार कर भेजने का अनुरोध किया गया, लेकिन प्रपोजल अभी तक नहीं भेजा गया।

भाजपा का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन PHOTON NEWS RANCHI: भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश

केंद्रीय चुनाव आयोग के आयुक्त से मिला

अध्यक्ष बाबलाल मरांडी के नेतत्व में बधवार को दिल्ली में केंद्रीय निर्वाचन आयोग के आयक्त से मिला और एक ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने झारखंड में बदलते डेमोग्राफी के विषय में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही इस विषय पर आयोग से सघन जांच कराने का आग्रह किया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत में बाबुलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में संथाल परगना के कई जिलों सिहत कई अन्य जिले में डेमोग्राफी बदल गई है। हाल के दिनों



में जिस तरह से राज्य में बांग्लादेश घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी है, उसे यदि जल्द ही नहीं रोका गया तो बडी समस्या खड़ी हो सकती है। प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष अमर कमार बाउरी, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा एवं राजमहल के विधायक अनंत ओझा भी शामिल थे।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ने की बैठक, दिए निर्देश

बार में 21 वर्ष से कम आयु के युवाओं का प्रवेश वर्जित

झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में बाल अधिकार और सुरक्षा से संबंधित बैठक समाहरणालय में बुधवार को आयोजित की गयी। बैठक में बाल संरक्षण के मुद्दों पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने संबंधित पदाधिकारियों को कई निर्देश दिए। रांची के सहायक आयुक्त उत्पाद को जिले में संचालित

सभी बार एवं रेस्टोरेंट में

नियमानुसार 21 वर्ष से कम आयु

वर्ग वाले युवाओं का प्रवेश



समाहरणालय समागार में बैठक करते अधिकारी। वर्जित करने का निर्देश दिया

से युवाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव गया। साथ ही इस संबंध में किये से संबंधित जागरूकता अभियान गये कार्रवाई का प्रतिवेदन आयोग चलाये जाने का निर्देश दिया। तिवारी ने बैठक में उपस्थित को उपलब्ध कराये जाने को कहा गया। इसके अलावा तिवारी ने शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि को जिले में मादक पदार्थों के सेवन जिले में संचालित विद्यालयों,

महाविद्यालयों में सहायक आयुक्त परिवहन जिला जिला समाज कल्याण पदाधिकारी और जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर नशे के प्रकोप से युवाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाये जाने को कहा। साथ ही जिले में संचालित गैर-सरकारी विद्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों को आचरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जाने का भी निर्देश दिया गया। तिवारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को जिले में संचालित बालगृह के लिए रांची के सिविल सर्जन को बच्चों के

आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के लिए 108 एंबुलेंस 24 घंटे उपलब्ध कराये जाने के लिए पत्राचार करने का भी निर्देश दिया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जिले में दिव्यांग बालिकाओं के लिए एक बालगृह के संचालन के लिए आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई किये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही श्रम अधीक्षक को जिले में बालश्रम से मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों की विगत एक वर्ष पूर्व से विवरणी उपलब्ध कराये जाने तथा दिये जाने वाली मुआवजा राशि से संबंधित विवरणी आयोग को उपलब्ध कराये जाने का

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि में ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव २७ और २८ को

एक अलग पहचान बनाई। शहर

RANCHI : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि में आइक्युएसी और हेरिटेज सोसाइटी के तत्वावधान में दो दिवसीय ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव का आयोजन 27 और 28 जुलाई को किया जायेगा। इसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों और विवि के लोग जनजातीय संस्कृति और विरासत पर प्रकाश डालेंगे। इस संबंध में विवि के कुलपित डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी जनजातीय संस्कृति और उसकी विरासत को सहेजें, संरक्षित करें और नयी पीढ़ी को उससे अवगत करायें। यह दो दिवसीय ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव उसी दिशा में एक प्रयास है जहां देश के विषय विशेषज्ञ इतिहास, पर्यटन और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आपसी विमर्श और संवाद स्थापित करेंगे।

डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों के सपने अधूरे : विजय शंकर

बुधवार को झारखंडी सूचना

झारखंड के कोषाध्यक्ष शाह

अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष विजय शंकर नायक डोमिसाइल आंदोलन में आज से 22 वर्ष पूर्व शहीद हुए वीर संतोष कुंकल,कैलाश कुजूर, विनय तिग्गा के शहादत अवसर श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि डोमिसाइल आंदोलन वीर शहीदों के सपने 22 वर्षों के बाद भी अधुरे हैं 'माय माटी की बात करने वाले हेमंत सरकार उन सपनों को पूरा करें अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। यह भी कहा कि यह आक्रोश का विषय है के पूर्ववर्ती भाजपा, झामुमो, कांग्रेस, राजद गठबंधन की सरकारों ने झारखंड के आदिवासी मूलवासी समाज की



माल्यार्पण करते लोग। • फोटोन न्यज

भावनाओं का सम्मान देने का काम नहीं किया और आज तक जो राज्य निर्माण के समय झारखंड के झारखंडी समाज द्वारा जो देखे गए सपने थे। की अबुवा दिशुम अबुआ राज यानी अपना प्रदेश अपना राज्य में झारखंड के दलित आदिवासी मूलवासी समाज का उत्थान होगा।

ई-गवर्नेंस के लिए प्रज्ञा केंद्र से जुड़ेंगे जिले के सभी राशन डीलर

आम जनता को कंप्यूटर शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्देश

 जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी के जरिए परियोजनाओं की हुई गहन समीक्षा

PHOTON NEWS JSR: उपायुक्त सह अध्यक्ष, जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी ने बुधवार को जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी के माध्यम से संचालित परियोजनाओं की समीक्षा की। इसी क्रम में उपायुक्त द्वारा पूर्वी सिंहभूम जिले में अब तक झारसेवा आईडी के

सीएससी सेंटर में पंजीकरण के संबंध में सीएससी मैनेजर द्वारा जानकारी दी गई कि अब तक 600 से अधिक राशन डीलरों को लिए प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई सीएससी सेंटर में पंजीकृत कर करते हए निष्पादन करने का दिया गया है, जिस पर उपायक्त ने निर्देश दिया, साथ ही वैसे प्रज्ञा शेष राशन डीलरों को एक माह के अंदर सीएससी में पंजीकत करने केंद्र संचालक है जो पंचायत भवन का निर्देश दिया। में बैठते है लेकिन उनके पास प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से आमलोगों झारसेवा आईडी नहीं है, उनको चिह्नित करने का निर्देश दिया गया। को मिलने वाली सेवाओं की



उपायुक्त द्वारा सीएससी मैनेजर को प्रत्येक माह 60 प्रज्ञा केंद्र का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। ई-ऑफिस परियोजना की समीक्षा में उपायुक्त द्वारा एक माह के अंदर ई-ऑफिस का क्रियान्वयन जिला अंतर्गत सभी कार्यालयों में करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने झारनेट परियोजना के समीक्षा में जिला स्तर से सभी प्रखंड कार्यालय में

प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, इसके साथ ही झारनेट में इंटरनेट स्पीड बढ़ाने के लिए विभागीय पत्राचार करने, जिला ई-गवर्नेस सोसाइटी द्वारा सभी कार्यालयों व आम जनता को कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करने का निर्देश बैठक में उपविकास आयुक्त मनीष

कुमार, अपर उपायुक्त योगेंद्र विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी महेंद्र कुमार, डीटीओ सह नजारत उप समाहर्ता धनंजय, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी किशोर प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, ई-पदाधिकारी युआईडीएआई, सीएससी मैनेजर, नेटवर्क इंजीनियर, झारनेट के कर्मचारी आदि उपस्थित थे।



थाना अंतर्गत हरहरगुट्टू स्थित नारायणी इंटरप्राइजेज कन्फेक्शनरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से बधवार को आग लग गई। आगजनी की इस घटना में दुकान में रखे लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि दुकान मालिक शिवम गुप्ता रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह जब दुकान पहुंचे तो देखा कि दुकान के अंदर आग लगी हुई है। उन्होंने पाया कि दुकान के पिछले हिस्से में तार की जाली पड़ी है। देर ना करते हुए उन्होंने आगजनी की घटना की अग्निशमन विभाग को दी। अग्निशमन विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया। दुकान के मालिक ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से लगभग 13 लाख रुपये का नुकसान

बंगाल से नहीं आ रहा आलू, 40 के पार पहुंचा भाव, ग्राहक परेशान

PHOTON NEWS JSR: पूरे कोल्हान ही नहीं देश के कई राज्यों में आलू की सप्लाई बंगाल से होती है, लेकिन हाल के दिनों में बंगाल सरकार ने आलू के निर्यात पर रोक लगा दी है। तीन-चार माह से बंगाल के कारोबारी मनमानी कीमत पर पूरे देश में बिक्री कर रहे हैं, जबिक बंगाल के कोल्ड स्टोरेज में आलू भरा हुआ है। इसकी वजह से दो-तीन महीने से आलू के भाव लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो आलू 40 से 43 रुपये प्रति किलो खुदरा बाजार में बिकने लगा है। इससे पहले कभी भी आलू का भाव 40 से 43 रुपये प्रति किलो तक नहीं पहुंचा था। बताया जाता है कि बंगाल के थोक व्यापारियों की इस मनमानी पर नकेल कसने के लिए ही बंगाल सरकार ने दूसरे राज्यों में आलू के निर्यात पर रोक लगा दी है। वे ममता सरकार के फैसले के विरोध में हड़ताल पर चले गए हैं।

तीन दिनों से चल रही हड़ताल के

मनमानी कीमत पर बंगाल के व्यापारी बेच रहे थे पूरे देश के व्यापारियों को आलू

थोक भाव में बिक रहा 3600 रुपये क्विंटल आलु: मंडी के थोक व्यापारी विद्याशंकर गप्ता ने बताया कि मंडी में आल 3400 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा है। आलू के

हुई तो आलू की कीमतों में और इंजाफा होनें की उम्मीद है। ट्रक आने कम हो गए हैं, जिसके कारण आलू की कमी परसुडीह

मंडी में एक-दो ट्रक ही

पहुंच रहे चोरी छिपे आल्

बंगाल सरकार ने आलू के निर्यात पर रोक लगाने के बाद

परसुडीह मंडी में जहां प्रतिदिन

10-12 ट्रक आलू के आते थे,

अब चोरी-छिपे मात्र एक-दो ट्रक

ही मंडी पहुंच रहे हैं। इस मंडी से

पूरे कोल्हान में आलू की सप्लाई होती है। अगर जल्द ही आलू

की सप्लाई बंगाल से शुरू नहीं

मंडी में आलू समाप्त होने लगा है। ऐसा लगता है कि आल का भाव

कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर रेलवे अर्बन बैंक का चुनाव प्रारंभ आज भी कर्मचारी कर सकेंगे मतदान

JAMSHEDPUR : रेल कर्मचारियों की को-ऑपरेटिव सोसाइटी रेलवे अर्बन बैंक का चुनाव के लिए बुधवार दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान रेल कर्मचारियों ने किया। टाटानगर कार्मिक, इंजीनियरिंग, लोको शेड, सिग्नल एंड टेलीकॉम विभाग और रनिंग विभाग में वोट डाले गए। बुधवार को कमर्शियल विभाग में 82 वोट, इंजीनियरिंग विभाग में 250 वोट, कार्मिक विभाग में 84 वोट, लोको शेड में 375 वोट, सिग्नल में 55 वोट, रनिंग विभाग में 350 कर्मचारियों ने वोट डाल दिया है।गुरुवार को भी सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक कर्मचारी मतदान कर सकेंगे। इसके बाद मतगणना होगी। चुनाव में रेलवे मेंस

PHOTON NEWS JSR:

टाटा स्टील युआईएसएल के प्रबंध

निदेशक ऋतुराज सिन्हा ने बुधवार

को शहर के विभिन्न स्कूलों के

प्राचार्यों के साथ बैठक की। इसमें

बच्चों के स्कूल जाने और छुट्टी के

समय यातायात व भीड़भाड़

(जाम) की समस्या के समाधान

पर विचार-मंथन किया गया।

बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक ने

स्कूल के समय सड़कों पर

यातायात एवं भीडभाड पर चर्चा

करते हुए और इस मुद्दे को हल

करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण का महत्व बताया। उन्होंने

संभावित समाधान के रूप में स्कूल

खुलने और छुट्टी के समय में

बदलाव करने का सुझाव दिया।



गुणवता सुनिश्चित करने के लिए

मतदान करते कर्मचारी एलआरएसए ने अपने डेलीगेट को उतारा है। एशिया की सबसे बड़ी रेलवे को-ऑपरेटिव सोसाइटी में लगभग 1.52 लाख शेयर होल्डर हैं। इस बैंक पर रेलवे मेंस यूनियन समर्थित डायरेक्टरों का नियंत्रण है। अंतिम बार चुनाव 2010 में हुआ था, उसके बाद 2015 से चुनाव लंबित था। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश पर ही चुनाव की प्रक्रिया शुरू की गयी है।

शहर में प्राइवेट स्कूलों के

समय में हो सकता बदलाव

टाटा स्टील युआईएसएल के एमडी ने की प्राचार्यों के साथ बैठक

बैठक करते टाटा स्टी यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक

इसके साथ ही प्राचार्यों से अनरोध

किया कि यातायात व भीड़भाड़

कम करने में मदद करने के लिए

इस बदलाव को लागू करने पर

विचार करें। इस पर प्राचार्यों ने

सहमति जताई। बताया गया है कि

यह बैठक सामुदायिक सहभागिता

और सतत विकास के प्रति टाटा

स्टील युआईएसएल की प्रतिबद्धता

को दशार्ती है, जो अधिक कुशल

और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार

गणेश सिंह घाघीडीह से गिरिडीह व नीरज दुबे दुमका जेल शिफ्ट

वीडियो कांफ्रेंसिंग टेस्ट करते हए

JAMSHEDPUR : कुख्यात गणेश सिंह को सुरक्षा कारणों से जमशेदपर के घाघीडीह जेल से गिरिडीह जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को गणेश सिंह को कड़ी सुरक्षा के साथ शिफ्ट करने के लिए ले जाया गया था। गणेश सिंह के साथ गिरफ्तार अमन सिंह और रवि जयसवाल अभी जमशेदपुर के घाघीडीह जेल में ही रहेंगे, क्योंकि उनसे कोई खतरा नहीं है। वहीं गणेश सिंह के विरोधी नीरज दुबे को दुमका जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। टकराव की आशंका को देखते हुए नीरज दुबे को दुमका जेल भेज दिया गया है। नीरज दुबे के बाद कई अन्य कैदियों को शिफ्ट करने की योजना है। फिलहाल गणेश सिंह को शिफ्ट किए जाने के बाद घाघीडीह जेल प्रशासन ने राहत की सांस

यूनिफी विचजार्ड सीजन-२ के विजेता बने सत्यम सिद्धार्थ

PHOTON NEWS JSR: साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज के भौतिक विभाग में बुधवार को विभाग के वार्षिक कार्यक्रम ह्ययुनिफी क्विजार्डह्न सीजन-2 का आयोजन किया गया। कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य कोल्हान विश्वविद्यालय भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. एसके गोराई थे। आरंभ में प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रेयाज तथा कार्यक्रम कन्वेनर कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. मो तुफैल अहमद ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. मो. तुफैल अहमद द्वारा रचित युनिटी सॉन्ग के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। डॉ. मो. तुफैल अहमद ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता है,

अनुशासन ही छात्र को

अपने जीवन में सफल

बनाता है : डॉ अमर सिंह

इंटरमीडिएट के तीनों संकाय के

छात्र-छात्राओं के लिए परिचय सत्र

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि सह कॉलेज के

प्राचार्य डॉ. अमर सिंह समेत अन्य

अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर

कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके

बाद छात्राओं ने सरस्वती वंदना

की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.

अमर सिंह ने छात्र-छात्राओं को

संबोधित करते हुए कहा कि वे हर

हाल में अपने जीवन में अनुशासन

का पालन करें, तभी अपने जीवन

में सफल हो पायेंगें।



प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

परिसर में भौतिक विज्ञान का एक सुंदर समाज स्थापित करना है। इस क्विज में करीब 100 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। अंतिम राउंड की प्रतियोगिता में 10 छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिसमें प्रथम पुरस्कार सत्यम सिद्धार्थ को प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार मनीष नायक तथा तृतीय पुरस्कार आयुष कुमार प्रसाद को दिया गया। क्विज मास्टर की भूमिका ईशान मंडल व शैक्षणिक समाज की स्थापना का आधार भी देखने को मिला, आवश्यकता है। इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के

अंजाम दिया। इस घटना में आयकर दिवस : सीएच एरिया



कार्यक्रम में शामिल आयकर अधिकारी व कर्मचारी

• फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : केंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड (सीबीडीटी) के तत्वाधान में बुधवार को आयकर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सीएच एरिया स्थित मुख्य कार्यालय में आयकर विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें चित्रकला, स्लोगन लेखन, शतरंज तथा कैरम प्रतियोगिता शामिल थी। कार्यक्रमों की शुरूआत वॉकथॉन से हुई, जिसका नेतृत्व प्रधान

आयकर आयुक्त शिशिर धमीजा एवं अपर आयकर आयुक्त एन हेमलता ने किया। इसमें आयकर अधिकारी (मुख्यालय) बिजय कुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर शिशिर धमीजा ने आयकर विभाग के अब तक के उतरोत्तर विकास की जानकारी दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता को पुरस्कृत एवं मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया।

JAMSHEDPUR: ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से भाजपा नेता दिनेश कुमार के नेतृत्व में पुरी के गुरुद्वारा आरती साहिब के प्रतिनिधिमंडल ने

उन्हें पूरी के प्रसिद्ध गुरुद्वारा आरती साहब में आने का

सरायकेला-खरसावां के कुचाई प्रखंड में लगा जनता दरबार, विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए की गई अपील

• फोटोन न्यूज

भविष्य बनाने के लिए शैक्षणिक

संस्थानों के साथ साझेदारी में काम

कर रही है। बैठक में टाटा स्टील

युआईएसएल के वरिष्ठ नेतृत्व टीम

और टाटा स्टील के कॉरपोरेट

सर्विसेज के प्रमख की भागीदारी

थी। वहीं बैठक में सेक्रेड हार्ट

कॉन्वेंट स्कूल, लोयोला स्कूल,

जेएच तारापोर स्कूल, डीबीएमएस

स्कूल, बेल्डीह चर्च स्कूल समेत

अन्य स्कूलों के प्राचार्य शामिल थे।

स्द्र पहाड़ी क्षेत्र के ग्रामीणों की सुनी गई समस्या, मिला समाधान

PHOTON NEWS SARAIKELA: नक्सल प्रभावित कुचाई प्रखंड अंतर्गत गोमियाडीह पंचायत के काडेरंगों गांव में बुधवार को खरसावां के विधायक दशरथ गागराई एवं उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की उपस्थिति में जनता दरबार लगाया गया। सुदूर पहाड़ी क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्थानीय रीतिरिवाज से मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

जनता दरबार में सर्वप्रथम जोरोबाड़ी गांव निवासी नियरन हेंरजन नें गांव एवं आसपास के टोला को विकास योजनाओं से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि गांव में मोबाइल नेटवर्क, विद्यालय भवन निर्माण तथा एक टोला से दूसरे टोला को जोड़ने के लिए सड़क बनाने की आवश्यकता है। वहीं बलराम महतो नें काडेरंगों गांव में नवनिर्मित विद्यालय भवन कार्य में तेजी लाने तथा क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक की प्रतिनियुक्ति करने की बात कही। इसके अलावा गांव एवं आसपास के टोला में पेयजल सुविधा सुदृढ़ करने एवं स्थानीय भाषा में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर योजना से जोड़ने की बात कही। इस दौरान सेलघाटी निवासी सुखलाल मुंडा नें स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने, सप्ताह में एक या दो दिन स्वास्थ्य जांच शिविर लगा कर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरण करने की बात कही। इसके अलावा वार्ड सदस्य (महिला) ने गांव में जलमीनार बनाकर हर घर को नल-जल योजना से जोड़ने, महिला समूह की दीदियों की बैठक के लिए चबुतरा बनाने की बात



कार्यक्रम में मौजूद विधायक व उपायुक्त

अतिरिक्त जनता दरबार में किसान

कही। इस दौरान दशरथ उरांव ने आसपास के टोला को विकास योजना से जोड़ने तथा अभियान चलाकर वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांगजनों को पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने तथा गांव एवं आसपास के टोला के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए उक्त क्षेत्र आवेदन प्राप्त हुए । में आवासीय विद्यालय निर्माण कराने का आग्रह किया। इसके

• फोटोन न्यूज के बीच सहायक उपकरणों के वितरण, मौसम को देखते हुए किसानों के बीच बीज वितरण, सीएससी के माध्यम से आय, जित, आवसीय एवं जन्म प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा प्रदान करने समेत अन्य विभाग से संबंधित उपायुक्त ने सभी मामलों का नियमानुसार निश्चित समयावधि में

निराकरण करने तथा क्षेत्र के सभी

योग्य लाभुकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने का आश्वासन दिया। उपायुक्त नें कहा कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभाग के वरीय पदाधिकारियों को समस्याओं के निराकरण करने तथा प्रत्येक माह जिला स्तर से वरीय पदाधिकारी द्वारा कार्य प्रगति की जांच करने की बात कही। इस दौरान उपायुक्त नें कहाँ की विद्यालय भवन के साथ आंगनवाड़ी केंद्र भवन का निर्माण कार्य के लिए जल्द ही कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक की प्रतिनियुक्ति यथाशीघ्र की जाएगी, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान की जा सके। उपायुक्त ने

जिला शिक्षा अधीक्षक को अभियान चलाकर ड्रॉपआउट बच्चों को चिह्नित कर विद्यालय से जोड़ने की बात कही। उपायुक्त ने कहा कि आसपास के गांव-टोला को सड़क से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार कर जल्द ही राज्य सरकार को सूचित किया जाएगा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी साझा करते हुए उपस्थित ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करने की अपील की गई।

इस मौके पर विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि खरसावां एवं कुचाई प्रखंड के पहाड़ी क्षेत्र में स्थित गांव-टोला को प्राथमिकता के आधार पर विकास योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

पेज ०१ का शेष

शिक्षक नियुक्ति में भी धांधली का आरोप : इससे पूर्व यूनिवर्सिटी में शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियुक्ति की गई। पिछले जनवरी माह में बायोटेक एवं बीपीएड के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया था। उनमें से मात्र एक शिक्षिका की बायोटेक विभाग में नियुक्ति की गई। इस नियुक्ति के रिजल्ट के संबंध में वोकेशल विभाग की को-ऑर्डिनेटर (सीवीसी) और यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के पास कोई जवाब नहीं है।

कुलसचिव व सीवीसी कर रहे फेंका-फेंकी: कुलसचिव इस संबंध में सीवीसी से पूछने को कहते हैं, तो सीवीसी कुलसचिव से बात करने को कहती हैं। इसके अलावा बीबीए, बीसीए विभागों के अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए कॉल करने को लेकर भी कुछ अभ्यर्थियों ने सवाल खड़े किए थे। कुछ अभ्यर्थियों को बीबीए अथवा बीसीए में शिक्षक पद के लिए पीएचडी की अनिवार्यता बतायी गयी थी। बावजूद कुछ लोगों को पीएचडी अथवा नेट क्वालिफाइड अभ्यर्थियों को छोड़ पीजी डिग्री पर ही साक्षात्कार में कॉल किया गया था।

जमशेदपुर वीमेंस युनिवर्सिटी के कुलसचिव नहीं दे रहे जवाब : इस संबंध में जमशेदपुर वीमेंस युनिवर्सिटी के कुलसचिव से उनके मोबाइल पर संपर्क कर जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके अलावा वाट्सएप संदेश के माध्यम से भी जानकारी मांगी गई। बावजूद कोई जवाब नहीं आया।

अजीब-ओ-गरीब हालात : यूनिवर्सिटी में हालात यह है कि नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल सीवीसी डॉ. अन्नपूर्णा झा को यह पता नहीं है कि साक्षात्कार का रिजल्ट प्रकाशित हुआ है या नहीं। केवल बुधवार को वह छुट्टी पर थीं। इससे पहले सोमवार व मंगलवार को यूनिवर्सिटी में उपस्थित थीं। उसी दौरान नियुक्ति हुई है। बावजूद उन्हें यह पता नहीं है कि रिजल्ट का प्रकाशन हुआ है या नहीं। उनका कहना है कि यूनिवर्सिटी आने पर ही देख कर वह इस संबंध में कुछ बता सकती हैं।



रहा है कि इसे देखते हुए जल्द ही आलू व्यापारियों के साथ ममता सरकार वार्ता कर बीच का रास्ता

मंडी में हो गई है। 3600 रुपये में भी मांग के हिसाब से आलू नहीं मिल रहा है।

दीपावली तक ऐसा ही रहेगा। नया आल आने के बाद ही भाव में कमी आएगी। परे देश में यपी और बंगाल से ही आल की सप्लाई की

समाचार सार

लायंस क्लब जमशेदपुर की अध्यक्ष बनीं शशि गाडिया

JAMSHEDPUR: लायंस क्लब ऑफ जमशेदपर का 66वां इंस्टालेशन सेरेमनी बुधवार को बिष्टुपुर स्थित यूनाइटेड क्लब में हुआ, जिसमें नई

कोषाध्यक्ष निमता भट्टाचार्जी शिवशंकर गाडिया को शपथ दिलाई गई। नई कमेटी में संरक्षक डॉ. आरएन शर्मा,



एके श्रीवास्तव,आनंद चौधरी,सहदेव प्रसाद व एमडी केडिया, फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट डॉ. बीके सिंह, सेकंड वाइस प्रेसिडेंट मुकेश मित्तल, थर्ड वाइस प्रेसिडेंट मदन केशरी, ज्वाइंट सेक्रेटरी पवन कुमार शाह,ज्वाइंट ट्रेजरर अरुण कुमार विश्वास, टेमर डॉ. निवेदिता कर, टेल ट्विस्टर तरुण कुमार अदक, चेयरपर्सन क्लब लीडरशिप विनीता शाह, मेंबरशिप स्तोता दासगुप्ता, क्लब मार्केटिंग कम्युनिकेशन पुरबी घोष, क्लब सर्विस केटी मालेगमवाला, एलसीआईएफ अशोक खंडेलवाल, डायरेक्टर दिलीप गांधी, जेपी सिंह , एनके अग्रवाल, केटी भठेना,उमेश काउंटिया, टीएस विश्वास, उमेश्वर शर्मा, एसपी श्रीवास्तव,डॉ. रघुमोनी आदि शामिल हैं।

परसुडीह में बंद घर से साढ़े चार लाख की चोरी

JAMSHEDPUR: परसुडीह थाना अंतर्गत हलुदबनी जुही रोड निवासी लखी दास के बंद घर का दरवाजा तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को

चोरों ने लाखों के जेवरात और घर के सामान चुरा ले गए। पिछले कई वर्षों से बेटी की शादी के बाद महिला लखी दास अपने घर को बंद कर अपने रिश्तेदार के घर



रह रही थी। पिछले दिनों लोकसभा चुनाव के समय महिला अपने घर आकर साफ सफाई कर वापस अपने रिश्तेदार के घर चली गई। आज जब महिला दोबारा अपने घर आई तो पाया कि घर के पीछे दरवाजा टटा हुअ था। घर के अंदर अलमारी में रखे लगभग साढ़े 4 लाख के जेवरात और घर में रखे महंगे बर्तन गायब हैं। भुक्तभोगी महिला ने बताया कि दरवाजा तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी मिलते ही परसडीह पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। घटना के संबंध में पुलिस द्वारा पूछे जाने पर जांच करने की बात कही।

ओडिशा के राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

भवनेश्वर स्थित राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान निमंत्रण दिया गया, जिसे राज्यपाल ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की बहाली....

ने जोरदार हंगामा किया। सदन में मुख्यमंत्री

नीतीश कमार के बोलने के दौरान कांग्रेस और

राजद के विधायकों ने हाय-हाय के नारे लगाए।

इतने दिन से आंदोलन कर रहे थे। जब केंद्र में

यपीए की सरकार थी तब क्यों नहीं दिए थे विशेष

दर्जा और आज हंगामा कर रहे हैं। सीएम नीतीश

ने कहा कि 'अरे ई सब चीजवा तो हम्हीं न किए हैं

जी . . और आप लोग साथ दिए हैं। कुछ आइडिया

इसके बाद सीएम नीतीश भड़क गए और कहा कि

O BRIEF NEWS

राजद सुप्रीमो लालू यादव एम्स से हुए डिस्चार्ज

PATNA: राजद सुप्रीमो लालू यादव एम्स दिल्ली से डिस्चार्ज हो गये। दिल्ली पहुंचते ही एम्स में



नेताओं का यह कहना था कि रूटीन जांच के लिए एम्स में भर्ती हुए हैं। एम्स से डिस्चार्ज होने के बाद राजद नेता भोला यादव ने बिहार के पर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के स्वास्थ को लेकर कहा है कि राजद सुप्रीमो पुरी तरह से ठीक हैं। अस्पताल में कुछ ही घंटे के लिए थे। उसके बाद अपनी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती के आवास पर स्वास्थ्य-लाभ ले रहे हैं।

रेलवे ट्रैक के पास मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

BHAGALPUR : नवगछिया एसपी पुरण झा ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 9:00 बजे सूचना मिली कि झंडापुर थाना अंतर्गत 17 नंबर केबिन के 100 मीटर परब दिशा में एक अज्ञात व्यक्ति का शव रेलवे टैक के पास मिला है। उक्त सचना के सत्यापन के क्रम में आसपास के लोगों द्वारा बताया गया कि ये मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति है।

बढ़ रहे डेंगू के मरीज, दो दिनों में मिले 20 संक्रमित

PATNA: बिहार में बरसात जनित बीमारी डेंगू का कहर बढ़ने लगा है। पिछले दो दिनों के अंदर बिहार में डेंगू के 20 और मरीज मिले हैं। अकेले पटना में ही 13 मरीज मिले हैं। एनएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में मंगलवार को डेंगू के 14 सैंपल की जांच में चार संक्रमित मिले हैं। विभागाध्यक्ष डॉ प्रो संजय कुमार ने बताया कि बीते पांच दिनों से लगातार डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। बीते दो दिनों में पटना जिले में 13 मरीज पाये गये है। इनमें तीन मरीज रविवार व छह सोमवार को पाये गये। संबंधित कुछ मरीजों की पुष्टि पीएमसीएच व एनएमसीएच के माइक्रोबॉयलोजी विभाग व निजी पैथोलॉजी सेंटर में जांच के बाद हुई है। डॉ प्रो संजय कुमार ने बताया कि सोमवर को नालंदा की 40 वर्षीर्या महिला व 40 वर्षीय पुरुष और पटना सदर के 65 वर्षीय पुरुष की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। संक्रमित मरीज ओपीडी में इलाज कराने आये थे।

गया कोर्ट में फायरिंग से हड़कंप, सिपाही घायल

GAYA: गया जिले की शेरघाटी कोर्ट कैंपस में फायरिंग से हडकंप मच गया। जिसमें पेशी पर आरोपी फोटो खान घायल हो गया। इस गोलीकांड में एक सिपाही भी घायल हुआ है। हालांकि कोर्ट की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए एक हमलावर को दबोच लिया है। घटनास्थल से तीन खोखे मिले हैं। जिसके बाद एफएसल टीम को बुलाया गय। शेरघाटी के एएसपी इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। फोटो खान अनवर खान मर्डर केस के अभियुक्त है। जिसकी आज पेशी थी। इस दौरान उसी की हत्या के मकसद से हमलावरों ने फायरिंग की। जिसमें दो गोली फोटो खान को लगी, और एक गोली सिपाही

मानसून सत्र के तीसरे दिन सीएम नीतीश विपक्ष के नेता पर भड़के, कहा-

राजद के शासनकाल में महिलाओं को बोलने का भी नहीं था अधिकार

बिहार विधानसभा में मॉनसन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शरू कर दिया। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष के नेता पर भड़क गए। नीतीश ने मसौढ़ी से राजद विधायक रेखा देवी को फटकार लगाते हुए कहा कि महिला हो, समझती नहीं हो, इन लोगों (राजद) ने महिलाओं को कभी आगे बढ़ने नहीं दिया।

नीतीश कुमार ने कहा कि अरे महिला हो कुछ जानती नहीं हो...आज महिला होकर बोल रही हो। राजद के समय कभी किसी महिला को बोलने की इजाजत थी। कभी वो लोग (राजद) किसी महिला को आगे बढाए थे। साल 2005 के बाद हमने महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढाने का कार्य किया। आज बोल रही हो फालत। इसलिए कह रहे हैं सुनो। इसके पहले विधानसभा में नए आरक्षण

AGENCY MUZAFFARPUR:

मुजफ्फरपुर ज़िले के बेला थाना

क्षेत्र में बीते दिनो संस्कृति वर्मा

नामक एक महिला पर बाईक सवार

बदमाशों के द्वारा हुई गोलीबारी

मामले का मुजफ्फरपुर पुलिस ने

सफलतापूर्वक उद्भेदन कर दिया

गया। घटना मे शामिल चार

अपराधियों को गिरफ्तार किया गया

है। मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश

कुमार ने बताया है कि बीते दिनों

मुजफ्फरपुर जिले के बेला थाना

क्षेत्र में ऑफिस जानें के दौरान

संस्कृति वर्मा नामक एक महिला पर

अपराधियों द्वारा तकरीबन आधा

दर्जन राउंड गोलीबारी की वारदात

को अंजाम दिया गया था। जिसमें

संस्कृति वर्मा नामक महिला को

तीन गोली लगी थी जिसमे वह बुरी

तरह जख्मी हो गई थी जिसके बाद

ईलाज के लिए उसे अस्पताल में

भर्ती कराया गया था वही मामले की

केंद्र में यूपीए की सरकार थी, तब क्यों नहीं दिए थे विशेष राज्य का दर्जा : नीतीश कुमार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर विधानसभा सत्र में बुधवार को तीसरे दिन भी विपक्ष



को नौवीं अनुसूची में शामिल करने

की मांग को लेकर महागठबंधन के

विधायक हंगामा कर रहे थे। विपक्षी

विधायकों का कहना था कि

जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी

उतनी हिस्सेदारी। इसी मांग को

लेकर राजद के विधायक विरोध-

प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बाद

सदन में हंगामा होता देख खुद

सीएम नीतीश कुमार सरकार आगे

गंभीरता को देखते हुए मुजफ्फरपुर

सिटी एसपी अवधेश सरोज दीक्षित,

टाऊन एएसपी भानु प्रताप सिंह और

डीआईयू के नेतृत्व में एक विशेष

टीम का गठन किया गया था।

जिसपर टीम लगातार काम की।

गठित विशेष टीम ने तकनीकी

सूचना के आधार पर मामले में चार

आरोपियों को गिरफ्तार किया

है।चारों आरोपी की पहचान

अभिनित कमार, शिव सेख, कष्ण

कमार और तषार के रूप में हुई है।

मामले में एसएसपी राकेश कमार ने

गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते एसएसपी राकेश कुमार।

था आप लोगों के पास.. अरे सही चींज बोलिए. कांग्रेसी हैं आप बोलिए सही.. कोई बतवा मानें थे? आए। नीतीश ने कहा कि आपलोग हंगामा कर रहे हैं। यदि बैठकर सभी लोग हमारी बातों को सुन लीजिएगा तो आपको भी ठीक लगेगा और मुझे भी अच्छा लगेगा और सारी बातें भी क्लियर हो जाएगी। इसके बाद भी विपक्ष के विधायक हंगामा करते रहे। इसके बाद सीएम ने कहा कि जब आप

विपक्ष में थे तब भी हमने सभी लोगों को बुलाकर बैठक करवाया। बैठक करवाने के बाद जातीय गणना करवाई गई। इससे एक चीज के बारे में जानकारी मिली। आप लोग झुठ का जो हल्ला करते रहते हैं आपको याद करना चाहिए कि आप लोगों से बात करके हमने कितना कुछ करवाया था। सीएम ने कहा कि

बेखौफ अपराधियों ने बुधवार को दिनदहाड़े फ्लिपकार्ट कर्मी को गोली मार कर 8 लाख रुपए लूट लिये। घायल कर्मी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। घटना नगर थाना क्षेत्र के देवरहा बाबा मठ के समीप का बताया जा रहा है। कर्मी अजय कुमार फ्लिपकार्ट कम्पनी से मेन ब्रांच में रुपया जमा करने जा रहा था इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन अपराधियो ने घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गये। दिनदहाड़े हुई लूट की घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर जमकर बवाल किया। जख्मी युवक फिनो बैंक सीएसपी संचालक भी बताया जा रहा है। जो लखौरा में सीएसपी संचालन करता है। एएसपी सदर शिखर चौधरी ने बताया पुलिस इस मामले की कई बिंदुओ पर जांच कर रही है।

भी तो कुछ भी हुआ है।

उसका कोई मतलब नहीं है। यह मेरी मर्जी थी, आप लोगों ने भी इसका समर्थन किया। इसलिए अब चुप रहिए। यदि आप शांति के बैठकर कुछ सुनते तो समझ में भी आता की आपलोग सच में कुछ चाहते हैं लेकिन आपको तो सुनना है ही नहीं। अरे आप सुनिए न, आप सन क्यों नहीं रहे हैं। सभी लोगों ने समर्थन किया, उसके बाद

कल बडा भारी आंदोलन कर रहे थे.. और जब

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले.. तो आपका

पर्टिया नहीं दिया। ये दोनों एक साथ थे (राजद–

कांग्रेस) अब आजकल बोल रहे हैं, ऐसे ही काहे

बोलते हैं'। सीएम नीतीश ने कहा कि 'हम लोगों ने

अलावा कई तरह से मदद करना शुरू कर दिया

है। आप देख रहे हैं कि केंद्र अतिरिक्त मदद दे रहा

है। जो कुछ भी हम लोगों ने कहा है उसके लिए भी

वो लोग करेंगे। कल जो हंगामा कर रहे थे उसका

जवाब मिला और आज जो हंगामा कर रहे हैं।

कह दिया तो केंद्र ने विशेष राज्य के दर्जा के

हमलोग 10 से आंदोलन कर रहे थे जी.. कि

विधानसभा से एंटी पेपर लीक कानून ध्वनिमत से हुआ पारित



AGENCY PATNA:

बिहार की नीतीश कुमार की अगुवाई वाली राजग सरकार ने बुधवार को विधानसभा के मॉनसून सत्र में पेपर लीक और परीक्षा धोखाधडी को रोकने के उद्देश्य से एंटी-पेपर लीक कानून पेश किया, जिसे ध्वनिमत से पास कर दिया गया। इस दौरान विपक्ष हंगामा करता रहा और सदन से वाक आउट कर गया। विपक्ष के हंगामे के बीच प्रभारी मंत्री विजय चौधरी ने बिहार विधानसभा में राज्य सरकार की तरफ से बिहार लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक-2024 पेश किया। इस बीच विपक्ष वाक आउट कर गया। इसके बाद सदन में बहुमत के आधार पर विधेयक पास हो गया। नये कानन में प्रावधान किया गया है कि पेपर लीक या इससे जुड़ी किसी भी गतिविधि में शामिल होने वाले इस कानून के तहत दोषी होंगे। इस

कानून के अधीन सभी संज्ञेय एवं गैरजमानती होंगे। अब पेपर लीक की जांच भी डीएसपी रैंक के अधिकारी करेंगे। नए कानून के तहत परीक्षा के पेपर लीक करने के दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को 10 साल तक की जेल और एक करोड़ तक का जमार्ना हो सकता है। यह कानून व्यापक है, जो छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों सहित सभी संबंधित पक्षों पर लागू होता है।सदन में बिहार सरकार ने एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा करते हुए कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए यह कानून बना है। नीट की परीक्षा में जो धांधली हुई है उसे रोकने के लिए केंद्र सरकार ने भी नियम बनाया है, जो पूरे देश में लागू हो गया है लेकिन विपक्ष के सदस्य सदन से बाहर चले गए। सदन के बाहर आकर राजद विधायक रेखा कमारी ने नीतीश सरकार पर जमकर

मुजफ्फरपुर में महिला पर गोलीबारी वार्ड पार्षद ने अवैध रूप से घर पर किया दिनदहाड़े फ्लिपकार्ट कर्मी से आठ लाख की लूट के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार कब्ना, भूख हड़ताल पर बैटा पीड़ित परिवार E.CHAMPARAN : जिले में

AGENCY BHAGALPUR: जन कल्याण करने वाले जनप्रतिनिधि अब गरीबों के घर को कब्जे में करने लगे हैं। मामला भागलपुर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत परबत्ती पासी लेन नगर -निगम वार्ड नंबर तेरह का है। जहां भागलपुर नगर -निगम वार्ड नंबर तेरह के दबंग वार्ड पार्षद रंजीत मंडल ने मोती लाल साह के घर को कब्जे में ले लिया है। घर को खाली कराने को लेकर मकान मालिक मोती लाल साह ने प्रशासन से लेकर वार्ड पार्षद से कई बार विनती आरज् किया लेकिन घर खाली नहीं हो सका। अंत में मोती लाल साह के सभी परिवार बुधवार को घर के समीप आपने नन्हे मन्हें बच्चों के साथ पढाई के उम्र में अनिश्चितकालीन भूख हडताल पर बैठे गये हैं। भख



बच्चों के साथ भूख हड़ताल पर बैठा पीड़ित परिवार।

हड़ताल पर बैठे मोती लाल साह एवं उनके परिजन ने कहा कि भागलपुर नगर -निगम के लब्बू पासी लेन परबत्ती के वार्ड पार्षद रंजीत कुमार को मकान तीन वर्ष के लिए किराये पर दिया गया था। समय पुरा होने से कई वर्ष बीत गए लेकिन मकान खाली नहीं कर रहा है। मकान खाली कराने को बोलने पर जान

मारने की धमकी एवं छः लाख जान मारने की धमकी देता है। दबंग वार्ड पार्षद की रवैया को देख मोती लाल साह के सभी परिजन डरे सहमे हुए हैं। उल्लेखनीय हो कि पूर्व में वार्ड पार्षद रंजीत कमार महिला के साथ मारपीट एवं शराब मामले

बोलेरो ने चाचा-भतीजा को शैंदा, दोनों की मौत



दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहन।

AGENCY AURANGABAD: नेशनल हाईवे 19 पर बारुण थाना क्षेत्र के बरडीह मोड़ के पास बुधवार को तेज रफ्तार अनियंत्रित बोलेरो ने बुलेट सवार दो युवकों को कुचल दिया। इस घटना में बाइक सवार दोनों युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में नवीनगर प्रखंड के एनटीपीसी खैरा थाना क्षेत्र के अंकोरहा गांव निवासी नरेश यादव का 19 वर्षीय पुत्र चिंटू उर्फ ??पंकज कुमार और गोरख यादव का 18 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार शामिल चिंटू का बड़ा भाई राजकुमार यादव अंकोरहा पंचायत का उपमुखिया है। परिजनों ने बताया कि प्रिंस और चिंट दोनों औरंगाबाद में एक साथ पढ़ते थे। प्रिंस ने इसी साल 12वीं की परीक्षा पास की थी। दोनों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। दोनों किसी काम से घर गए थे, जहां से औरंगाबाद जा रहे थे। जैसे ही दोनों बरडीह मोड़ के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार अनियंत्रित बोलेरो ने दोनों को रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि बुलेट बाइक और बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

गैंगरेप के बाद जिस लड़की का पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के हो गया था मर्डर, वह जिंदा बरामद घर पहुंची बंगाल पुलिस

बताया कि पीड़ित महिला संस्कृति

वर्मा के पति आर्यन कुमार से रूपा

शर्मा नामक एक महिला के कुछ

विशेष प्रेम संबंध थे जिसको लेकर

इस पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया

गया था। वही गिरफ्तार चार

अपराधियों में से दो अपराधी

अविनीत और तुषार नामक युवक

रूपा शर्मा के एक फोर व्हीलर

एजेंसी में कार्यरत है जबिक कृष्णा

कमार शटर है और शिव सेख के

द्वारा पूरे मामले को लेकर शूटर को

जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है,जो सबको चौंकने पर विवश कर दिया है। जिस लड़की की गैंगरेप के बाद हत्या करने की बात सामने आयी थी और बीते 22 जून को पुलिस द्वारा उस लड़की का शव मनरेगा पार्क के समीप से बरामद भी कर लिया था। अब वह लड़की जिंदा बरामद कर ली गई है। बताते चले गैंगरेप और हत्या के इस मामले में जिले में काफी विरोध प्रदर्शन भी हुआ था। परिजन भी उसे मृत मानते हुए अंतिम संस्कार कर चुके थे। अब वह लड़की जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र से जिंदा बरामद हुई है। बरामद लड़की ने पुलिस के सामने कई खुलासे किए है,जो चौंकाने वाले हैं। मुफ्फिसल थानाध्यक्ष मनीष कुमार के अनुसार लड़की ने



अपने बयान में कहा कि 16 जन की रात को वह अपने प्रेमी नौशाद राजा से मिलने के लिए घर से निकली थी। इसी बीच रास्ते में कुछ लोग उसके साथ मारपीट करने लगे। वहां से जान बचाकर भागी और ग्रामीण मुन्ना पासवान के घर पहुंच गई। मुन्ना की नीयत बदल गई। उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर जबरन एक गाड़ी में मुझे बैठा लिया और किसी दुसरे स्थान पर ले गया। इसके बाद उसने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर बारी-बारी से मेरा

चौक पर छोड़ दिया। जहां मैं डर के कारण अपने घर ना जाकर अपने एक रिश्तेदार के घर तुरकौलिया जा रही थी,लेकिन मेरी हालत ठीक नहीं होने के कारण मैं रास्ता भटक गई। भटकते-भटकते मैं संजय सहनी की पत्नी से मिली और वह मझे अपने घर ले गई। जहां मैंने उसे सारी आपबीती बताई लेकिन अपने घर में नहीं बताने की विनती भी की। इस बीच कुछ दिन बीतने पर मुझे घर की याद आने लगी तब मैने अपने पिता को फोन किया। लेकिन, उन्होंने रॉन्ग नंबर बताकर फोन काट दिया। इस मामले में लड़की की मां के आवेदन पर दर्ज प्राथमिकी में तीन नामजद और दो अज्ञात पर आरोप लगाया गया था।

बिहार के सिवान से बड़ी खबर सामने आयी है। सिवान में पर्व सांसद बाहुबली शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा के घर पर बिहार पुलिस ने छापेमारी की है। सैकड़ों की संख्या में पहुंची पुलिस किसी को ढूंढ रही थी।

हालांकि, शहाबुद्दीन के घर पर छापेमारी की खबर सुनकर उनके घर के बाहर समर्थकों की भीड जमा हो गयी। समर्थकों में आक्रोश देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में डकैती की वारदात हुई थी। इस घटना में बंगाल पुलिस को लिंक मिला। इस लीड को तलाशते हुए पुलिस की टीम बिहार पहुंची। इस संबंध में बंगाल पुलिस ने सिवान पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद टीम ने नगर थाना स्थित नई किला



इलाके में ओसामा शहाब के घर तलाशी ली। पुलिस सुत्रों की मानें तो मामला डकैती से जुड़ा हुआ है। शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा के घर पर सैंकडों की तदाद में पुलिस पहुंची थी। नगर थाना इलाके के नया किया स्थित उनके मकान पर छापेमारी की गयी। जब छापेमारी की गयी तब शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब घर पर नहीं थी। इस दौरान ओसामा शहाब घर में ही मौजूद थे। ओसामा के घर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस

दो दशक बाद अब जाकर केंद्र सरकार पूरा करेगी सपना

हैं। दोनों मृतक चाचा-भतीजा हैं।

कोसी नदी का होगा मेची से मिलन

केंद्र सरकार ने आखिरकार कोसी-मेची लिंक परियोजना के लिए बजटीय प्रावधान कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से राशि मिलने के बाद अब इस परियोजना के जमीन पर उतरने की उम्मीद पूरी होती दिख रही है। मिथिला के इलाके में बाढ़ की समस्या के हल को लेकर इस परियोजना को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंगलवार को पेश हुए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्तर बिहार को बाढ़ की समस्या से निजात दिलाने के लिए कोसी-मेची लिंक परियोजना को हरी झंडी देने का ऐलान किया। इसके तहत कोसी नदी के पानी को मेची नदी तक ले जाया जाएगा। इससे मिथिला क्षेत्र में बाढ़ की समस्या से निजात मिलने की



करने पर नीतिगत फैसला हुआ। बिहार में कोसी नदी और मेची नदी को जोड़ने का फैसला हुआ। मेची नदी महानंदा की सहायक नदी है। ऐसे में कोसी नदी के अतिरिक्त पानी को महानंदा बेसिन तक ले जाया जा सकेगा और कोसी में पानी का दबाव भी कम होगा। कोसी मेची लिंक परियोजना के तहत 76 किलोमीटर लंबा चैनल बनना है। कोसी–मेची लिंक बनने से सुपौल, सहरसा, मधुबनी, खगडिया और कटिहार जिले को बाढ से राहत मिलेगी। इसके साथ ही 2 114 लाख हेक्टेयर के क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

क्या है कोसी-मेची लिंक परियोजना

कोसी नदी हर वर्ष मिथिला में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न

करती है। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में बाढ

पर नियंत्रण पाने के लिए नदी जोड़ परियोजना तैयार

उम्मीद की जा रही है। कोसी-मेची नदी जोड़ योजना के लिए बिहार बीते दो दशक से प्रयास किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में ही नदी को जोड़ने को लेकर नीतिगत निर्णय हुआ था। पटना में कुछ महीने पहले हुई पूर्वी क्षेत्रीय

परिषद की बैठक में तत्कालीन जल संसाधन मंत्री संजय झा नेकेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने कोसी में हाई डैम बनाने और कोसी-मेची का मामला उठाया था। संजय झा ने हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात कर इस बारे में चर्चा की

थी। इसके बाद दोनों विदेश मंत्री एस जयशंकर के पास गए और उसी दिन शाम में हुई एक बैठक में उच्च स्तरीय कमिटी का गठन किया गया। कमेटी के सदस्यों ने बिहार आकर बाढ़ की स्थिति का अवलोकन किया और इसके समाधान पर चर्चा की।

सौतेली मां ने दो बच्चों को कुएं में फेंका, एक की मौत

PATNA : बिहटा थाना क्षेत्र के सदीसोपुर गांव में दो सौतनों के बीच हुए विवाद के बाद सौतेली मां ने दो बच्चों को कुएं में फेंक दिया। एक बच्चे की मौत हो गई, जबिक दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। मृत बच्चे की पहचान अरुण ठाकुर के बेटे अर्णव कमार के रूप में हुई है, जबिक घायल की पहचान शम्मी कुमार के रूप में हुई है। बच्चे की मौत की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है। आरोपित महिला को हिरासत में ले लिया गया है। घायल बच्चे का इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बिहटा थाना क्षेत्र के सदीसोपुर गांव निवासी अरुण ठाकुर ने दो शादी की थी। पहली पत्नी रजनी देवी से उसके दो बच्चे हैं। दो साल पहले अरुण ठाकुर ने शारदा देवी से दूसरी शादी रचा ली।

पटना में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस का लाटीचार्ज, दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

बिहार पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का दौर जारी है। मंगलवार को पुलिस ने जहां चौकीदार-दफादार संघ और होमगार्ड अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज कर दिया था। तो वहीं, बुधवार को पटना के बोरिंग रोड चौराहे पर पुलिस ने बिहार कांग्रेस के युवा कार्यकताओं पर लाठीचार्ज कर दिया। कार्यकताओं ने निकाला था विधानसभा मार्चः मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को बिहार कांग्रेस के युवा कार्यकताओं द्वारा विधानसभा मार्च निकल गया था, जिसे पुलिस ने बोरिंग रोड चौराहे पर रोकने का प्रयास किया। इस बीच नहीं रूकने पर कांग्रेस युवा कार्यकर्ता और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हो गई, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें कई कार्यकर्ता समेत



्र प्रदर्शनकारियों पर लाठी बरसाते पुलिसकर्मी।

पुलिसकर्मी घायल हो गए है। गौरतलब हो कि कल यानि मंगलवार को अपनी मांगो को लेकर विधानसभा मार्च पर चौकीदार-दफादार संघ होमगार्ड अभ्यर्थियों पर पुलिस ने पटना जेपी गोलंबर पर लाठीचार्ज कर दिया था। इस लाठीचार्ज में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गये थे। लाठीचार्ज के बाद पूरे इलाके में भगदड़ की स्थिति बन गई थी। इस

दौरान कई आम लोगों को भी चोटें आईं थी। जानकारी के मुताबिक प्रदेश भर से बड़ी संख्या चौकीदार-दफादार के साथ-साथ होमगार्ड अभ्यर्थी और पासवान जाति के प्रदर्शनकारी पटना के करगिल चौक पर जमा हुए और बिहार विधानसभा के लिए मार्च शुरू किया। ये मार्च जैसे ही जेपी गोलबंर पर पहुंचा पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर लोगों को आगे बढ़ने से रोक दिया।

बराबरी का दर्जा देने में संकोच

करता है। डेमोक्रेटिक पुरुषों में

एक-डेढ़ दशक से महिलाओं के

प्रति नजरिए में तेजी से बदलाव

आया है जबिक चर्च से निर्देशित

रिपब्लिकन अपने पुराने ढरें से

बाहर नहीं आ पा रहे हैं। अमेरिकी

समाज में प्रगतिशील वाम और

मध्यमार्गी डेमोक्रेट के पास 53-

54 प्रतिशत मत हैं। इनमें

अधिकतर निम्न और निम्न मध्यम

आय वर्ग की एकल महिलाएं हैं,

जो अपने सीमित संसाधनों के

कारण मतदान में हिस्सा नहीं ले

पातीं। कमला हैरिस ने पिछले चार

वर्षों में अथक परिश्रम, एक

महिला को छूने वाले मुद्दों में

गर्भपात और इमिग्रेशन पर काम

किया है, उससे महिलाओं के एक

बड़े वर्ग में कमला हैरिस के प्रति

झुकाव बढ़ा है। चुनाव में अभी

मात्र 105 दिन का समय शेष है।

कमला हैरिस के सम्मुख पार्टी

नियमों के अंतर्गत पहले नामांकन

हासिल करना है और उसके बाद

चुनाव प्रचार में एक बड़े फंड की

जरूरत है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के

चुनावी फंड में मात्र 910 लाख

डालर हैं, जो अमेरिकी चुनाव के

खादी की रिकॉर्ड ब्रिकी और स्वदेशी आंदोलन

खादी का स्वर्णिम काल फिर से लौट रहा है, क्योंकि इसकी ब्रिकी नए आयाम गढ़ रही है। बीते कुछ सालों में तो कमाल ही कर दिखाया है। घोर मॉर्डन युग और पहनावे के लिहाज से मन मस्तिष्क पर हावी हो चुकी ब्रांडेड लिबास पश्चिमी सभ्यता के बीचों बीच लोगों का खादी को अपनाना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जाएगा। लेकिन ये चमत्कार वास्तव में खादी ने किया है। अधिकत रूप से पिछले सप्ताह खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने बीते दस वर्षों के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, खादी की ब्रिकी के पूर्व के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। खादी के विभिन्न उत्पादनों की बिक्री में 400 फीसदी का उछाल हुआ है और इसके उत्पादन में 315 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी भी दर्ज हुई है। यही नहीं, रिकॉर्ड स्तर पर 81 फीसदी नए रोजगार सुजन भी हुए हैं। 2022-23 के वित्तीय वर्ष में 332.14 फीसदी ब्रिकी, 267.52 प्रतिशत प्रोडक्शन और 69.75 फीसदी स्वरोजगार पैदा हुए हैं। खादी से जुड़े रोजगार ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में पैदा हुए हैं। वहां कताई, बुनाई के कारखानों में पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक भागीदार हुई हैं। बहरहाल, खादी के कपड़ों में अनायास देशवासियों का रुचि लेना, निसंदेह बड़े बदलाव की ओर संकेत देता है। कहावत है कि ओल्ड इज गोल्ड। खादी की अचानक बढ़ी मुसलाधार ब्रिकी ने ये कहावत भी चरितार्थ कर दी है। शायद ब्रांडेड कपड़ों और आधुनिक चकाचौंध से लोग अब ऊबने लगे हैं। तभी, लोग फिर से अपनी जमीन की ओर मुड़ने को मजबूर हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2003-2013 में खादी का कारोबार 26109.08 करोड़ रुपये था, जो 2014-2023 में छलांग लगाकर 95956.68 करोड़ रुपये तक जा पहुंचा। इनमें खादी के निर्मित कपड़े अन्य उत्पादनों से कहीं अधिक हैं। जनमानस का खादी की ओर मुड़ना निश्चित रूप से ह्यस्वदेशी अभियानह्न को पंख लगाने जैसा है। मौजूदा सरकार ने करीब दशक भर से स्वेदशी अभियान की अलख जगाई हुई है। इस लिहाज से खादी के कारोबार में भयंकर बिकवाली का होना उनके अभियान की सफलता पर मुहर लगाने जैसा है। निश्चित रूप से खादी में अब प्रत्येक वर्ग की रुचि बढ़ी है। खादी का कपड़ा खास है जो किसी धर्म-समदाय से वास्ता नहीं रखता। प्रत्येक सच्चे देशभक्त का अपना देशी कपड़ा है। चाहे अल्पसंख्य हों, सिख हों, साधु-संत हों, या फिर मॉर्डर्न जमाने के शिक्षित युवा-युवती। सभी ने खादी को अपनाना आरंभ कर दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि दशकों पहले महात्मा गांधी ने स्वदेशी खादी उत्पादों को अपनाने की जो देशवासियों के भीतर अलख जगाई थी उसका असर अब कहीं दिखा है। खादी आंदोलन, एक सामाजिक-सांस्कृतिक आख्यान, जो गांधी द्वारा मई-1915 में सत्याग्रह आश्रम से शुरू किया गया था, जो गुजरात के अहमदाबाद जिले में साबरमती आश्रम के नाम से लोकप्रिय है। गांधी युग में खादी के कपड़े लोगों के सिर चढ़कर बोलते थे। धारणा पहले कुछ ऐसी थी कि सच्चा हिंदुस्तानी मतलब खादी को अपनाने वाला। गांधी ने ताउम्र खादी को अपनाया। दूसरों को भी हमेशा खादी पहनने को ही कहा। खादी का बोलबाला कभी कम नहीं होगा। आज खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अंतर्गत नौ उत्पादन केंद्र पूरे भारत में मौजूद हैं, जहां चरखे से धागे का निर्माण होता है। बुनकर खादी के वस्त्र बुनते हैं जिनके लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा निर्धारित दर पर श्रमिकों का भुगतान किया जाता है। बनारस में आज भी बड़े स्तर पर निजी रूप से बुनकरों द्वारा खादी के वस्त्र तैयार किए जाते हैं। वहां करीब, पांच लाख लोग इस कार्य में जुड़े हैं। खादी को अपनाने के लिए जब से सरकारी स्तर पर स्वदेशी अभियान छेड़ा गया, तभी से इन बुनकरों की बल्ले-बल्ले हो गई। अब इन्हें रोजाना बडी-बडी कंपनियों से ऑर्डर मिलते हैं। इस आधार पर ही खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने जो अपनी रिपॉर्ट जारी की है उसमें लाखों लोगों को स्वरोजगार मिलने की बात कही है। महात्मा गांधी ने 1920 के आखिरी महीने में स्वदेशी आंदोलन आरंभ किया था, जिसमें उन्होंने खादी को एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था। महात्मा गांधी ने तब समचे भारत में ग्रामीण स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए खादी की कताई को बढ़ावा दिया था। इस प्रकार खादी स्वदेशी आंदोलन का एक अभिन्न अंग और प्रतीक बन गया था। वैसे, देखा जाए तो खादी महज एक वस्त्र मात्र नहीं है, बल्कि ये हमारे देश के अस्तित्व, परंपरा, पहचान और संस्कार भी है। हम जब खादी धारण करते हैं. तो ऐसा एहसास होता है जैसे मानो अपनी संस्कृति का हम प्रदर्शन कर रहे होते हैं। खादी हमारी पारंपरिक धरोहर समान है जिसे मौजूदा वक्त में देशवासियों ने आत्मनिर्भर नवभारत के मंत्र को पढ़कर ही इसके कारोबार में भारी उछाल डलवाया है। खादी की गुंज आज संसद से लेकर ग्लोबल बाजार तक सुनाई देती है। यही कारण है कि खादी के कारोबार ने देश में पहली मर्तबा डेढ़ लाख करोड़ के कारोबार को पार किया है जिसने सभी आधुनिक फास्ट मृविंग कंज्यूमर गुड्स यानी एफएमसीजी कंपनियों को पीछे छोड़ा है। खादी के नए कीर्तिमान स्थापित करने का मतलब है, केंद्र सरकार का स्वदेशी अभियान और आत्मनिर्भरता की अपील का असर दिखाना। इसे नया रिकॉर्ड ही कहेंगे, जब बीती 26 जनवरी को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी स्टोर में एक दिन की बिक्री 1.29 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। खादी पहनना ब्रांडेड कपड़ों के मुकाबले हमेशा से सुलभ और सरल माना गया है।

ट्रंप को हराकर कमला हैरिस जीत सकती हैं चुनाव

ANALYSIS



कमला ने भी अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा है कि नामांकन लूंगी और चुनाव भी जीतूंगी। अमेरिका की दो बड़ी पार्टियों- रिपब्लिकन और डेमोक्रेट में परंपरावादियों का एक बड़ा समूह है, जो महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने में संकोच करता है। डेमोक्रेटिक परुषों में एक-डेढ दशक से महिलाओं के प्रति नजरिए में तेजी से बदलाव आया है जबिक चर्च से निर्देशित परंपरावादी इवेंजिलिस्ट रिपब्लिकन अपने पुराने ढर्रे से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। अमेरिकी समाज में प्रगतिशील वाम और मध्यमार्गी डेमोक्रेट के पास 53-54 प्रतिशत मत हैं। इनमें अधिकतर निम्न और निम्न मध्यम आय वर्ग की एकल महिलाएं हैं, जो अपने सीमित संसाधनों के कारण मतदान में हिस्सा नहीं ले पातीं। कमला हैरिस ने पिछले चार वर्षों में अथक परिश्रम, एक महिला को छूने वाले मुद्दों में गर्भपात और इमिग्रेशन पर काम किया है, उससे महिलाओं के एक बड़े वर्ग में कमला हैरिस के प्रति झुकाव बढ़ा है।

रतीय मूल की अश्वेत महिला कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव-2024 जीत सकती हैं, बशर्ते डेमोक्रेट एकजुट हो जाएंऔर उनके एक वर्ग का महिलाओं के प्रति नजरिया बदल जाए। कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद से एशियाई अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और लैटिन अमेरिकी खेमों में खुशी की लहर है। कमला ने भी अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा है कि नामांकन लुंगी और चुनाव भी जीतुंगी। अमेरिका की दो बड़ी पार्टियों- रिपब्लिकन और डेमोक्रेट में परंपरावादियों का एक बड़ा लिए अत्यंत अल्प राशि है। हैरिस समूह है, जो महिलाओं को

के दौड़ में आते ही बड़े और छोटे फंड देने वाले आगे आ रहे है। उन्होंने पहले पांच घंटों में खासी रकम जुटाई है। कमला के सम्मुख इस समय सबसे बड़ा मुद्दा राष्ट्रपति जो बाइडेन के अकस्मात राष्ट्रपति पद की दौड़ में हटने से पैदा हुई परिस्थिति में नामांकन हासिल करने की समस्या है। उनके नामांकन को लेकर पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं में बराक ओबामा, प्रतिनिधि सभा की स्पीकर के रूप में दायित्व निभाने वालीं नैन्सी पेलोसी तथा सीनेट और प्रतिनिधि सभा में पार्टी लीडर और नेता के रूप में दायित्व निभाने वाले चक शमर ने रविवार की देर रात तक कमला के प्रति समर्थन व्यक्त नहीं किया है। इसके बावजूद कमला एक दर्जन से अधिक डेमोक्रेट राज्यों और स्विंग स्टेट में समर्थन हासिल कर पद के उम्मीदवारों में सबसे आगे हैं। कमला हैरिस के पक्ष में यह बात भी जाती है कि उन्होंने पिछले चार सालों में अमेरिका के विभिन्न राज्यों में मूल अश्वेत, लैटिन अमेरिकी, एशियाई अमेरिकी, दूर दराज के गांवों में रहने वाले आदिवासी और निर्धन वर्ग के मतदाताओं के साथ साथ पहली बार चुनाव में भाग लेने को

आतुर युवक-युवतियाँ को अपने वोट बैंक के रूप में लक्ष्य बनाकर साधा है। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव परोक्ष नियमावली से होते हैं, जिसके लिए पार्टियां चुनाव आयोग के सहयोग से विधान के मुताबिक निर्वाचक मंडल का गठन करती हैं। इसके अलावा कांग्रेस के दोनों सदनों में सीनेट के अवकाश प्राप्त करने वाले एक तिहाई और प्रतिनिधि सभा के 435 सदस्यों का चनाव भी इसी दिन (5 नवंबर) को होता है। इस बार इन चुनावों पर भारत और चीन सहित दुनिया भर की निगाहें लगी हैं। जो बाइडेन ने चुनाव से हटने का फैसला क्यों किया, वह एक अलग चर्चा का विषय है। फि लहाल कमला हैरिस उनके स्थान पर नामांकन हासिल कर लेती हैं तो उनका मकाबला डेमोक्रेट डॉनल्ड टम्प से होगा। और अगर कमला यह चुनाव जीत लेती हैं तो वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी। इसके पहले हिलेरी क्लिंटन भाग्य आजमा चुकी हैं, पर उन्हें सफलता नहीं मिली थी। कमला हैरिस के सम्मुख बड़ी अड़चनों में सबसे पहले नामांकन, पार्टी के राज्य और केंद्र स्तर पर नेताओं

और चुनाव प्रचार के लिए एक

बड़े फंड के साथ ही जो बाइडेन के अपने 56 प्रतिशत वोट बैंक में एक विश्वास पैदा किए जाने की जरूरत है। हांलािक बाइडेन पहले ही कमला हैरिस का समर्थन कर चुके हैं। भारतीय अमेरिकी, अश्वेत तथा अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी वोट बैंक ऐसा है जो डोनाल्ड ट्रंप के पक्षपाती रवैये से बहुत आहत है। एशियन अमेरिकन एडवांसिंग जस्टिस के एक ताजा सर्वे में कहा गया है कि जो बाइडेन के चार साल पहले 56 प्रतिशत वोट में से मात्र 8 प्रतिशत वोट ही उनसे छिटका है, शेष किसी भी स्थिति में रिपब्लिकन की झोली में नहीं जाएगा। इसी सर्वे में ट्रंप को एशियन अमेरिकी समुदाय के 25 से 31 प्रतिशत मत मिलने की संभावना जताई गई थी। इसमें भारतीय अमेरिकी कुल जनसंख्या का मात्र 1.5 प्रतिशत ही हैं। एशियन अमेरिकन सबसे तेज बढ़ता हुआ समूह है इसमें 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें से ज्यादातर मतदाता ऐसे हैं जो पहली बार वोट देंगे। इनमें 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के मतदाता एशियन अमेरिकन है, जिनमें से 68 प्रतिशत युवाओं के मतदान करने की बात कही जा र ही है। इस मतदाता वर्ग के सामने मुख्य मुद्दे

रोजगार, हेल्थ और मेडिकेयर, मंहगाई और मकानों का बढता किराया है। इन मुद्दों को कमला हैरिस पुरजोर तरीके से उठाती रही हैं, इस कारण भी इस वर्ग में उनके प्रशंसक ज्यादा हैं। दूसरी तरफ 78 वर्षीय ट्रंप के खिलाफ चार आपराधिक मामलों और करीब 92 अन्यान्य मामलों को लेकर डेमोक्रेट मतदाताओं में भी क्षोभ है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से इम्युनिटी उपहार मिलने के बाद वह सहज स्थिति में हैं। वह प्रतिद्वंद्वी बाइडेन को स्लीपी और कमला हैरिस को निष्क्रिय मानते हैं। अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए अपनी ट्रेड और व्यापार नीतियों से मेड इन अमेरिक जैसे स्लोगन से अमेरिका में चीनी माल के आयात पर अंकुश लगाना चाहते हैं। उन्होंने भारत और चीन में अमेरिकी कंपनियों के लिये आउटसोर्सिंग पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात कहकर एशियाई अमेरिकी मतदाता वर्ग समूह को नाराज किया है। इसका असर भारतीय और चीनी समुदाय पड़ा है। वहीं पडोसी देश मैक्सिको और लैटिन अमेरिकी देश इमिग्रेशन पर कड़ी कार्रवाई को लेकर पहले से दखी हैं। असल में टंप अपने 85 प्रतिशत कंजर्वेटिव (इवेंजिलिस्ट) ईसाई समुदाय वोट बैंक पर निर्भर हैं जबकि अश्वेत, मैक्सिकन और दस से चौदह प्रतिशत एशियाई वोट बैंक बटोर लेते हैं। पिछले एक माह में करीब एक दर्जन पोल सर्वे में कमला हैरिस और ट्रंप अथवा जो बाइडेन के बीच मात्र डेढ़ से दो प्रतिशत अंकों का अंतर दिखाया गया है। कमला हैरिस ट्रंप से आयु में बीस वर्ष कम, अधिक शिक्षित और कैलिफोर्निया की एक सुलझी हुई अटार्नी जनरल होने के नाते इस अंतर को दुर करने में सक्षम

देश में बढ़ रही कुतर्क की राजनीति

जनीति में सकारात्मक दिशा के अभाव में देश को जो नुकसान उठाना पड़ता है, वह भले ही प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं दे, लेकिन उससे समाज पर प्रभाव अवश्य ही होता है। अगर यह प्रभाव नकारात्मक चिंतन की धारा के प्रवाह को गति देने वाला होगा तो देश को भी अपने अस्तित्व के लिए जुझना पडता है। वर्तमान में जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, उसे भटकाव पैदा करने वाली राजनीति कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं, जो विषय राजनीति के नहीं होने चाहिए, उनको भी राजनीतिक दल राजनीति के दलदल में ले जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार के किसी भी निर्णय का अपने हिसाब से परिभाषित करना राजनीति का प्रिय विषय बनता जा रहा है। इससे प्रायः मूल विषय बहुत पीछे छूट जाता है और बहस कहीं और चली जाती है। आज के राजनीतिक वातावरण का अध्ययन किया जाए

एजेंडे हैं। कोई भी किसी दसरे की बात को ऐसे तर्क देकर उसका उनकी ही बात सही है और बाकी हालांकि यह बात सही है कि कमी सभी जगह होती है, लेकिन कुछ अच्छे काम भी होते हैं, आज इन अच्छे कामों की चर्चा कहीं भी नहीं हो रही है। सबका एक-दूसरे की गलतियां निकालने में ही राजनीति का मख्य उद्देश्य बनता जा रहा है। यह राजनीति की सकारात्मक दिशा तो कर्तई नहीं मानी जा सकती। हांङ्ग इसे नकारात्मक राजनीति अवश्य कहा जा सकता है। ऐसी राजनीति आम जनता में भटकाव पैदा करती है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि जो जनता सरकार के विरोध का विचार रखती है, वह विपक्ष की हर बात को सही मानकर ही व्यवहार करेगी और जो विपक्ष की बातों पर भरोसा नहीं करती, उसे सत्ता पक्ष की बात मानने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वास्तव में ऐसी राजनीति के

की ओर सभी दलों को आगे आना चाहिए। लेकिन आज के वातावरण में ऐसा होना संभव नहीं लगता। क्या यह सही नहीं है कि देश में भाजपा के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनी है, लेकिन विपक्ष इस बहमत वाली सरकार को पराजित सरकार कहकर लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहा है। हालांकि यह मानने में कोई अतिरेक नहीं है कि विपक्ष पहले से मजबूत हुआ है, लेकिन वह विपक्ष में ही है। इसको भी खुले मन से स्वीकार करने की मानसिकता बनानी होगी, तभी हम कह सकते हैं कि राजनीति देश को सही दिशा में ले जाने की हो रही है। आजकल समाचार के विभिन्न माध्यमों पर सामयिक विषयों पर चर्चा होती है, लेकिन इन चचाओं में सभी तरफ से पर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्तियों को ही शामिल करने का चलन हो गया है। दूसरे की बात को नकारना ही इन चचाओं का एकमेव सिद्धांत बनता जा रहा है। इतना ही नहीं, कोई एंकर अपनी ओर से भारत के चिंतन पर

आधारित कोई तथ्य रखता है तो) तो तर्क-वितर्क प्रारंभ हो जाता है। उस एंकर को भी किसी राजनीतिक दल का समर्थक बताने में कोताही नहीं की जाती। हो सकता है कि कोई पत्रकार विचारधारा से किसी राजनीतिक दल की बात को सही ठहराने की वकालत कर रहा हो। क्योंकि आज के समय में अधिकांश पत्रकार और समाचार पत्र किसी न किसी राजनीतिक दल का खल कर समर्थन करता है तो कोई विरोध की शैली ही अपनाता है। ऐसी पत्रकारिता भी ठीक नहीं कही जा सकती, लेकिन कई समाचार चैनल ऐसे भी हैं जो निष्पक्ष तरीके से बहस कराते हैं। यह एंकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से ही सवाल करते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं की ओर से एंकर को सवालों के घेरे में खड़े करना ठीक नहीं कहा जा सकता। आजकल जो डिबेट चल रही हैं, उनमें विपक्ष की ओर से ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने भाजपा को हरा दिया है। इसके लिए अगर कोई एंकर विजयी सांसदों की संख्या बताता है

यहां तक तो ठीक है, लेकिन जब यह तर्क-वितर्क से आगे बढकर कतर्क की शैली में आ जाता है तो विवाद होने लगता है। राजनेताओं को राजनीतिक लड़ाई केवल दलीय आधार पर करना चाहिए. लेकिन यहां पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अपने तरकस से तीर निकालने का प्रयास किया जाता है। अगर भाजपा का कोई प्रवक्ता तीसरी बार सरकार बनाने की बात को लोकतंत्र की विजय निरूपित करता है तो इसमें गलत क्या है। इसे विपक्ष को खुले मन से स्वीकार करने में हिचक क्यों हो रही है। एक कहावत है कि सच बहुत कड़वा होता है, जिसने सच को स्वीकार करना सीख लिया, वह कतर्क करने की चेष्टा नहीं कर सकता। लोकतंत्र क्या है? इसकी परिभाषा या तो राजनेता जानते नहीं हैं या फिर जानते हुए भी नहीं जानने का नाटक करने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र की परिभाषा-जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है। राजनेता तो मात्र

जनता के प्रतिनिधि ही हैं। लेकिन वर्तमान में राजनेता जनता से ऊपर मानने की ओर प्रवत हो चके हैं। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि भारत की जनता ने लोकसभा के चुनाव में सबसे ज्यादा सीट भाजपा को दी हैं। इसे सीधे अर्थों में प्रदर्शित किया जाए तो यही कहना उचित होगा कि भाजपा ही जनता की पहली पसंद है। उसे जनता ने 240 सीट दी है। बाकी का कोई भी दल तीन अंकों की संख्या तक भी नहीं पहुंच सक है। ऐसे में क्या यह नहीं कहा जाना चाहिए कि मिलकर चुनाव लड़ने के बाद भी विपक्ष सरकार बनाने में सफल नहीं हो सका। इसे हार ही कहा जाएगा, लेकिन विपक्ष इसी हार को ऐसे प्रचारित कर रहा है, जैसे यह उसकी बहुत बड़ी जीत है। कांग्रेस ने भले ही अपनी स्थिति में सुधार करते हुए प्रदर्शन किया हो, लेकिन इसे बड़ी जीत नहीं कहा जा सकता। सत्य यह भी है कि कांग्रेस ने जो प्रदर्शन किया है, वह उसके अपने परिश्रम का परिणाम नहीं है।

Social Media Corner

सच के हक में.

अफ्रीका के कैमरून में फंसे झारखण्ड के अपने 27 लोगों की परेशानियों के बारे में जानकारी मिली थी, जिसके पश्चात झारखण्ड सरकार द्वारा पहल कर उन्हें लगभग कुल 30 लाख की बकाया राशि का भुगतान कराया गया और राज्य वापस लाया गया। गिरिडीह में साथी मंत्रियों और गिरिडीह तथा गांडेय विधायक एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में



प्रत्येक श्रमिक भाइयों को 25–25 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गयी। साथ ही सभी श्रमिक भाइयों से राज्य सरकार के संपर्क में सदैव रहने हेतु भी अपनी बात रखी। आपकी यह झारखण्ड सरकार, आपका यह भाई और बेटा सभी वर्गों की सहायता के लिए हमेशा संवेदनशीलता के साथ खड़ा है। आप सभी खुशहाल रहें, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का हाल बद से बदतर होता जा रहा है। मरीजों की परेशानियों और तकलीफों को सुनने वाला कोई नहीं है, न डॉक्टर, न स्वास्थ्य मंत्री और न ही मुख्यमंत्री। रिम्स सहित प्रदेश के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में कुव्यवस्था के कारण मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों का रुख



करना पड़ रहा है, इसका नतीजा है कि रांची सहित राज्यभर में बिना रजिस्ट्रेशन के ही प्राइवेट अस्पताल और नर्सिंग होम की संख्या बढ़ती जा रही है। पूर्व में भी हाइकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए रिम्स की अव्यवस्था पर सवाल उठाते हुए ठोस उपाय करने का निर्देश दिया था, परंतु इसके बाद भी हिम्मतवाली सरकार के कानों में जूं तक भी नहीं रेंगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

वैश्विक माइक्रोसॉफ्ट आउटेज के महत्वपूर्ण सबक

19 जुलाई को वैश्विक स्तर पर व्यवसाय तंत्र को प्रभावित करने वाला एक बड़ा आईटी अवरोध हुआ। साइबर सुरक्षा संस्था क्राउडस्ट्राइक के एक खराब सॉफ्टवेयर अपडेट ने वैश्विक स्तर पर माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज को बाधित कर दिया, जिससे दुनियाभर में अस्पताल, एयरलाइंस, ट्रेन नेटवर्क और टीवी स्टेशनों सहित कई अहम संस्थान, व्यवसाय और सेवाएं बाधित हो गयीं। इस आउटेज का व्यापक प्रभाव हवाई यात्रा पर दिखा। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने तत्परता से समस्या के मूल को समझ कर कुछ ही घंटों में हल निकाल लिया, फिर भी दुनियाभर के अनगिनत लोग, वेबसाइट, व्यवसाय और एयरलाइंस समस्या के निदान के लिए संघर्ष करते रहे। आईटी विफलता की यह घटना एकल तकनीकी विफलता के बढ़ते व्यापक प्रभाव को उजागर करती है। न्यूयॉर्क, लंदन, बर्लिन और दिल्ली जैसे व्यस्त हवाई अड्डों पर यात्रियों की अफरातफरी दिखी। यात्री उड़ान में

देरी, रद्दीकरण और लंबी कतार से

परेशान दिखे। हमारे देश में आउटेज के कारण उड़ान संचालन में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ। इंडिगो, अकासा और स्पाइसजेट सहित सभी प्रमुख एयरलाइनों की बुकिंग के अलावा चेक-इन सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो गयीं। दुनियाभर के वित्तीय संस्थानों पर भी इस आउटेज का गहरा प्रभाव दिखा। लंदन स्टॉक एक्सचेंज कुछ समय तक सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनियों के लिए आवश्यक मुल्य-संवेदनशील नियामक घोषणाओं को अपने वेबसाइट पर प्रकाशित नहीं कर पा रहा था। कई प्रतिभृति कंपनियों का व्यावसायिक डेस्क लगभग तीन घंटे तक ठप्प पड़ा रहा। ऑस्ट्रेलिया के बड़े वित्तीय संस्थानों कॉमनवेल्थ बैंक, एएनजेड, वेस्टपैक और न्यूजीलैंड के एएसबी बैंक ने अपने परिचालन में आउटेज के कारण व्यवधान की सूचना दी है। भारत के वित्तीय संस्थान इस आईटी अवरोध से लगभग अछूते रहे। देश के बैंकिंग विनियामक भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार लगभग 10 बैंकों और गैर-

बैंकिंग वित्तीय संस्थानों में ही मामूली

व्यवधान पाया गया। वैश्विक विफलता का मुल कारण विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए क्राउडस्ट्राइक नामक कंपनी द्वारा निर्गत फाल्कन सेंसर सॉफ्टवेयर का दोषपूर्ण अपडेट था। शुक्रवार को दुनियाभर में लोगों को अपना कंप्यूटर मशीन चालू करने के बाद माइक्रोसॉफ्ट का एरर संदेश, जो ह्यब्लू स्क्रीन ऑफ डेथह्न (बीएसओडी) के नाम से प्रचलित है, दिखा। यह विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम का एक आम त्रुटि संदेश है, आंतरिक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर समस्याओं को इंगित करता है। मशीन ज्यादा गर्म हो जाए, असंगत ड्राइवर अपडेट, मेमोरी समस्या जैसी कई त्रुटियों के लिए बीएसओडी दिखता है, लेकिन शुक्रवार को यह विंडोज उपयोगकताओं को साइबर सिक्योरिटी संस्था क्राउडस्ट्राइक के उत्पाद फाल्कन के नये अपडेट के कारण दिखा। फाल्कन को क्लाउड तकनीक का उपयोग कर साइबर उल्लंघनों को रोकने के लिए बनाया गया है। क्राउडस्ट्राइक के सॉफ्टवेयर

को साइबर खतरों को पकड़ने के लिए कंप्यटर के ऑपरेटिंग सिस्टम तक गहरी पहुंच की जरूरत होती है। क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के साथ परस्पर संचार के तरीके में खराबी के कारण बीएसओडी का सामना करना पड़ा, जो शुक्रवार के आईटी अवरोध का मुख्य कारण बना। आउटेज से उन मशीनों पर असर नहीं पड़ा, जिनमें फाल्कन सेंसर नहीं लगा है। चीन में इस आउटेज का असर नगण्य रहा। उसके सभी प्रमुख वित्तीय संस्थान और एयरलाइंस काम करते रहे। हालांकि चीन में संचालित कुछ विदेशी कंपनियों ने आउटेज के हल्के प्रभाव का जिक्र किया है, पर चीनी कंपनियों का परिचालन सामान्य रहा। सूत्रों के अनुसार, बहुत कम चीनी कंपनियां क्लाउडस्ट्राइक की सेवाओं का उपयोग करती है। साथ ही, माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सेवाएं चीन में 21वायानेट नामक एक स्थानीय भागीदार द्वारा निष्पादित होती हैं। वहां नियम है कि विदेशी कंपनियों की क्लाउड सेवाएं स्थानीय संस्थाओं के द्वारा ही संचालित होनी चाहिए।

समाधान पर जोर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार सातवीं बार बजट पेश कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया और समग्रता में उनके बजट को समाधान की ओर देखता महत्वाकांक्षी बजट कहा जा सकता है। अगर हम आम आदमी की बात करें, तो बहुत लोगों को कमोबेश लाभ हुआ है, वहीं कुछ लोगों की उम्मीदें धरी रह गई हैं। अगर हम आयकर के नजरिये से देखें, तो पुराने आयकर ढांचे वाले लोगों को निराशा हाथ लगी है, पर नए आयकर ढांचा वाले लोगों को कुछ लाभ हुआ है। अब यह संदेश बहुत स्पष्ट है कि नए कर ढांचे वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और सरकार यही चाहती है। कहने में हर्ज नहीं कि नौकरीपेशा लोगों को आयकर में ज्यादा राहत की उम्मीद थी, पर सरकार अपनी राजस्व जरूरतों के आगे मजबूर है। वह खुद चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग नौकरीपेशा वर्ग में शामिल हों, ताकि राजस्व बढे.। सरकार की यही मंशा उसके रोजगार बढ़ाने के ताजा प्रयासों में दिखती है। एक बड़ा बदलाव यह है कि जहां पहले एनडीए सरकार का स्वरोजगार से ज्यादा अनुराग दिखता था, वहीं अब उसका शुद्ध रोजगार पर ध्यान है। बेरोजगारी को संबोधित करता यह केंद्रीय बजट तीन योजनाओं के तहत रोजगार बढ़ाना चाहता है। युवाओं को संगठित क्षेत्र में नौकरी मिलने पर पहला वेतन सरकार देगी। इसके अलावा रोजगार सृजन करने वाली कंपनियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनियों को लाभ होगा, तो इससे रोजगार में वृद्धि होगी। दूसरी बात, देश के बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर व्यय की व्यवस्था की गई है, तो इससे भी रोजगार में वृद्धि होगी। विशेष रूप से बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश में सरकार बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रही है। केंद्र सरकार बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय नाम से योजना बनाएगी। मतलब, इन राज्यों में रोजगार बढ़ना तय है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Hasina must learn from Rajapaksa ouster

POLITICAL street violence in Bangladesh has been a recurring event for nearly three decades. But even by these standards, the killing of over 100 people, many of them student protesters shot dead by the police, is a new low in the five-decade history of the country. With this, Prime Minister Sheikh Hasina, who in January won a fourth consecutive term in office in an election boycotted by the Opposition, on a barely 40 per cent turnout, has entered politically hazardous territory. The Bangladesh Supreme Court's order slashing the quota of 30 per cent of government jobs for descendants of freedom fighters, and bringing down all reservation to a total of 7 per cent from the previous 56 per cent, may not end the Bangladesh leader's troubles.

The protests against the quota for freedom fighters are just one manifestation of deep anger against a Prime Minister who was once hailed as a model of democracy and secularism in the Islamic world, but who has since consolidated her hold on power in the manner of an authoritarian – describing the Opposition as 'terrorists', jailing its leaders, lashing out at critics as 'traitors' to the nation, muzzling the media, and being accused by rights activists of using enforced disappearances and extra-judicial killings to silence them. Hasina, who has survived more than one assassination attempt, would like the world to see her as the last woman standing between Islamist extremism and her fragile country. But even her supporters are finding it hard to justify her methods.

Writing in these columns recently on the 75th anniversary of the Awami League, the party of Bangladesh's liberation that Hasina has led for four decades, Mahfuz Anam, editor of The Daily Star, described how it had lost its way badly. The Awami League, he wrote, "today is its own judge and jury. It is a typical example of a political party living in its own bubble. And since it has monopoly control on all the levers of power, the bubble, as fragile as it is, can also be dangerous. This is so because the reality presented by the bubble can form the basis of decisions that can fatally harm us all." Hasina has been in office continuously since January 2009. Her landslide victory in the December 2008 elections came after a tumultuous period for the country and was hailed internationally as a win for progressive forces in Bangladesh. But a mutiny by officers of the Bangladesh Rifles in February 2009, a month after she was sworn in, shook her government.

Hasina survived that crisis, with Delhi holding her hand. In the 15 years since then, Bangladesh's economic turnaround and its solid progress on human development indicators — the country is set to graduate from the Least Developed Category in 2026 — won her much international admiration, at the same time as her increasingly authoritarian political style drew criticism and made her unpopular at home. The 2012-13 fasttracking of a process to punish Pakistan's Islamist collaborators during the 1971 Liberation War, which led to the execution of six Jamaat-e-Islami leaders and one of the opposition Bangladesh Nationalist Party (BNP) after a quick trial and conviction by a special court, fuelled polarisation in the polity. The Jamaat-e-Islami was banned, and the BNP has since boycotted two elections in 2013 and 2023 — over its unmet demand for a caretaker government to oversee the electoral process. The party contested the 2018 election, but its leader, Khaleda Zia, was convicted and jailed, and not allowed to run. The Hasina government's counter-terrorism response after a wave of Islamist-linked killings of secular activists culminating in the 2016 terrorist attack on a cafe in Dhaka, is seen to have been effective. But Hasina's one-party rule and the government's single-minded focus on wiping out the political opposition have led to a vacuum in the polity that is being filled by a yearning in large sections of the public for Islamic governance. This is especially so as Bangladesh's economic dream run has now run out of gas, literally. Russia's Ukraine war slowed down the country's postpandemic recovery, with a direct impact on the citizens. Food inflation is high. An acute unemployment crisis has worsened people's lives. And a young population is demanding political accountability from an unresponsive government. This is why the quota in jobs brought students out on the streets, resulting in last week's

Nepal's political churn a test for its ties with India

India could do more than any other country for transit and connectivity with Nepal.

WITH a new Prime Minister at the helm, Nepal has had its 30th change in the head of government since the 1990 Jana Andolan which instituted constitutional monarchy and the 15th since the 2006 Loktantra Andolan, which abolished the monarchy and established a parliamentary republic. In the last nine years, the government has changed eight times, with KP Sharma Oli of the Communist Party of Nepal (Unified Marxist-Leninist), Pushpa Kamal Dahal of the Communist Party of Nepal (Maoist Centre) and Sher Bahadur Deuba of the Nepali Congress successively becoming the

PM. Ideology has nothing to do with political changes in Nepal.Oli has become the PM for the fourth time, with a comfortable majority. He won the floor test in the 275-member Pratinidhi Sabha (House of Representatives) on Sunday with more than two-thirds majority, with 188 votes in favour of the Vote of Confidence motion tabled by him.

Former Ambassador to India and retired Kathmandu University professor Lok Raj Baral recently described Nepali politics as being "full of absurdities" and termed the frequent changes in its government 'pantomime' or 'nautanki'. In his first tenure, Oli was annoyed with India. He made several anti-Indian moves. For example, he claimed that Thori (near Birgunj) was the real Ayodhya the birthplace of Lord Ram, an avatar of Lord Vishnu. Some news outlets reported that Nepal's archaeological department was considering excavation in the region. He further claimed that 'Singhadeva Jayate', and not 'Satyameva Jayate', appeared to be India's national motto. He got Nepal's map and Constitution changed to extend its boundary with India north-westward and not northward, enlarging the disputed area manifold and making a resolution difficult. The general perception that Oli is pro-China is incorrect. A nationalist politician, he would want Nepal's stability and development. Having close ties with India would be a prerequisite for that. While India has no issue with Nepal maintaining good relations with China, what makes the India-Nepal relationship unique are the ties of geography, history and culture and the open border between the two countries. This could be further transformed through initiatives on electricity trade, climate change cooperation and connectivity that have already been



agreed upon. For the last two years, the Nepal Electricity Authority has been selling surplus electricity produced at its hydropower plants in Kaligandaki, Trishuli and Devighat to India through the Indian Energy Exchange at a remunerative price of over Rs 6 per unit. The India-Nepal Joint Vision Statement on Power Sector Cooperation adopted in April 2022 envisages three activities: the joint development of power sector projects in Nepal, building cross-border transmission infrastructure and bi-directional power trade. But some hostile elements in Nepal are opposed to it.It is interesting to recall that when Chandra Shekhar, arguably the most Nepal-friendly Indian PM, visited Kathmandu in February 1991, he spoke expansively about the potential of India-Nepal cooperation in the hydropower sector at a press conference, after which he asked a young Nepali journalist, Vijay Kumar, to stay and have tea with him. The first thing PM Shekhar said was, "Don't believe a word of what I just said for public consumption." Seeing that Vijay was perplexed, the then Indian premier recounted his upbringing in a hut in a Ballia village in eastern Uttar Pradesh that had no electricity. His father had told him then that India would soon be free: "Tab hamara mitra desh Nepal unnati ke path par hoga aur hamen bijli dega. Ab hamare baal safed ho gaye par Nepal se hamare ghar bijli nahin ayi. Nepali apne ko andhere mein rakhenge aur hamein bhi andhere mein rahne denge!"

This anecdote illustrates how things have changed. While India has supplied electricity to Nepal over the past few decades, the power trade between the two nations is beginning to reverse its course. Nepal has started producing electricity, and India buys only the surplus, whose export will redress Nepal's trade balance and improve its public finance. Another way for Nepal to balance its trade would be to stop importing petroleum products from India and import them from elsewhere.

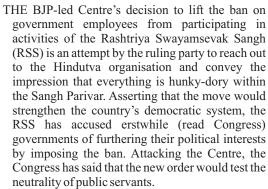
India is the sole supplier of oil to Nepal. PM Narendra Modi and Oli had jointly inaugurated South Asia's first cross-border petroleum products pipeline from Motihari in India to Amlekhguni in Nepal in September 2019. This was built by the Indian Oil Corporation ahead of schedule to ensure regular and affordable petroleum supplies to Nepal.

Not only is India now importing Nepalese electricity, but it is also on the verge of agreeing to the wheeling of Nepalese electricity to Bangladesh, the first such trilateral arrangement among any three countries in South Asia. India could do more than any other country for transit and connectivity with Nepal. Under the Belt and Road Initiative, China had promised the construction of a Trans-Himalayan Multi-dimensional Connectivity Network, but there is no evidence of it on the ground. India has offered to effectively end Nepal's landlocked situation by building a rail link to Kathmandu and providing Nepal access to the Bay of Bengal through waterways. The Final Location Survey report of the Raxaul-Kathmandu rail link has been with the Government of Nepal since June

last year. China's 2016 Transit and Transport Agreement with Nepal gives the latter access to several Chinese ports. But in the past eight years, the routes have remained unutilised because of long and uneconomic distances. Nepal's third-country trade continues through the Indian ports of Kolkata and Visakhapatnam. Should Nepal require ports on India's western coastline, such as Kandla, for its exports to the Gulf, West Asia, Africa or Europe, India would facilitate it. Under an India-Bangladesh arrangement, the two countries have agreed to give Nepal transit facilities through Kakarvitta-Fulbari (Phulbari)-Banglabandha to the ports of Chittagong and Mongla. The frequent change of leadership in Nepal leads to endemic political instability. India is slowly learning to shield its bilateral relationship from the vicissitudes of Nepal's domestic politics. With their cultural closeness, Indians and Nepalese are guilty of a degree of complacency towards one another. They should, instead, invest more in each

Reaching out to RSS

BJP lifts ban in a bid to placate Sangh



Relations between the BJP and the RSS are going through a rough patch, particularly after the saffron party fell short of a majority in the Lok Sabha. The BJP's below-par performance in the parliamentary elections has given ample fodder to the Sangh top brass to fire no-holds-barred salvos.

RSS leader Indresh Kumar said Lord Ram had stopped an



'arrogant' party that claimed to be 'Ram Bhakt' from attaining a majority, while Sangh mouthpiece Organiser

observed that the electoral outcome was a 'reality check' for overconfident BJP workers. Last week, RSS chief Mohan Bhagwat apparently alluded to Prime Minister Narendra Modi when he talked about the human ambition to become a superman and a god. Moreover, Sangh leaders have sent out a message that their organisation will not play second fiddle to the BJP.

Dependent on allies for the first time in a decade, the BJP seems keen to make concessions for the sake of staying in power. With the RSS centenary coming up next year the ruling party is expected to go all out to appease Bhagwat and Co. Lifting of the ban will help in ironing out some of the differences, even as the onus is on the government to address concerns and allay fears over the contentious decision's impact

Education is the antidote to deras and babas

Babas demand unquestioning faith and politicians prefer to keep the masses ignorant — neither wants or encourages the spirit of enquiry.

I had just joined the police service and was posted as the Kapurthala SSP in 1971. I happened to visit my village over a weekend, expecting a lazy morning and day. However, I was woken up well before sunrise by an old family helper, who informed me that one Jeetu Jatt from a neighbouring village wanted to see me. I recalled that Jeetu was a minor-league soothsayer who helped people locate their lost/stolen cattle. Jeetu seemed visibly embarrassed as he told me that a pair of his oxen had been stolen from his haveli. I asked him to report it to the police; he very hesitatingly told me that it would be bad for his business as a soothsayer if he sought the help of the police. Anyway, his cattle were found and his reputation remained intact. Now, it is generally believed that such activities remain confined to the poor and uneducated — let me dispel you of any such delusion. After many years and many experiences in the police service, let me cut to the chase. This is a story of our country and its various soothsayers, shamans, babas and how, from being harmless petty manipulators, they rise to control the very levers of power.I was posted in Delhi as the head of a premier force at the turn of the century. After a couple of days, a retired senior officer came to me and virtually ordered me to accompany him to a very well-known baba. I told him that I knew the gentleman and that I would not go to him. One had observed his progress from the tehsil level to the district and onto the state capital, where he was known to be a small-timer, peddling falsehoods to novices (most locals knew of him and in Punjabi style had given him a comical moniker). His move to Delhi was a masterstroke and he literally struck gold by being this novel, bold godman. My former boss was taken aback by my refusal and further impressed on me that my presence had been especially requested by the man himself. I

stuck to my guns, but let me briefly describe first-hand accounts from these satsangs of the baba (our agencies kept us abreast). Virtually a galaxy of VIPs, including secretaries to the Government of India and their wives, Union ministers and other top-ranking persons were in attendance. What were they doing? Some of these otherwise snooty memsahibs were massaging the master's feet, and others were doing 'champi' on his head, etc. One had to blink one's eyes and pinch oneself to believe that this was happening in real time. These godmen exercised influence in national-level policymaking, both economic and political. There were godmen who operated many rungs higher than the Delhi master and their bejewelled fingers wrought many a

miracle — to name a few, Dhirendra Brahmachari, Maharishi Mahesh Yogi and Chandraswami come to mind. Moving back again to the present, the landscape is dotted with deras and babas of various hues and sizes. There are ordinary village-level babas, besides those at the city, state, regional and national levels. Most of them are part miracle men, part politicians, part businessmen, part real estate holders and, above all, great influence peddlers. The poor go to them for minor daily needs, the rich to get richer, the politicians to get votes and thus power. Trust me, the bigger the dera, the greater the vote bank and bigger the number of politicians in attendance at election time. Please do not think I'm exaggerating. State intelligence departments have carried out a census of these deras and their approximate following and financial holdings. This



information is used to woo them or blackmail them. Security details are attached to them. And depending on the scale, the weightage of the baba goes up or down. Today, they have started going a step further by fighting elections themselves — the politician himself is threatened. Remember the disco baba and the havoc he caused in Haryana? He appeared to alternate between the jail and his ashrams as per his whims and fancies. Then there are the various babas confined on charges of rape and murder, for whom the jail is also an ashram.

Lest the reader get the mistaken belief that this is happening only now in India, let me disabuse you of that. There are many such cases in the history of the world where superstition, fear and poverty have been manipulated by godmen to pursue their goals. They went by many names — shamans to the Mongols,

witch doctors to the Red Indians, Druids in England, soothsayers in ancient Greece — but the evil they sowed has been the same through history. In Russia, Rasputin cast an evil shadow on the rule of the Tzars. When one Rasputin or godman reaches the top, other minions mushroom across the land. In the early part of the 20th century, the Sikhs had to launch a fullfledged movement to free their shrines from the mahants, who had been propped up by the British and had converted the historic gurdwaras into personal fiefdoms shorn of their religious and historic presence. And so the great game continues — charlatans, godmen, politicians pitted against the common man. The men of science and an even temperament are in a hopeless minority. Such is the scourge of these

babas that the poor especially are held by them in a vice-like grip of ignorance and hope. The only remedy for most of our problems, including this one, is education of the highest quality made available to all. Education removes all these cobwebs and develops a scientific temperament. Above all, it teaches us to question everything and everyone in order to come to rational answers, and that is why these babas demand unquestioning faith and politicians prefer to keep the masses ignorant neither wants or encourages the spirit of enquiry. In conclusion, I can only turn back to Rabindranath Tagore and his timeless wisdom: "Where the mind is without fear... where knowledge is free... into that heaven of freedom, my father, let my country

Thursday, 25 July 2024

Gold, silver price: Precious metals record hike on MCX

NEW DELHI. Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Wednesday, July 24, 2024. Gold futures, maturing on August 5, 2024, stood at Rs 68,865 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 355 or 0.52 per cent. The previous close was recorded at Rs 68,510.Meanwhile, silver futures, maturing on September 5, 2024, witnessed a marginal hike of Rs 287 or 0.34 per cent and were retailing at Rs 85,206 per kg on the MCX against the previous close of Rs 84,919. GOLD, SILVER PRICES IN MAJOR CITIES

The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious

GOLD, SILVER PRICES IN INTERNATIONAL **MARKET**

Gold prices inched higher on Wednesday, with investors awaiting U.S. economic data that could influence the Federal Reserve's rate-cut timeline, news agency Reuters reported. According to the latest metal report, spot gold rose 0.3 per cent to \$2,416.62 per ounce by 0402 GMT, while, U.S. gold futures gained 0.4 per cent to \$2,417.10. Among other precious metals, spot silver gained 0.2 per cent to \$29.28 per ounce.

Another 'jumla': P Chidambaram on job creation promises in Budget 2024

New Delhi. Congress's Rajya Sabha MP and former Union Finance Minister P Chidambaram has questioned the employment-linked incentives (ELIs) announced by the government in Budget 2024, saying the projected figures of beneficiaries are "highly

Speaking to India Today TV, Chidambaram said he doesn't believe that the government will be able to create two crore jobs in a year as mentioned in the Budget."I don't believe the numbers. 210 lakh, 30 lakh, 50 lakh, adding up to 290 lakh. I think this is another jumla. Like they said that they will create two crore jobs a year. I don't believe this," he said.In her Budget speech, Finance Minister Nirmala Sitharaman announced three employment-linked schemes. One of the schemes is aimed at first-time employees registered with the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) and offers up to Rs 15,000. The Finance Minister said the scheme would support young professionals earning up to Rs 1 lakh per month and would benefit 210 lakh youths.

Chidambaram said it would be important to see how many industrial units, enterprises, and businesses are brought under the scheme. I want to see the actual recruitment, and only then I'll believe these numbers. These are highly exaggerated numbers. Suddenly, how do they hit upon 290 lakh jobs?" he asked. The former Finance Minister further said the government, in this Budget, finally acknowledged that unemployment and inflation were points of concern, something he said were mentioned prominently in the Congress's election

We have been saying that for the last several years. Unemployment is the number one challenge and inflation is number two. I am glad the government has finally, although belatedly, acknowledged it after they learnt a lesson in the (Lok Sabha) election," he said.

Electronics sector gets biggest PLI allocation

NEW DELHI. In the Budget, the finance minister has allocated Rs 12,493.02 crore for the Production



sectors for this financial year.

The Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) has received the largest share, with Rs 6,200 crore earmarked for electronics manufacturing. For large-scale electronics manufacturing, the government has earmarked Rs 6,125 crore, while the incentive for IT Hardware is Rs 75 crore. Over and above, for the development of Semiconductors and Display Manufacturing Ecosystem in India, Rs 6,903 crore has been allocated in this Budget. Another significant chunk has gone to the automobile sector. The scheme for the automobiles and its components has been increased to Rs 3,500 crore, a 624% jump from Rs 484 crore in the revised estimates of 2023-24. The reason being, as per the economic survey released on July 22, 2024, the PLI scheme for automobiles and auto components has attracted investments of Rs 14,043 crore till March 2024, accounting for 20% of the total committed amount of Rs 67,690 crore.

The PLI scheme was introduced to promote domestic manufacturing and has achieved success in mobile manufacturing. India's mobile phone production has grown from 5.8 crore units in 2014-15 to 33 crore units in 2023-24, with exports increasing to nearly 5 crore units. Subsequently, the government has expanded the PLI scheme to 14 sectors, including telecommunications, white goods, textiles, medical devices, automobiles, specialty steel, food products, solar PV modules, advanced chemistry cell batteries, drones, and drug manufacturing industries.

This year, the government has allocated Rs 2,143 crore for PLI in the pharmaceutical industry, Rs 57 crore for drones and drone components, and Rs 298.02 crore for ACs and LED lights. However, no allocation has been made for PLI scheme to promote telecom manufacturing.

Mobile manufacturing

Mobile phone exports have risen significantly, from Rs 1,556 crore in 2014-15 to Rs 1,28,982 crore in 2023-24, while imports have decreased from Rs 48,609 crore to Rs 7,665 crore during the period

Education loans up via evouchers, UGC budget cut

The Budget introduced significant financial support for higher education loans while imposing a substantial cut on the **University Grants** Commission (UGC) budget by over 60%.

NEW DELHI. Union Finance Minister Nirmala Sitharaman announced an allocation of Rs 1.20 lakh crore for education in the Union Budget for 2024-25. The salient point of the proposals is that loans up to Rs 10 lakh for higher education in domestic institutions will be facilitated through e-vouchers, directly benefiting one lakh students annually with an interest subvention of 3%. The Budget introduced significant financial support for higher education loans while imposing a substantial cut on the University Grants Commission (UGC) budget by over 60%.

Despite significant budgetary reductions in some areas, the overall allocation for the Ministry of Education has been pegged at over Rs 1.20 lakh crore, down from the revised estimate of Rs 1.29 lakh crore in the previous financial year.

The UGC funding has been dramatically reduced from the previous year's revised estimate of Rs 6,409 crore to Rs 2,500 crore, marking a 60.99% cut. The budget for Indian Institutes of Management (IIMs) too has been cut for the second consecutive year, dropping from Rs 331 crore to Rs 212 crore. Indian Institutes of



Technology (IITs) have also experienced a marginal budget cut from Rs 10,384.21 crore to Rs 10,324.50

The budget for Central universities has seen a significant increase by over 28%, rising to Rs 15,472 crore from the previous revised estimate of Rs

12,000.08 crore. Additionally, the budget for school education has increased by over Rs 535 crore, benefiting Kendriya Vidyalayas, Navodaya Vidyalayas, NCERT, PM Shri schools, and state

UGC chairman M. Jagadesh Kumar said an allocation of Rs 47,619 crore to higher education marked an 8% increase over last year's budget. He said the UGC budget includes three components: UGC, Central universities, and deemed universities. From 2024-25, funding for colleges affiliated with Central universities will shift from UGC to Central universities

Significant financial aid

Budget introduced significant financial support for higher education loans while imposing a substantial cut on the University Grants Commission (UGC)

Explained: How will Budget 2024 impact your mutual fund investments

Budget 2024: Radhika Gupta, MD and CEO of Edelweiss Mutual Fund discussed in detail the changes in mutual fund taxation following the Union Budget 2024.

New Delhi. The Union Budget 2024 has introduced significant changes to the taxation of mutual funds, aiming to simplify the tax structure and provide clarity for investors. These changes impact various types of mutual funds differently, altering how they are taxed in both the short and long term.

Radhika Gupta, MD & CEO of Edelweiss Mutual Fund, discussed the overall announcements in the budget on social media platform X and also shared a video explaining the changes in mutual fund taxation following the Union Budget 2024.

She explained that before the Budget, mutual funds were subject to varying tax categories, including long-term and short-term capital gains, marginal tax rates, and indexation



benefits. With this Budget, all of this gets simplified and the concept of indexation goes away," Gupta noted. How will Budget 2024 impact your mutual fund investments?Under the new tax regime, there are now three main categories for mutual fund taxation. The first category includes equity mutual funds with more than 65% equity holdings."They are taxed as capital assets—20% in the short term and 12.5% in the long term, with long term being anything held for

more than one year," Gupta said. The second category consists of funds holding more than 65% in debt securities. These are taxed at the marginal rate without any distinction between short-term and long-term investments.Gupta pointed out that this category remains unchanged from the previous year.

The third category encompasses funds that do not fit into the first two categories, such as gold index funds, gold ETFs, funds of funds investing in equity, international funds, and conservative or hybrid funds.

Gupta said, "These have a taxation in short term at marginal rate and long term is 12.5% where long term means more than two years."Discussing the impact of these changes, Gupta said the benefits for long-term investors in the third category."If you are a longterm investor, instead of attracting the marginal rate of taxation, they now attract 12.5% capital gains tax over a two-year long term," she said. Overall, she indicated that the Budget 2024 simplifies the tax structure for mutual funds and provides significant benefits for long-term investors in

budget by over 60%. Sensex, Nifty open lower

after budget day; realty

stocks fall, ITC gains

New Delhi. Benchmark stock market indices opened slightly lower a day after Finance Minister Nirmala Sitharaman presented the Union Budget 2024.

The S&P BSE Sensex was down 48.96 points at 80,380.08 at 9:24 am, while the NSE Nifty50 fell 15.90 points to trade at 24,463.15. All the other broader market indices also opened traded flat.

While most other sectoral indices gained, Nifty realty fell after Sitharaman proposed to remove the indexation benefit for some asset classes like gold and property. Experts believe that there could be a short-term impact on realty stocks due to the move.On the other hand, consumeroreinted stocks are likely to rise as a result of the government's announcement related to income tax. The new tax regime has been sweetened slightly, with marginal revision in the tax slabs and a hiked standard deduction.

The top five gainers on the Nifty50 were ITC, Titan, HDFCLife, Tata Motors and Tech Mahindra. On the other hand, the top losers were Tata Consumer Products, HUL, Bajaj Finance, Nestle India and Britannia. Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial



Experts welcome budget relief for cancer patients, urge higher health spending

major relief for cancer patients in the country in the Union Budget 2014-25. The budget proposed to exempt three crucial cancer treatment medicines that are needed for patients in India from used for specifically?Trastuzumab Deruxtecan: This is an antibodydrug conjugate used primarily to treat HER2-positive breast cancer that has spread to other parts of the body (metastatic). It is also being studied for use in other types of cancer, such as gastric cancer.

NEW DELHI. Finance Minister Osimertinib: This is a targeted prescribed? Nirmala Sitharaman announced a therapy used to treat non-small cell Trastuzumab Deruxtecan: This is lung cancer (NSCLC) with specific mutations in the EGFR gene. It is particularly effective against cancers that have developed resistance to earlier generations of EGFR inhibitors.

customs duty. What are these drugs Durvalumab: This is an blocking the PD-L1 protein, helping the immune system to attack cancer cells. It is used to treat non-small cell lung cancer (NSCLC) and urothelial carcinoma (bladder cancer).

How commonly are these drugs

commonly prescribed for patients with advanced HER2-positive breast cancer who have not responded to other treatments. It is relatively new but has shown significant promise in clinical

immunotherapy drug that works by Osimertinib: This is widely prescribed for patients with EGFRmutated non-small cell lung cancer. It is often used as a first-line treatment and is also prescribed for patients whose cancer has progressed despite other EGFR

Services, said, "Now that the steep increase in STCGs tax and the marginal increase in LTCGs tax on equity is a reality, investors should focus on investing in stocks which can deliver superior returns. In the present context FMCG stocks look attractive from the valuation perspective.""Watch out for stocks like ITC and United Spirits. It is important to understand that the Budget strengthens the India Growth Story with focus on growth with financial stability. The fiscal consolidation being attempted through the Budget is a big positive that should not be missed amidst the concerns of increase in capital gains tax. Another important factor is that the removal of indexation benefits on gold and real estate will make equity a superior asset class, relatively," he added.

"The higher tax on F&O trading is intended to discourage the excessive speculation in this segment and, therefore, is a welcome move."

ICICI Bank, Dabur, HUL and more: These stocks in focus after Budget 2024

NEW DELHI. The Union Budget 2024 announcements have put the spotlight on several sectors and stocks, with most experts calling it a balanced plan. Sujan Hajra, Chief Economist & Executive Director at Anand Rathi Shares and Stock Brokers, said the budget reflects a strategic "balancing act, meticulously maintaining fiscal health while vigorously pursuing economic growth"."Infrastructure, manufacturing and housing—critical engines driving the nation's long-term economic strength, are key focus areas in this budget. Parallelly, the government has, aiming to boost consumption, crafted specific initiatives especially for the weaker economic sections and lower- and middle-income classes, through a sharper focus on agriculture, employment incentives, welfare programs and tailored incometax relief," Hajra said. "As such, we believe this budget sets the stage for the next five years of the Modi 3.0 government with structural growth in focus and would be positive for consumption- and infrastructureoriented sectors," he added. Anand Rathi Shares and Stock Brokers also

highlighted some stocks that are poised to benefit from the strategic measures announced in the budget.

The brokerage firm's key picks include Astral, Crompton Greaves Consumer, Dabur, Finolex Cables, Hero MotoCorp, HG Infra, HUL, ICICI Bank, M&M, NCC, Neogen Chemicals, PNC Infra, SBI, Sagar Cements, Senco, Siemens, Shilchar Technologies, Spandana Sphoorty, Sumitomo Chemicals, Suzlon, and Ultratech."We believe equity markets will credit this government's adeptness in navigating the complex landscape of economic governance amid fiscal prudence. We believe this budget will benefit industries such as agro-chemicals, automobiles, capital goods, cement, infrastructure, FMCG, metals, retail and renewable energy,' Hajra said.

The IT sector might grapple with implications of changes to the sharebuyback policy, whereas the financial sector largely remains neutral. Further, we believe the change in the indexation norm for real estate may not impact enduser demand," he added.Disclaimer: The



views, opinions, recommendations, and suggestions expressed by experts/brokerages in this article are their own and do not reflect the views of the India Today Group. It is advisable to consult a qualified broker or financial advisor before making any actual investment or trading choices.)How will Budget 2024 impact stock markets?In addition, Hajra highlighted that the budget maintains fiscal prudence by reducing the fiscal deficit target by 20 basis points to 4.9% of FY25e GDP and

FY26.He noted that a big focus of the budget is on sectors like agriculture, education, and employment generation to drive economic advancement and inclusivity.

The anticipated boost in consumer spending, especially at the grassroots level, is expected to catalyse a sustained recovery. Income-tax relief measures for the new tax regime are designed to further stimulate consumption demand, particularly for lowerincome groups.

"The budget prioritises sectors such as agriculture, education and employment generation, broadening the base for economic advancement and ensuring inclusivity in growth trajectories. This strategy is anticipated to catalyse a sustained recovery in consumer spending, especially at the grassroots level. Further, the income-tax relief measures announced for the new tax regime could boost consumption demand, especially at the bottom of the pyramid," Sujan Hajra said.

New UK Foreign Secretary arrives in Delhi on 1st visit, free trade deal in focus

UK Foreign Secretary David Lammy has arrived in Delhi for a two-day visit to India. His visit marks the first high-level discussion between the two nations after Keir Starmer's Labour government came to power in the UK general elections.

New Delhi. UK Foreign Secretary David Lammy has arrived in New Delhi for a twoday visit to India in the first high-level discussion between the two sides after Keir Starmer's Labour government came to power in the general elections."Warm welcome to UK Foreign Secretary David Lammy as he arrives in New Delhi on his first official visit since the assumption of office. The visit will strengthen the Comprehensive Strategic Partnership between the two countries and will make the 'living bridge' between India and the UK stronger," the External Affairs Ministry tweeted. During David Lammy's visit, he will highlight the importance of the new partnership with India with a focus on economic, domestic and global security.

"I am travelling to India in my first month as Foreign Secretary because resetting our relationship with the Global South is a key part of how this government will reconnect Britain for our security and prosperity at home," David Lammy said. The longpending India-UK Free Trade Agreement (FTA) will feature in the talks between David



Lammy and External Affairs Minister S Jaishankar."India is the emerging superpower of the 21st century, the largest country in the world with 1.4 billion people and one of the fastest growing economies in the world. Our Free Trade Agreement negotiations are the floor, not the ceiling of our ambitions to unlock our shared potential and deliver growth, from Bengaluru to Birmingham. We have shared interests in the green transition, new technologies, economic security and global security,' David Lammy said. The UK Foreign Secretary will also hold high level meetings with climate and business leaders. It has been learnt that David Lammy will galvanise support for accelerated action on the climate crisis with India as an indispensable partner -

driving forward the clean energy transition and creating opportunities for British and Indian businesses.

He will discuss partnering on Indian-led global initiatives to build clean power access, climate resilience in the global south and small island states. The UK Foreign Secretary is also expected to underscore the importance of the 'Living Bridge' between the UK and India. It represents the 1.7 million people with Indian heritage that have made their home in the UK and make an exceptional contribution to British life.David Lammy will meet business leaders to highlight how the UK and India are working together on shared ambitions such as cutting-edge science to encourage innovation, boost trade, and improve the livelihoods of working people in both countries. After the India trip, the UK Foreign Secretary will travel to the ASEAN Foreign Ministers' meeting in Laos wherehe will advance UK economic partnerships and unveil new cooperation on climate and

Kanwar Yatra pilgrim dies as speeding bike hits sleeping devotees in UP

New Delhi. One Kanwar Yatra pilgrim was killed and another injured in a hit-and-run accident in Uttar Pradesh's Muzaffarnagar on Tuesday night, police said. According to police, a speeding two-wheeler hit the devotees while a group of pilgrims were sleeping on the roadside."It was found that 3 Kanwar devotees who were carrying Kanwar were tired and lay down on the side of the road and a Kanwar devotee was sitting there.



A speeding bike hit the sleeping devotee and went away," police officer Ramashish Yadav told news

In this accident, one pilgrim died and one was injured and is undergoing treatment in a hospital, he added.

Sacred Spaces: Understanding the 5 Roles of Indian Temples in the Spiritual Landscape

New Delhi: For ages, temples have formed an integral part of India's cultural and spiritual landscape. These hallowed locations fulfill several functions in the spiritual and social lives of millions of people, making them more than merely sites of worship. These are the five main functions that temples fulfill in the spiritual

Fundamentally, temples are locations where believers congregate to worship and ask for divine favors. They offer a hallowed setting for rites, prayers, and celebrations that deepen the devotee's relationship with God. While providing comfort and hope to those who attend, the everyday rites and festivals observed in

temples contribute to the care for. Guardians of Customs and Culture

An essential role of temples is to preserve India's rich



cultural legacy. They conserve art, music, dancing, architecture, and old customs that have been handed down through the ages. India's artistic ability and historical history are attested to by the elaborate designs, artwork, and paintings discovered in its temples. Temples are frequently used as locations for cultural gatherings and performances, which preserves old artistic forms.

Spiritual Learning Centers

In India, there are a lot of temples connected to spiritual learning and education. They offer spiritual assistance to seekers by hosting talks, seminars, and lectures on religious literature, philosophy, and ethics. To mold the moral and spiritual principles of education and mold the next generations of educators, temples also manage educational institutions.

Social Services and Community Hubs

Temples frequently serve as communal hubs, bringing individuals together for events both social and altruistic. They offer locations for social events like festivals and celebrations, which promote a feeling of togetherness and community. Numerous temples engage in charitable endeavors, providing the underprivileged with shelter, food, and medical attention to uphold the values of compassion and service.

What Is LBSNAA? 10 Things To Know About IAS Training That Drives India's Bureaucracy New Delhi. Heavy rainfall lashed Delhi-NCR areas

New Delhi. The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA) is once again at the center of attention, this time due to its newly implemented social media guidelines. These rules come in the wake of a controversy involving trainee IAS officer Pooja Khedkar, who recently found herself under scrutiny for her social media activities. Located in the picturesque town of Mussoorie, Uttarakhand, LBSNAA is where the future bureaucrats of India are groomed. As debates rage on about privacy, transparency, and professional conduct, it is crucial to delve into the significance of LBSNAA and the extensive training it provides to India's top civil servants. Here are ten essential aspects of LBSNAA and the

IAS training process that underline its pivotal role in shaping India's bureaucracy.

Established in 1959, LBSNAA is named after Lal Bahadur Shastri, the Training Phases serves as the premier training institution for Indian Administrative Service (IAS) officers. The academy's mission is to train civil servants in public policy and administration, instilling values of integrity, commitment, and service. **Purpose and Mission**

LBSNAA's primary objective is to equip IAS officers with the necessary skills and knowledge to manage public administration effectively. The academy focuses on fostering a deep understanding of governance, policy implementation, and public service ethics. It aims to produce officers who are not only efficient administrators but also empathetic leaders committed to public welfare.

second Prime Minister of India, and The training at LBSNAA is divided into two rigorous phases designed to prepare officers comprehensively for their roles:Phase 1: This foundational phase introduces officers to public administration, law, economics, and Indian polity.

Through a blend of classroom sessions, field visits, and hands-on training, officers are taught to navigate the complexities of governance and public service. This phase emphasizes the development of core administrative skills and a thorough understanding of the country's sociopolitical landscape.

Heavy rain lashes Delhi-NCR, more showers predicted

on Wednesday morning, bringing much-needed relief from the humid weather. The India Meteorological Department (IMD) has issued a 'yellow alert' for the national capital and its adjoining areas, indicating the possibility of more showers later in the day. A yellow alert means heavy rainfall between 6 cm and 11 cm. The maximum and minimum temperatures will likely hover around 36 and 27 degrees Celsius.

The forecast shared by IMD in a post X (formerly Twitter) includes regions such as Delhi University, Civil Lines, Kashmiri Gate, Seelampur, Shahadra, Vivek Vihar, Patel Nagar, Red Fort, Preet Vihar, Budha Jayanti Park, and President House. The Air Quality Index (AQI) of the national capital was recorded in the "good" category with a reading of 40, according to the Central Pollution Control



Board.he weather body has also predicted heavy rainfall over parts of Guiarat, Madhya Pradesh, and Maharashtra on July 24. The northwestern state of Rajasthan is likely to experience hot, humid

its weather bulletin.

NEET-UG Row: BJP, Opposition Spar After SC Verdict; NTA Faces Heat

New Delhi:The Supreme Court's verdict about the NEET-UG paper leak has put an end to the controversy officially but the verdict in its current form. The opposition said that the National Testing Agency needs to be revamped as it is not capable of conducting national-level exams in the current format. The Supreme Court, in its verdict yesterday, concluded that the paper leak took place at local level in Bihar while maintaining absence of any systemic breach. The apext court rejected the demand for holding a reexamination for over 24 lakhs students who took the NEET-UG 2024 exam.

Former Congress leader and Rajya Sabha MP Kapil Sibal said that the National Testing Agency (NTA) needs to be completely revamped, adding that the government cannot hold an All-India exam of this magnitude

under the present system. "The Supreme Court has asked the IIT Delhi to look into the matter as to how to deal the opposition in not ready to accept with these issues (paper leaks)....Why Thirumavalavan termed the verdict in every examination during this shocking. "Supreme Court direction is government there are leaks in every exam? The question is who is involved and for whose benefit are the leaks happening? Who are the people without merit who got jobs? The What Government Said National Testing Agency(NTA) needs BJP leader and Union Education to be completely revamped. You cannot hold an all-India exam of this magnitude under a present NTA system," Sibal said.He said, "The government is for everyone and it should think for every section of our youth who is sitting for this exam."Shiv Sena-UBT Rajya Sabha MP Sanjay Raut said, "Supreme Court should know what is going on in the country. Supreme Court was one last ray of hope. If that ray too is not

showing us any direction, then where will we go? Is there a pressure on the government?"VCK MP Thol. not in favour of the students who are affected by this NEET scam...The victims have to go for appeal. That is the only solution," he said.

Minister Dharmendra Pradhan said that the government is committed towards a 'zero-error' exam. Dharmendra Pradhan said, "For us, zero tolerance of any kind of breach is our priority when it comes to exams for students, be it for higher education or jobs. So, the Modi government has brought into effect a strict law like the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act....Presenting our side before the Supreme.

A 'yellow' warning of heavy rains at isolated places has also been issued throughout Himachal Pradesh for the next four days till July 27. Meanwhile, in Chandigarh and Punjab, the IMD has predicted "above normal" temperatures with high humidity in the next two days. The weather bulletin predicted light to moderate rainfall in other parts of north and south Odisha over the next two days, with similar conditions expected on July 25 and 26. The weather body has also predicted heavy to very heavy rainfall in the North Goa and South Goa districts from July 24 to 25.

weather until tomorrow.In northeastern India,

"fairly widespread light to moderate rainfall" is

predicted over the next five days, the IMD said in

Will March To Delhi," Say Farmers After Meeting Rahul Gandhi At Parliament

Sources said the farmer leaders have asked Rahul Gandhi to introduce a private member's bill to fulfill a long-standing demand - recalculation of MSP.

New Delhi: Farmers pushing the government to revamp the MSP, or minimum support price, policy met Congress MP Rahul Gandhi inside the Parliament complex Wednesday morning.Mr Gandhi, who is also Leader of the Opposition in the Lok Sabha, met a delegation of 12 farmer leaders from Punjab, Haryana, Uttar Pradesh,

Telangana, Tamil Nadu, and Karnataka. Senior Congress leaders KC Venugopal and Deepender Singh Hooda were also part of the meeting, as were MPs Amarinder Singh Raja Warring and Sukhjinder Singh Randhawa. There was confusion before the meeting as the farmers were not allowed inside. "We invited them... but they are not allowing them inside Parliament. They are farmers, maybe this is why..." Mr Gandhi said."...you will have to ask the Prime Minister the reason for this..." Rahul Gandhi will raise the voice of

farmers inside Parliament..." Mr Warring told NDTV after the meeting. On reports the farmers are planning another march on Delhi, he said, "They have all rights to come to Delhi and protest (and) if a private member's bill is required then we will bring that too."One of the farmers, Jagjit Singh Dallewal, said the government had failed, so far, to fulfill assurances. "Swaminathan report implementation is a must. We will

continue march towards Delhi..." he told. Earlier, sources said the farmers spoke to Mr Gandhi about issues in their respective states, and also asked him to



introduce a private member's bill to fulfill long-standing demands - to revise MSP and ensure legal backing. These demands have been at the core of their protests since it began in 2020.Farmer unions across the country want the MSP - a purchase guarantee set by the government to protect agriculturists from

steep fall in crop prices - to be based on the Swaminathan Commission's C2+50 formula, which factors in cost of capital and land rent when calculating support

The government, however, is reluctant to drop the existing A2+FL+50 per cent method. Apart from changing the formula, farmers also want legal backing for this purchase price; at present the government is not obliged to buy, for example, 10 per cent of a paddy crop at the floor price.In 2020/21 lakhs of farmers gathered to march on Delhi, prompting the government to set up warzone like defence measures around the national capital. The 'farmer army' complete with tractors and supplies for a months-long siege - was held to makeshift camps blocking key roads into the city. The furore over the protests also made international headlines and sparked bitter fights between the ruling Bharatiya Janata Party and the opposition, led by Mr Gandhi's Congress.

Thursday, 25 July 2024

Donald Trump to meet Israeli Prime Minister Netanyahu in Florida on Friday

Washington Republican presidential candidate and former US president Donald Trump on Tuesday said he would meet Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu at his Mar-a-Lago residence in Florida on Friday.

Netanyahu is in Washington and will on Wednesday address a joint session of the US Congress, the only foreign leader to do so for a fourth time. He would also meet with President Joe Biden at the White House on Thursday."At the request of Bibi Netanyahu, we have switched this meeting to Friday, July 26 at Mar-a-Lago in Palm Beach, Florida!" Trump said."Looking forward to welcoming Bibi Netanyahu at Mar-a-Lago in Palm Beach, Florida, on Thursday (July 25)", he had earlier said in a post of Truth Social, a social media platform.

During my first term, we had Peace and Stability in the Region, even signing the historic Abraham Accords -And we will have it again", he said. This would be his first meeting with a foreign head of state after becoming the Republican presidential nominee on July 18. On July 19, he had a phone call with the Ukrainian president."Just as I have said in discussions with President Zelensky and other World Leaders in recent weeks, my PEACE THROUGH STRENGTH Agenda will demonstrate to the World that these horrible, deadly Wars, and violent Conflicts must end. Millions are dying, and Kamala Harris is in no way capable of stopping it",

Kamala Harris's presidential campaign raises \$100 million in 'historic haul'

Washington. Vice President Kamala Harris, who is now the presumptive presidential nominee of the Democratic Party, has raised an unprecedented \$100 million from more than 1.1 million people for her presidential campaign, reflecting the groundswell of support in her favour."Team Harris raised more than \$100 million between Sunday afternoon and Monday evening, now boasting more than 1.1 million unique donors since Sunday, with 62 per cent of them being first-time donors. This haul reflects money raised across the campaign, Democratic National Committee, and joint fundraising committees", the Harris Campaign said on Tuesday afternoon. "On top of that, Team Harris raised \$81 million in its first 24 hours, adding to the existing near quarter-of-a-billion dollar war chest already amassed this election cycle. With this historic haul, Harris for President saw the highest 24-hour raise of any candidate in history with over 888,000 grassroots donors making donations", it said."There is a groundswell behind Kamala Harris, and convicted felon Donald Trump knows his divisive, unpopular agenda can't stand up to the vice president's record and vision for the American people", the campaign said, according to which more than 30,000 new volunteers have signed up for the campaign.

Biden returns to White House after testing negative for Covid

Washington US President Joe Biden returned to the White House on Tuesday, after days of self-isolation at his Delaware House, with his doctors saying that his symptoms of Covid-19 have been resolved."I am feeling well," Biden said when asked how he is feeling. The President took a Binax rapid antigen test and is negative, Dr Kevin O'Connor, Physician to the White House said in a memorandum to the White House Press Secretary.Biden's "symptoms have resolved", he said.

He did not respond to shouted questions about why he dropped out of the race and whether his deputy Vice President Kamala Harris could beat the Republican presidential nominee Donald Trump.

During his quarantine period, the 81-year-old President sent political shockwaves around the country on Sunday with a post on social media announcing that he was not accepting the Democratic nomination.

He added that he would "focus all his energies on his duties as president for the remainder of his term" and offered his full support and endorsement to his vice president, Kamala Harris, as his choice to replace him on the ticket. The announcement came after mounting pressure about Biden's age and ability to take on Republican rival Trump.Biden tested positive for Covid-19 while campaigning in Las Vegas on Wednesday and had been isolated at his Delaware home since."The President's symptoms have been resolved. Over the course of his infection, he never manifested a fever, and his vital signs remained normal, including pulse oximetry. His lungs remained clear," said O'Connor.sting is negative. He will continue to be monitored for any recurrence of illness. The President continues to perform all of his presidential duties. As always, I will continue to keep your office updated with any changes in his condition or treatment plan,' he

US elections: Republican leaders urge colleagues to steer clear of racist, sexist attacks on Harris

WASHINGTON. Republican leaders are warning party members against using overtly racist and sexist attacks against Vice President Kamala Harris, as they and former President Donald Trump's campaign scramble to adjust to the reality of a new Democratic rival less than four months before Election Day.At a closed-door meeting of House Republicans on Tuesday, National Republican Congressional Committee chairman Richard Hudson, R-N.C., urged lawmakers to stick to criticising Harris for her role in Biden-Harris administration policies. "This election will be about policies and not personalities," House Speaker Mike Johnson told reporters after the meeting. "This is not personal with regard to Kamala Harris," he added, "and her ethnicity or her gender have nothing to do with this whatsoever."The warnings point to the new risks for Republicans in running against a Democrat who would become the first woman, first Black woman and first person of South Asian decent to win the White House.Trump, in particular, has a history of racist and misogynistic attacks that could turn off key groups of swing voters, including suburban women, as well as voters of colour and younger people Trump's campaign has been courting. The admonitions came after some members and Trump allies began to cast Harris, a former district attorney, attorney general and senator, as a "DEI" hire—a reference to diversity, equity and inclusion initiatives.

US man involved in 2021 Capitol riot charged with fleeing to Ireland to avoid jail

UPDATED. A Wisconsin man fled to Ireland and sought asylum to avoid a prison sentence for joining a mob's attack on the US Capitol over three years ago, federal authorities allege in a court filing on Tuesday. The filing charges Paul Kovacik with defying a court order to surrender and serve three months behind bars for participating in the January 6, 2021, riot at the Capitol.Kovacik, 56, was arrested last month after he voluntarily returned to the US from Ireland. Kovacik is serving his sentence at a federal prison in Chicago and is scheduled to be released from prison on September 8. But a conviction on the new misdemeanour charge could lead to more time behind bars.Kovacik told authorities that he decided to withdraw his asylum claim and return to the US because he felt homesick, according to a US Marshals Service deputy's affidavit.

The FBI initially arrested Kovacik in June 2022. A year later, US District Judge Reggie Walton sentenced Kovacik after he pleaded guilty to a misdemeanour



charge of parading, demonstrating or picketing in a Capitol building.

Kovacik took videos of rioters' damage as he moved through the Capitol on January 6. He later uploaded his footage onto his YouTube channel, with titles such as "Treason Against the United States is about to be committed", according to prosecutors. They said Kovacik's criminal record included 24 prior convictions. Walton initially ordered Kovacik to report to prison on August 22, 2023, but the judge agreed to extend that

Kovacik requested more time for his seasonal employment at a theme park in Georgia. The court issued a warrant for Kovacik's arrest after he flew to Dublin, Ireland, through Germany on the day that he was supposed to report to prison in Chicago.Kovacik called himself a "political prisoner" when investigators questioned him after his arrest last month at an arrival gate at Minneapolis-Saint Paul International Airport, according to the deputy's affidavit.Inside his luggage, authorities found documents related to his asylum request, which cited a fear of political persecution, the deputy wrote. The affidavit doesn't say whether the Irish government acted on Kovacik's request.An attorney who represented Kovacik in his Capitol riot case declined to comment on the new charge. More than 1,400 people have been charged with federal crimes related to the January 6 attack. Several other Capitol riot defendants have become fugitives at different stages of their prosecutions.

Taiwan on alert as typhoon Gaemi approaches; flights cancelled, offices shut

Wednesday ahead of the arrival of Typhoon Gaemi, with financial markets closed, people given the day off work, flights cancelled, and the military put on stand-by amid forecasts of torrential rain and strong winds. Gaemi, the first typhoon of the season to affect Taiwan, is expected to make landfall on the northeast coast early evening on Wednesday, according to the island's Central Weather Administration.Currently categorised as a medium-strength typhoon by Taiwan, it is then likely to move across the Taiwan Strait and then hit the southeastern Chinese province of Fujian late afternoon Friday.In rural Yilan county, where the typhoon will first hit land, wind and rain gathered strength, shutting breakfast eateries and roads mostly emptied."This could be the biggest typhoon in recent years," fishing boat captain Hung Chun told Reuters, adding Yilan's Suao harbour was packed with boats seeking shelter."It's charging directly towards the east coast and if it makes landfall here the damage would be enormous."Work and school are



suspended across Taiwan, with the streets of capital Taipei almost deserted during what is normally rush hour amid squally rain.

he transport ministry said almost all domestic flights had been cancelled, along with 201 international flights.

All rail operations will stop from midday (0400GMT), but the high speed rail services connecting northern and southern Taiwan will continue to operate, it added. However, TSMC (2330.TW), the world's largest contract chipmaker and a major supplier to Apple (AAPL.O), said it operated its footogies to maintain expected its factories to maintain normal production during the typhoon, adding it had activated routine preparation procedures.SOLDIERS

Some mountainous central and southern Taiwan counties are expected to see total rainfall of up to 1,800 mm (70 inches) during the typhoon, the weather administration said.More than 2,000 people have been evacuated from sparsely populated mountain areas, the government said, which are at high risk of landslides from the "extremely torrential rain". Taiwan's defence ministry said it was ready to assist with disaster relief and had put 29,000 soldiers on stand-by. While the typhoon has severely curtailed this year's annual Han Kuang war games they have not been cancelled, with live fire drills taking place as scheduled on the Penghu islands in the Taiwan Strait on Wednesday morning. The typhoon is forecast to make landfall in China's Fujian late Thursday.Gaemi, with a cloud system spanning the Western Pacific, northern Philippines and parts of the South China Sea, is expected then to turn north, bringing rain to provinces such as Hubei, Henan and

Death toll from landslides jumps to 229 in Ethiopia: Officials

The death toll from two landslides in southern Ethiopia has jumped to 229 and could rise further as the search for survivors and casualties continued into a second day, a government official said on Tuesday. Following heavy rain a landslide buried people in Gofa zone in Southern Ethiopia regional state on Sunday night, then a second one engulfed others who had gathered to help on Monday morning."I don't know when it will stop. We are still recovering bodies," Markos Melese, head of the National Disaster Response agency in Gofa Zone, told Reuters by phone."We are still digging."On Monday, an official said at least 50 people had died and children and police officers were among the dead. Footage shared by the local administration showed people digging up bodies with shovels and bare hands."The death toll surged after the people who came to rescue also got trapped," said Gofa district administrator Misikir Mitiku. "It is a very sad incident." Prime Minister Abiy Ahmed said he was deeply saddened by the terrible loss of life, and that federal officials had been deployed to reduce the impact of the disaster."We stand in strong solidarity with the



people and Government of Ethiopia as rescue efforts continue to find the missing and assist the displaced," African Union chairperson Moussa Faki Mahamat wrote on the social media platform X.The head of the World Health Organization Tedros Adhanom Ghebreyesus, who is Ethiopian, said he was thinking of all the families affected and that a WHO team had been sent to support immediate health needs.

"As the region continues to face the harsh impacts of climate change, we urge everyone to stay vigilant and follow safety protocols to protect lives and prevent further tragedies," said Workneh Gebeyehu, executive secretary of the Intergovernmental Authority on Development, a regional bloc.

Officers left post to go look for Trump rally gunman before shooting, state police boss says

Trump left to go search for the man before the shooting, the head of Pennsylvania State Police said Tuesday, raising questions about whether a key post was left unattended as the shooter climbed onto a roof.Pennsylvania State Police Col. Christopher Paris told a congressional committee that two Butler County Emergency Services Unit officers were stationed at a second-floor window in the complex of buildings that form AGR International Inc. They spotted Thomas Matthew Crooks acting suspiciously on the ground and left their post to look for him along with other law enforcement officers, he said.Paris said he didn't know

by a lawmaker who visited the shooting site on Monday shows a second-story window of the building had a clear view of the roof where Crooks opened fire; it was unclear if the video showed the window where the officers had been stationed. The Pennsylvania State Police commissioner's testimony before the House Homeland Security Committee provides new insight into security preparations for the Trump rally in Butler, Pennsylvania, on July 13, but raises further questions about law enforcement's decisions before Crooks opened fire.Butler County District Attorney Richard Goldinger, who oversees the emergency services

WASHINGTON. Two local law enforcement officers stationed in the complex of buildings where a gunman opened fire at former President Donald whether officers would have been able to see Crooks climbing onto the roof of an adjacent building had they remained at the window. A video taken opened fire at former President Donald opened questions from the AP, including who gave the command for those officers to leave their post. The revelation comes amid growing questions about a multitude of security failures that allowed the 20-year-old gunman to get onto the roof and fire eight shots with an AR-style rifle into the crowd shortly after Trump began speaking. One spectator was killed and two others were injured. Trump suffered an ear injury but was not seriously hurt.Secret Service Director Kimberly Cheatle resigned earlier Tuesday, a day after she was berated for hours by Democrats and Republicans over the agency's failure to protect the Republican presidential nominee.

3,000 migrants travel in caravans to US border, undeterred by crackdown

About 3,000 people carrying bags, water and small children trod through intense heat along a highway in southern Mexico, travelling in two groups aiming to

Washington. About 3,000 people carrying bags, water and small children trod through intense heat along a highway in southern Mexico on Tuesday, travelling in two groups aiming to reach the US border.

Over the past week, migrants have launched two caravans - large groups of people walking together - bound for the United States. In the past such caravans have stirred intense debate in the United States, where immigration is likely to be a key topic ahead of the November 5



presidential election."Whoever is (in charge of the US government), we will The caravans are often a lifeline for those continue the fight to be there," said Leivi Galvna, a migrant from Honduras. "We have to fight for our dream."As they walked, the group shouted phrases like "yes we can," while pushing worn-out strollers.In recent years, caravans have been a means for tens of thousands of migrants to cross Mexico, often as a safety measure amid reports that The Security Ministry in Chiapas, Mexico's robberies, rapes and kidnappings of

migrants are common.

who cannot afford to pay a smuggler or human trafficker for a "safer" journey.

"I travel more safely in a caravan, I don't want to be killed in Mexico," said Yoisy, a Venezuelan migrant who tired of waiting for an appointment through the US Customs and Border Protection CBP One platform to apply for asylum.

southernmost state, bordering Guatemala,

told Reuters there were between 2,500 and 3,000 people in the caravan and most were Venezuelans. Another local government source said there had been a significant increase in the number of children in recent caravans.

In June, when the Biden administration early in the month implemented a policy prohibiting migrants caught crossing the US-Mexico border illegally from applying for asylum, the daily average of arrests ranged between 2,500 and 3,000 migrants per day for a week, a huge decline from prior months.

But thousands of migrants continue to take a shot at seeking asylum in the United States with the hope of leaving behind insecurity, poverty and other problems in their home countries.

Jose Maria Garcia, director of the Juventud 2000 migrant shelter in Tijuana, said he did not know to which border town the caravans were headed, but said the uncertain outcome of the upcoming US elections could be a motivating catalyst.

The migrant community is very confused," he said, of how migrants view the future of US immigration policy.

Thursday, 25 July 2024

Paris Olympics 2024: India wants to win medal for PR Sreejesh, says Harmanpreet Singh

New Delhi. Indian men's hockey team captain Harmanpreet Singh has said that the team wants to dedicate their Paris Olympics 2024 campaign to retiring goalkeeper PR Sreejesh and win a medal for him. Sreejeh, who has been one of India's best goalkeepers of all time, decided to bring down the curtains on his playing career after the event in Paris. The 36-year-old had played a pivotal role in India's bronze medal win at Tokyo.

Sreejesh had initially suggested he could play well beyond the Paris Olympics but then went on to announce his decision before the games started. Harmanpreet, who is set for his third Olympics alongside Sreejesh, penned an emotional message for the India goalkeeper on his Instagram account. The India captain said that Sreejesh has been an inspiration to the team. Harmanpreet also remembered the 2016 Jr. men's World Cup where Sreejesh served as a mentor to the team and helped them lift the title.

Harmanpreet said that the team wants to 'win it for Sreejesh' and they're more encouraged to stand on the podium once again at the Olympics." Paris 2024 will indeed be a special tournament. We have decided to dedicate our campaign to the legend PR Sreejesh. He has been an inspiration for all of us and I still remember his mentorship in 2016 Junior World Cup when we lifted the title. It was the beginning of many of our careers in International hockey. We want to 'Win it for Sreejesh' and we are all the more encouraged to stand on the podium once again.'

What Sreejesh said about his retirement

Sreejesh opened up about his retirement on social media and said he looks back at his career with immense pride and his journey has been nothing short of extraordinary.

'As I prepare for my last dance in Paris, I look back with immense pride and forward with hope. This journey has been nothing short of extraordinary, and I am forever grateful for the love and support from my family, teammates, coaches, and fans.

Eoin Morgan denies reports of becoming next England whiteball coach

New Delhi Former England captain Eoin Morgan has denied reports suggesting that he could replace Matthew Mott as the next white-ball coach on July 23, Tuesday. England's defence of both their world titles ended in poor fashion as they had a horrendous campaign in India last year during the ODI World Cup. This was followed by a semi-final exit at the hands of India in the T20 World Cup 2024, as the pressure has started to mount on Mott.Reports in the British media has suggested that Mott would leave the post and England have started to sound out to possible candidates. Morgan has been one of the names linked with the job, but quickly dismissed the suggestions. Speaking to Sky Sports, while commentating for the Hundred, Morgan said that it was actually news to him.

'This news is actually news to me," he said. "It's obviously not nice when a coach comes under fire and there is a lot of speculation about his future, but only time will tell what

will happen." I want to coach down the line

Morgan admitted that he would want to coach the team down the line, but the timing at the moment is correct one. The former England captain said that he has a young family at the moment and wants to spend time with them. Morgan also said that he is enjoying his commentary duty as well.

"I've been asked a lot [in the media] over the past couple of months about the role, and if I would take it on," Morgan said. "My answer has simply been that the timing for everything in my life at the moment is not right. Yes, I want to coach down the line. But I have a young family, and I spend a lot more time at home and watching cricket doing this [commentary]. I'm absolutely loving what I'm doing," said Morgan.

England pacer Jofra Archer sets sights on playing in the next Ashes series

New Delhi. England pacer Jofra Archer is aiming to play in the next edition of the Ashes and claimed he would use the rest of the current year to proving people wrong. Archer has made a slow and steady return to the field after struggling with a lot of injury setbacks over the past few years. The pacer has returned to T20 cricket, but is yet to make it to the longer formats. Recently, Ben Stokes said that Archer won't be rushed back into the longest format of the game. Speaking to BBC in an interview, Archer said that he wants to use the rest of 2024 to make sure making it to the Ashes series will remain a possibility. The pacer said he is tired of seeing people make fun of him on social media with regards to his fitness and want to prove everyone wrong."I am going to use the rest of this year to make sure that is at least a possibility. I'm tired of going on Instagram and seeing posts saying 'he's going to be on the physio's bed in the next two weeks' and stuff like that. I want to spend the rest of the year proving some people wrong and hopefully play in another Ashes," said Archer.Archer said that he aims to manage himself as best as poosible and get through until the start of the Championship next year. The pacer plans to use those games and keep building up towards his return to Tests."I will manage myself as best as possible and get myself [through] until at least maybe the start of the Championship next year.

Asia Cup 2024: Smriti Mandhana gifted 'token of love' statue by Nepal captain

Women's Asia Cup 2024: India batting star Smriti Mandhana was gifted a special Buddha statue by Nepal cricket team after their game in Dambulla on Tuesday. Smriti also agreed to pose for photographs with the Nepal players after India's 82-run victory.

Dambulla. Nepal captain Indu Barma came up with a heart-warming gesture after their Women's Asia Cup 2024 match against India, gifting stand-in captain Smriti Mandhana a special Buddha statue. The 'token of love' was handed over to Smriti Mandhana during the post-match presentation ceremony in Dambulla, Sri Lanka on Tuesday, July 23.

India defeated Nepal in a one-sided contest in



their final Group A match to seal a spot in the semi-finals of the Women's Asia Cup. While it was intense on the field, India and Nepal players kept it light off it. Smriti Mandhana and Indu Barma went on to pose for a photograph with the former flaunting the special gift from the Nepal cricket team. Soon after the post-match formalities,

young Nepal cricket team players did not miss an opportunity to get photos clicked with Smriti Mandhana. The Indian batting star took time out to pose with every player, who requested a photograph with her.India ended the group stage of the Women's Asia Cup in a dominant fashion, winning all three

tournament opener, India went on to beat the UAE and Nepal.

Smriti Mandhana led the team against Nepal after Harmanpreet Kaur was rested for the match. India were in the mood to experiment with their batting order as stand-in captain Smriti decided against opening the batting.Shafali Verma made t special by hammering 81 off just 48 balls, hitting 12 boundaries and a six. She stitched a 122-run opening stand in just 84 balls with Dayalan Hemalatha, who made 47 off 42 balls.Jemimah Rodrigues, batting at No. 4, chipped in with a 15-ball 28 as India posted 178 for 3 on the board.

In reply, Nepal managed only 96 for 9 in their quota of 20 overs. Only four of their batters got to double-digit scores as the Indian spinners spun a web around them. Deepti Sharma continued her fine form in the Asia Cup, picking another three-wicket haul while Radha

Yadav and Arundhati Reddy chipped in with 2 wickets.

India and Pakistan qualified for the semifinals from Group A. While Pakistan are likely to face Sri Lanka in the semi-final, India might face either Bangladesh or

'Don't see any problem between Virat Kohli and Gautam Gambhir': Ashish Nehra

New Delhi Former India pacer Ashish Nehra has claimed that he doesn't see any problem between Virat Kohli and Gautam Gambhir as they will start sharing the dressing room once again. Gambhir will be taking over as the India coach from the Sri Lanka tour, where Kohli would be part of the ODI squad. Both men have had on-field spats during the IPL, but seemed to have buried the hatchet during the 2024 season as they were seen having warm conversations.Gambhir had shutdown the chatter about his

equation with Kohli during his first press conference and Nehra feels there will be no animosity between the two inside the dressing room. Speaking to India Today's sister channel Sports Tak, the former pacer said that both men are very passionate individuals. Nehra feels that once both of them come into the Indian dressing room, they will be united for the team's



cause."Virat Kohli and Gautam Gambhir are two very passionate individuals. Whenever they play for a team, they can turn up against the opposition. But, when they are together in a dressing room, they are together, united for the team. You're talking about Virat Kohli, who has an experience of over 16-17 years, Gautam Gambhir is also experienced. The things on

impression about it. It's not just Gambhir and Kohli, there are so many players who have had on-field spats in the past, but when they play together for a team, they have done well as a player, as a coach-captain, as a coach and senior player," said Nehra. Gambhir is upfront,

Nehra also said that Gambhir is always upfront and transparent and speaks his mind all the time.

'Gautam Gambhir is upfront, transparent which is great. He keeps it clear and speaks his mind. That's very important. Yes, I agree,

everybody has their own style (of coaching), to operate with the coach, captain and player. I don't see any problem with these two and where they are in their careers," said Nehra.India will start the tour of Sri Lanka on July 27 with the T20I series. Kohli will be expected to join the squad before the ODI series begins on August 2.

'Don't think Chelsea will have any problems when Enzo Fernandez is back': Maresca

New Delhi Chelsea manager Enzo Maresca isn't expecting any issues within the squad once Enzo Fernandez links up with them following the racism row after Argentina's Copa America 2024 win. Fernandez was seen on his Instagram live for singing an offensive racist song directed at French players and their African roots. Chelsea defender Wesley Fofana would go on to accuse his teammate of uninhibited racism. Fernandez would go on to apologise for his actions and all reached out to his teammates to express his regrets over the incident. The midfielder will now join the team ahead of the pre-season and face his teammates for the first time since the incident. Chelsea boss Maresca is, however, expecting the midfielder to be welcomed back with no issues and said there will be no issues amongst the squad."I don't think so to be honest. At the end, they are all human beings. There is no bad intention from any one of them. I don't think when Enzo is back, we will have any problems. The player and club clarified the situation."It's great the player did the statement to apologise. The club did the same. There is not something to add to the situation. It's clear and clarified,'



said Maresca.

Hope everyone will be on same page

Chelsea captain Reece James commented on the matter as well and said he had spoken to Fernandez and the people affected about the matter and it would stay within the club. The Blues skipper is also hoping that everyone will be on the same page and everyone can move on from the situation."It's obviously a really difficult situation. I think Enzo (Fernandez) quickly acknowledged he did wrong, put his hand up and apologised to the club, the team and the people offended.""I have spoken to Enzo and everyone involved but those conversations have to stay in house. He hasn't arrived yet so I don't know if there is anything to amend. I hope everyone will be on the same page and we can move on from the situation," said James.Chelsea will face Wrexham at the Levi's stadium on July 25, Thursday in their first pre-season game in the

Paris Olympics 2024, football: New Zealand report Canada to IOC after drone incident

New Zealand has raised a complaint about Canada to the international Olympic Committee after the women's football team's training was disrupted by a drone. The drone operator was found to be a member of the Canada women's fooball team.

New Delhi New Zealand's Olympic Committee (NZOC) reported that their women's soccer team experienced a disruption during a training session due to a drone operated by a staff member from the Canadian team, whom they are set to play against in Group A on Thursday. The NZOC promptly reported the incident to the International Olympic Committee's (IOC) integrity unit. The NZOC said that a drone



was flown over the training session on July 22 and the incident was immediately reported to the police. This was followed by the detention of a support member of the Canada team, who was the operator of the drone."On July 22, a drone was flown over the New Zealand women's football team training session in St Etienne," the NZOC said on Tuesday. "Team support members immediately reported the incident to police, leading to the drone operator, who has been identified as a support staff member of the

wider Canadian Women's football team, to be detained."Following this, Team Canada issued an apology and launched an investigation into the matter. The Canadian Olympic Committee acknowledged the incident, specifying that it involved "a non-accredited member of the Canada Soccer support team." They stated that they are currently "reviewing next steps with the IOC, Paris 2024, Canada Soccer, and FIFA.In a statement they released, the Canadian Olympic Committee said they stand for fair-play and are shocked and

disappointed with what has happened."The Canadian Olympic Committee stands for fair-play and we are shocked and disappointed. We offer our heartfelt apologies to New Zealand Football, to all the players affected and to the New Zealand Olympic Committee," they said in a statement. Canada and New Zealand will lock horns during the Olympics on July 25 in their opening match. Both teams are in Group A, which also has

I am not surprised: Ashish Nehra reacts to Hardik Pandya T201 captaincy snub

New Delhi Former India fast bowler and Gujarat Titans head coach Ashish Nehra said he was not surprised by the Indian management's decision not to appoint Hardik Pandya as the new T20I captain. Nehra said he understood the thought process of chief selector Ajit Agarkar and newly-appointed coach Gautam Gambhir in newly-appointed coach Galtram Gambnir in picking Suryakumar Yadav as the new T20I skipper.Hardik Pandya, who led India in T20is in 2023, was Rohit Sharma's deputy in the victorious World Cup campaign in June in the USA and the West Indies. While Hardik was expected to replace Rohit as T20I cantain after the latter retired from the T20I captain after the latter retired from the format, the BCCI announced Suryakumar as the new T20I captain for the upcoming threematch series in Sri Lanka. Ajit Agarkar, speaking to the press on Monday, said that the team management wanted Hardik Pandya to focus on his fitness and backed Suryakumar to shine in his new role. The former fast bowler pointed fingers at

Hardik's recurring injury concerns that have put him on the sidelines frequently over the last four to five years. No, I am not surprised. When it comes to cricket, these things keep happening. Yes, Hardik Pandya was vice-captain in the World Cup, but at the same captain in the World Cup, but at the same time, there is a new coach who has come in. Every coach and every captain have different thoughts. At this time, his (Gambhir's) ideas are toward that direction," Nehra told India Today's sister channel SportsTak."I think Ajit Agarkar and Gautam Gambhir have made it clear that's good. He Gambhir have made it clear, that's good. He is playing one format, 50-over also, he is playing less. Hardik Pandya, in white-ball cricket, will remain a very, very important player for Indian cricket. When you have him, you can have 4 fast bowlers, he brings in a different balance to the side and keep in mind, that there's no impact player in international cricket. Not just Hardik Pandya, but when you have so many matches, there will be changes. Even



Rishabh Pant has captained, KL Rahul has captained," he added.

COACH NEHRA THRILLED FOR **SHUBMAN GILL**

Notably, Hardik Pandya tasted success in his first assignment as the captain of an Indian Premier League (IPL) franchise in 2022 at Gujarat Titans. He formed a good working relationship with Titans' coach Nehra. The two oversaw GT's run to glory in IPL 2022 and the team also reached the final of IPL in 2023.Meanwhile, Ashish Nehra also

welcomed the decision to appoint Shubman Gill as the vice-captain in both T20Is and ODis, saying the Gujarat Titans captain will only improve with experience across all three formats. Nehra and Gill worked together as the captain and coach for the Titans in 2024."They have made Shubman Gill in not just one format, but in all three formats. That means you are looking ahead.

Shubman Gill is a work in progress. He is 24-25 years old now. He will get better as we go ahead. He has the desire to play all 3 formats, he has the heart to learn. He is not someone who thinks that whatever he is doing is right. He is not that kind of guy. Be it a youngster or an experienced player, he likes to have a discussion and learn," he said. Team India arrived in Sri Lanka on Monday and began training for the upcoming T20I series, starting July 27, on Tuesday. Coach Gambhir and captain Suryakumar oversaw their first training session together in Pallekele.

Kajol Has Wrapped Up Major Stunt Scenes in Maharagni, Reveals Samyuktha: 'Action Done By Us'



18 years after starting her acting career, south actor Samyuktha is all set to make her Bollywood debut with Maharagni: Queen Of Queens, which also marks Kajol and Prabhu Deva's onscreen reunion 27 years after Minsara Kanavu (also known as Sapnay in Hindi). The teaser of Maharagni featured Kajol in a never-seen-before-action avatar beating up bad guys and making an entry like a quintessential and larger-than-life south hero. The film will also see Samyuktha pack some solid punches. Sharing an update on Maharagni, Samyuktha exclusively tells News18 Showsha, "We've been shooting part-bypart. They've wrapped up a schedule that included major portions of Kajol ma'am's action sequences. Another schedule that included my introduction and some car chase sequences featuring me have also been wrapped. We had a blast! They got an action director from abroad and the way they planned everything was wonderful. I feel so grateful.'

While 95 percent of the film shoot is still pending, Samyuktha is thrilled that she already got the opportunity to film some scenes with Kajol and Naseeruddin Shah. So, was she nervous about the same? "If your co-stars are cool, good to talk to and ready to strike up conversations, it's always nice. We had a photoshoot with all three of us and it was really fun!" she says. The Bheemla Nayak and Vaathi actor lauds her senior co-actors for putting in the effort to make her feel comfortable. Sharing an anecdote, she remarks, "With Naseeruddin sir, I felt like I was interacting with my own grandfather (laughs). During the shoot, he was to hold a glass of wine and he began explaining to me how 'daaru' actually means medicine. Since he was freely talking to me, I could be myself. It was only when I took a step back and took a moment that I realised where I'm and who I was working with."She further adds, "Kajol ma'am was helping me on the side with cues when I was shooting for my close-ups. It was really lovely of her. I was tense not because of them but because I wanted to get my Hindi dialect right. They've a lot of experience and I didn't want to give them that impression that I'm not prepared. I don't know how but I pulled it off eventually."

Many Moods' Of Vicky Kaushal, Triptii Dimri and Ammy Virk. Courtesy: Neha Dhupia



Starring Vicky Kaushal, Triptii Dimri and Ammy Virk, Bad Newz continues to win the audience's hearts for its fresh twist to the rom-com genre. Besides the lead trio, the film also has Neha Dhupia playing a pivotal role. The actress has now given her fans a sneak peek into some precious moments with the star cast of the film. In an Instagram post, she attached some pictures from the sets, emphasising the 'many moods' of its cast and crew. The heartwarming carousel opens with a never-before-seen image of Neha Dhupia along with Vicky Kaushal, Triptii Dimri and Ammy Virk. Posing against a picturesque background, the talented stars radiated joy. It is followed by a selfie wherein all four were joined by the director of the film, Anand Tiwari. A few pictures also showcase the camaraderie between Neha and Triptii as the actresses flash bright smiles for some endearing clicks. Next, we can also see Neha indulging in a chat with the director Anand. Additionally, a bunch of selfies offering a glimpse of the joyous time during the shoot have been added to the post.

Previously, Neha Dhupia dropped a fun BTS video on Instagram accompanied by a short note that read, "It's never not fun with this crazy bunch #maacorona ki kasam mazaa aa gaya.'

Bad Newz is a humorous twist from regular rom-

com films, exploring an off-beat storyline around a rare medical condition. It delves into the life of a woman who finds out that she's expecting twins from two different fathers, portrayed by Kaushal and Virk, in a rare case of heteropaternal superfecundation. Produced by Amritpal Singh Bindra, Apoorva Mehta and Karan Johar's Dharma Productions, Bad Newz is a sequel to 2019 released Good Newwz. Starring Kareena Kapoor Khan, Akshay Kumar, Kiara Advani and Diljit Dosanjh in the lead roles, the film emerged as a blockbuster at the box-office. Coming back to Bad Newz and its box-office performance, the film amassed nearly Rs 30 crore within three days of its release and continues to perform well.



Telugu actor Jr NTR and Janhvi Kapoor are all set to showcase their magical chemistry for the first time on screen in their upcoming film Devara: Part 1. In the latest update, the latter has hinted that she will be shooting another song with Jr NTR and she is very excited about the song.Bollywood star Janhvi Kapoor, who is gearing up for her Telugu debut with star Jr NTR, recently said that she is looking forward to shooting another song with the actor. She was asked if she would rather act with Amitabh Bachchan or do a dance number with Hrithik Roshan or Vicky Kaushal.

The Dhadak actress said in an interview with Mashable India, "I just shot a song with Jr NTR sir and I can't wait to shoot our next song together. I will choose that; I want to dance with Jr NTR."For the unversed, the duo reportedly shot the first song of the film in Thailand. Earlier, Janhvi had spoken at length about her role in Koratala Siva's Devara during the promotions of her film Mr &

Talking about her role, she said that it was very entertaining. Janhvi also revealed that she had a great time on the sets and was overwhelmed to see people doing their work with love, conviction and passion. The actress also said that she feels lucky

to have got this opportunity. The upcoming film Devara: Part 1, starring Jr NTR and Janhvi

Kapoor in the lead roles, is directed by Koratala Siva. It will be the first part of a two-part film series. The action film stars Bollywood actor Saif Ali Khan in the lead role of the antagonist. Devara: Part 1 also features brilliant actors like Prakash Raj, Srikanth, Shine Tom Chacko, Narain and many others in pivotal roles. The song was originally scheduled to release on May 19 but was postponed to September 27, due to the general elections and upcoming post

Kartik Aaryan

Signs 'Pati Patni Aur Woh 2' As He Makes A Comedy Comeback? Here's What We Know

Kartik Aaryan continues to captivate audiences with his diverse film choices, showcasing his versatility as an actor in the industry. Following the praise for his recent hit, Chandu Champion, where his performance impressed many, he is now set to embark on a project that holds personal significance for him. Fans can anticipate his return to the comedy genre, as Kartik has greenlit the sequel to the 2019 smash hit Pati Patni Aur Woh, which not only dominated the box office but also left viewers thoroughly entertained. According to an insider familiar with the production, the screenplay for the sequel has been finalized, sparking high enthusiasm from Kartik as he gears up to revisit his character as the endearing small-town protagonist, "Kartik loved the script of PPAW 2 and, as soon as he gave his nod, the makers decided to get this one rolling soon. Knowing the



actor's tight schedule and several films lined up, the makers have secured his dates as soon as possible. Once Kartik wraps up shooting for Bhool Bhulaiyaa 3, PPAW 2 will go on floors," the source told Bollywood Hungama.

The 2019 film Pati Patni Aur Woh received immense love from audiences for its unconventional love narrative, with Kartik's electrifying dance moves in the viral track 'Dheeme Dheeme' causing a frenzy online. The dance craze extended beyond just social media users, as even big names like Deepika

Padukone and Hrithik Roshan were spotted grooving to the beats, enjoying the catchy steps. With the sequel being produced by Bhushan Kumar and Juno Chopra, and directed by

Mudassar Aziz, the project is shaping up to be an exciting endeavor. While the 'Woh' character is yet to be confirmed for the sequel, Kartik's successful track record in the comedy genre is undeniable. From hits like Pyaar Ka Punchnama (1 &2), Sonu Ke Titu Ki Sweety, Pati Patni Aur Woh, Luka Chuppi, to the upcoming Bhool Bhulaiyaa 2, Kartik has consistently proven himself as a box office magnet. Currently immersed in the filming of Bhool Bhulaiyaa 3, one of the most anticipated releases of the year slated for a Diwali launch, Kartik's dynamic lineup of projects promises an exciting cinematic journey ahead for his fans, with his upcoming films poised to make a significant impact at the box office.